- लोकसभा में राहुल गांधी को केवल बजट पर बोलने की मिली अनुमति -7

- भारत-अमेरिका समझौते से निर्यातकों को शुल्क मोर्चे पर मिलेगी निश्चितता -10

- भारत ने सेशेल्स को 17.5 करोड़ डॉलर का आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की -11

- गेंदबाजों के कमाल से जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से हराया -12

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.55

सूर्यास्त 05.58

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष अष्टमी 07:27 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 10 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 6, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

शरद पवार अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार (शप) के प्रमुख शरद पवार को सोमवार को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद पुणे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 85 वर्षीय पवार का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। राज्यसभा सदस्य पवार को सांस लेने में तकलीफ और लगातार खांसी की शिकायत के बाद पुणे जिले के बारामती कस्बे स्थित उनके आवास से अपराह्न में रूबी हॉल क्लीनिक लाया गया था।

ईपीएफओ लांच करेगा नया एप, सीधे यूपीआई से निकाल पाएंगे पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अंशधारक इस साल अप्रैल में पेश होने वाले एक नए मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये यूपीआई (यूपीआई) भुगतान गेटवे का उपयोग करके अपने पीएफ का पैसा सीधे बैंक खातों में पा सकेंगे। एक शीर्ष सूत्र ने बताया कि श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईपीएफ का एक निश्चित हिस्सा सुरक्षित कर दिया जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा यूपीआई के जरिये बैंक खाते के माध्यम से निकासी के लिए उपलब्ध होगा।

मंदिर की छत गिरने से तीन लड़कियों की मौत

मुरैना। मध्य प्रदेश में मुरैना जिले के अहरौली गांव में सोमवार दोपहर माता मंदिर की छत गिरने से तीन बालिकाओं की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। दोपहर करीब दो बजे जब मंदिर में गुंबद निर्माण के लिए पुरानी छत तोड़ी जा रही थी तब छत की पटिया (निर्माण संबंधी एक प्रकार का सहारा) अचानक गिर गयी और नीचे बैठी बच्चियां मलबे में दब गईं। पुलिस के अनुसार सभी घायलों को कैलारस के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पंजाब में विधि छात्रा की हत्या के बाद छात्र ने खुद को गोली मारी

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन जिले में सोमवार को विधि संकाय के एक छात्र ने कक्षा के अंदर एक छात्रा के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी, जबकि भयभीत सहपाठी यह खौफनाक मंजर देखते रह गए। इसके बाद आरोपी छात्र ने खुद को भी गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि प्रिंस राज गंभीर रूप से घायल है, जबकि छात्रा संदीप कौर की मौत हो गयी। हमलावर प्रिंस राज और संदीप कौर दोनों ही कानून के प्रथम वर्ष के छात्र और सहपाठी थे।

अयोध्या में धमाके की साजिश में शामिल आतंकी की फरीदाबाद जेल में हत्या

फरीदाबाद। अयोध्या में धमाका करने की साजिश में शामिल होने के आरोप में नीमका जेल में बंद 20-वर्षीय आरोपी अब्दुल रहमान की सोमवार को जेल परिसर के भीतर झड़प के बाद एक सह-कैदी ने हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, हाल में जम्मू-कश्मीर से इस जेल में स्थानांतरित किए गए अरुण चौधरी एक कैदी ने इस वारदात को अंजाम दिया।

(विस्तृत खबर पेज 7 पर)

बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन में हंगामा

सपा विधायकों ने वेल में पहुंचकर की नारेबाजी, अभिभाषण के दौरान दो बार रुकीं आनंदीबेन, बोलीं-सपा सरकार में रही शून्य उपलब्धि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानमंडल के बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण से हुई, पहले ही दिन सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। सपा विधायकों ने महंगाई, बेरोजगारी, एसआईआर व यूजीसी जैसे मुद्दों को लेकर नारेबाजी की और वेल में आकर विरोध प्रदर्शन किया।

इसके बाद वित्त मंत्री ने पहली बार सरकार की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की। बाद में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। राज्यपाल ने जैसे ही संयुक्त अधिवेशन में अपना अभिभाषण शुरू किया, सपा विधायक नारे लगाते हुए वेल में पहुंच गए। उन्होंने राज्यपाल वापस जाओ जैसे नारे लगाए। हंगामा बढ़ता देख राज्यपाल ने अपना भाषण कुछ देर के लिए रोका और विपक्षी सदस्यों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने कहा, 'शांत हो जाइए, नहीं तो गला बैठ जाएगा'। उन्होंने यह भी कहा, सपा सरकार में विकास शून्य था। इसके बाद भी सपा सदस्य शांत नहीं हुए। राज्यपाल ने करीब 30 मिनट में अपना अभिभाषण पूरा किया। अभिभाषण में उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं का विस्तृत उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उप्र ने पिछले वर्षों में 'बॉटलनेक स्टेट' की छवि से बाहर निकलकर 'ब्रेकथ्रू स्टेट' के रूप में नई पहचान बनाई है।

कानून-व्यवस्था, आर्थिक सशक्तिकरण, कृषि विकास, महिला सशक्तिकरण, अवसंरचना और जनकल्याण के क्षेत्रों में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्यपाल ने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार से निवेश का माहौल मजबूत हुआ है और प्रदेश उद्योग, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। सत्र के दौरान विधानसभा परिसर में भी सपा विधायकों ने प्रदर्शन किया।

अभिभाषण पढ़तीं राज्यपाल आनंदीबेन।

विधान भवन के सामने तख्तियां दिखाकर विरोध-प्रदर्शन करते विपक्षी।

अभिभाषण की मुख्य बातें

- उत्तर प्रदेश 'बॉटलनेक' से 'ब्रेकथ्रू' स्टेट बना
- कानून-व्यवस्था में सुधार से निवेश का माहौल मजबूत
- खाद्यान्न, गन्ना, चीनी, दुग्ध और आलू उत्पादन में प्रदेश अव्वल
- गन्ना किसानों को 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान
- 36 लाख से अधिक ग्रामीण आवासों का निर्माण
- 8.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण
- ऊर्जा, एथेनॉल, सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल योजनाओं में प्रदेश अग्रणी
- शिक्षा, अवसंरचना और रोजगार सृजन पर विशेष जोर

डिजिटल फ्रॉड के जरिए 54 हजार करोड़ का गबन डकैती के समान

शीर्ष कोर्ट का एसओपी बनाने के निर्देश, कहा-यह राशि कई छोटे राज्यों के बजट से अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए 54 हजार करोड़ रुपये के गबन को पूरी तरह से लूट और डकैती करार देते हुए सोमवार को केंद्र सरकार को ऐसे मामलों से निपटने के लिए आरबीआई, बैंकों और दूरसंचार विभाग जैसे हितधारकों के साथ चर्चा करके मानक संचालन प्रक्रिया बनाने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए गबन की गई धनराशि कई छोटे राज्यों के बजट से अधिक है।

अदालत ने पाया कि इस तरह के अपराध बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या उनकी लापरवाही के कारण हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने आरबीआई और बैंकों की ओर से समय पर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अदालत ने कई नए निर्देश जारी करते हुए गृह मंत्रालय से कहा कि वह आरबीआई की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तथा दूरसंचार विभाग की इसी तरह की एसओपी या निर्णयों पर विचार करे और ऐसे अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चार सप्ताह में एक एमओयू का मसौदा तैयार करे। पीठ को बताया गया कि आरबीआई ने साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से रोकने के संबंध में बैंकों की ओर से की जाने वाली कार्रवाई निर्दिष्ट करते हुए एक एसओपी तैयार की है। अदालत ने सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पहचान करने का निर्देश दिया और गुजरात तथा दिल्ली सरकारों से कहा कि वे इन मामलों में जांच के लिए सीबीआई को आवश्यक स्वीकृति प्रदान करें। कोर्ट ने आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित पक्षों को संयुक्त रूप से एक बैठक कर डिजिटल अरेस्ट मामलों में मुआवजा प्रदान करने के लिए एक ढांचा तैयार करने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार लोगों को मुआवजा देने के मामलों में व्यावहारिक व उदार दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

(बैंक जनता के पैसे की ट्रस्टी : पेज 7)

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या लापरवाही हो सकती है ऐसे अपराधों के पीछे

गृह मंत्रालय ने अंतर-मंत्रालयी समिति गठित की

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया है कि डिजिटल अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रणालीगत खामियों को दूर करने और साइबर अपराध के पीड़ितों की सुरक्षा तत्काल सुनिश्चित करने के लिए एक उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) का गठन किया है। गृह मंत्रालय द्वारा 12 जनवरी को दाखिल स्थिति रिपोर्ट में बताया गया कि भोलेभाले नागरिकों से धन की ठगी के लिए जाली दस्तावेजों और डिजिटल अरेस्ट जैसे हथकंडों का इस्तेमाल करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों के खात्मे के लिए सीबीआई, रिजर्व बैंक, दूरसंचार विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े प्रमुख मंत्रालयों की भागीदारी के साथ एक बहु-एजेंसी अभियान चलाया जा रहा है। पीठ के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने दिल्ली के एक हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी मामले की जांच आधिकारिक रूप से अपने हाथ में ले ली है, जिसमें 76 साल की एक पेंशनर से डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के जरिये 1.64 करोड़ रुपये ठग लिये गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि फर्जी लोगों ने उसे जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धमकाया था। सीबीआई ने बताया कि ऐसी ठगी संगठित और अंतर्राष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोहों द्वारा की जाती है।

एसआईआर में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- ममता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी, बंगाल सरकार से पूछे कई सवाल
- कोर्ट ने कहा- सभी राज्य सरकारें संशोधन प्रक्रिया में सहयोग करें

शीर्ष कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह मतदाता सूचियों के एसआईआर में किसी को भी बाधा डालने की अनुमति नहीं देगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में आवश्यक आदेश या स्पष्टीकरण जारी करेगी। पीठ ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इनमें राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका भी शामिल है, जिसमें एसआईआर अभ्यास के दौरान मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जाने की आशंका जाहिर की गई है।

पीठ ने कहा, हम किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं देंगे। राज्यों को यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया, जिसमें कुछ उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप लगाया गया है। उसने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उपद्रवियों के खिलाफ अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, यह संदेश जाना चाहिए कि भारत का संविधान सभी राज्यों पर लागू होता है। शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से निर्वाचन आयोग को ग्रुप-बी के 8,505 अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराए जाने का संज्ञान लिया। उसने कहा कि इन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया में प्रशिक्षित और नियोजित किया जा सकता है।

पुनरीक्षण का अंतिम निर्णय मतदाता सूची अधिकारियों द्वारा ही लिया जाएगा : पीठ

पीठ ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में संशोधन के सिलसिले में अंतिम निर्णय हमेशा मतदाता सूची अधिकारियों द्वारा ही लिया जाएगा। उसने कहा कि इन 8,505 अधिकारियों की नियुक्ति का तरीका और कामकाज निर्वाचन आयोग द्वारा तय किया जाएगा। सुनवाई के दौरान ममता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने एसआईआर प्रक्रिया में सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और बड़े पैमाने पर योग्य मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर आशंकाएं व्यक्त कीं। दीवान ने पीठ से कहा, हम नहीं चाहते कि मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर लोगों के नाम हटाए जाएं।

मणिपुर में फिर हिंसा, घर फूंके

इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के उखरुल में सोमवार दोपहर हथियारबंद बदमाशों द्वारा लिटान सारेइखोंग गांव में कई घरों में आग लगा दी, इसके बाद यहां एकाएक फिर हिंसा भड़क उठी। पहाड़ी गांव के आसपास सशस्त्र समूहों ने हवा में कई गोलियां भी चलाईं, जिससे निवासी जरूरी सामान लेकर पड़ोसी कांगपोकपी जिले के सुरक्षित इलाकों में भागने को मजबूर हो गए।

तांगखुल में रहने वाले कई ग्रामीणों के भी इलाका छोड़ने की खबर है। इस इलाके में हिंसा की शुरुआत शनिवार रात को लिटान गांव में तंगखुल नागा समुदाय के एक सदस्य पर सात से आठ लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद हुई। पीड़ित पक्ष व लिटान सारेइखोंग के मुखिया के बीच मामला सुलझ गया था और दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से पारंपरिक तरीकों से मामले को सुलझाने का फैसला किया था। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को एक बैठक भी तय की गई थी। हालांकि, बैठक नहीं हो सकी। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लिटान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है।

- फायरिंग व बमबारी पर जवान तैनात, तांगखुल में कई ग्रामीणों के अपना इलाका छोड़ा

भारत के मैच का बहिष्कार वापस लेगा पाकिस्तान

लाहौर। पाकिस्तान भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार का फैसला बांग्लादेश के अनुरोध के बाद वापस लेगा जबकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने सोमवार को कहा कि इस पर अंतिम फैसला अगले 24 घंटे में आ जाएगा।

- नकवी ने कहा 24 घंटे में होगी घोषणा

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख अमीनुल इस्लाम के साथ आईसीसी से बातचीत को स्वीकार करते हुए यहां नकवी ने कहा कि पीसीबी आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से कुछ मसलों पर जवाब का इंतजार कर रहा है। भारत के खिलाफ मैच 15 फरवरी को कोलंबो में होना है।

(विस्तृत खेल पेज पर)

अवैध वसूली में उद्योग विभाग के तीन अधिकारी निलंबित

लखनऊ। जिला उद्योग कार्यालय में सरकारी योजनाओं से जुड़े ऑनलाइन आवेदन और फाइल निस्तारण के नाम पर अवैध वसूली के मामले में शासन ने उद्योग विभाग के तीन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निलंबित किए गए अधिकारियों में सहायक आयुक्त उद्योग एवं प्रभारी उपायुक्त उद्योग रवि वर्मा, सहायक प्रबंधक संतोष राव और जिला प्रबंधक मिलन कुमार शामिल हैं। यह कार्रवाई मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी हमीरपुर की दो सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। समिति की जांच में पाया गया था कि विभिन्न सरकारी योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन कराने, फाइलों का निस्तारण करने और सब्सिडी दिलाने के नाम पर संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध वसूली की जा रही थी।

- आवेदन व फाइल निस्तारण के नाम पर उगाही का आरोप

खीरी में 2 युवकों की गोली लगने से मौत

लखीमपुर खीरी। जिले में सोमवार को गोली लगने से दो युवकों की मौत हो गई, जिससे अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। पहला मामला मितौली क्षेत्र के ग्राम लल्हौआ का है। यहां किराने का सामान लेने घर से निकले 35 वर्षीय मनीष कुमार का शव गोली लगी अवस्था में बरामद हुआ। शव के पास एक तमंचा भी पाया गया है तथा गर्दन पर गोली लगने के निशान हैं। परिजनों ने इसे हत्या करार देते हुए आरोप लगाए हैं। दूसरा मामला भीरा थाना क्षेत्र के ग्राम पड़रिया तुला का है। यहां घरेलू कलह से तंग अमित खन्ना उर्फ मनी (28) पुत्र सुखदेव राज खन्ना ने खुद को गोली मार ली। गंभीर घायल युवक को जिला अस्पताल ओयल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संवाद से निकलेगा समाधान, कार्यवाही बाधित करने के बजाय मुद्दे उठाएं : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को बजट सत्र शुरू होने से पहले मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि सरकार संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान में विश्वास करती है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि किसी भी मुद्दे को कार्यवाही बाधित कर नहीं, बल्कि चर्चा के माध्यम से उठाएं।

योगी ने कहा कि उनकी सरकार का 11 फरवरी को वर्ष 2026-27 का सामान्य बजट प्रस्तुत किया जाएगा और उस पर सदन में चर्चा होगी। यह उनकी सरकार का 10वां बजट है। पहली बार कोई राज्य सरकार अपनी आर्थिक उपलब्धियों को इस तरह आर्थिक सर्वेक्षण के रूप में सदन के सामने रख रही है। इससे जनप्रतिनिधियों और जनता को प्रदेश की आर्थिक प्रगति, प्रति व्यक्ति आय, रोजगार सृजन और वित्तीय प्रबंधन की जानकारी मिलेगी। विधानमंडल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और यह संवाद से चलता है, न कि कार्यवाही बाधित करने से।

- मुख्यमंत्री ने कहा- हमारी सरकार का 10वां बजट कल होगा पेश

विधान भवन में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने सत्र से पहले विधानभवन में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लगाया गया है, जिसमें केजीएमयू के चिकित्सकों की टीम जांच कर रही है। योगी ने सदस्यों को सलाह दी कि तनावमुक्त रहकर संतुलित दिनचर्या अपनाएं, इससे बीमारियां दूर रहेंगी। इस दौरान विस अध्यक्ष सतीश महाना, दोनों उप मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

परीक्षा पे चर्चा | दूसरे चरण में प्रधानमंत्री बोले- मोबाइल कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं जो उसके बिना खाना भी नहीं खा सकते

तकनीक का गुलाम न बनें, मार्गदर्शन के लिए हो एआई का प्रयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को छात्रों को सलाह दी कि वे प्रौद्योगिकी को उन्हें गुलाम नहीं बनाने दें और एआई का उपयोग मार्गदर्शन और अपने काम में बेहतरी लाने के लिए किया जाना चाहिए, न कि सीखने के विकल्प के रूप में।

वार्षिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के नौवें संस्करण की दूसरी कड़ी में मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन उन कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं, जो उनके या टेलीविजन स्क्रीन के बिना खाना भी नहीं खा सकते। उन्होंने कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और गुजरात के विद्यार्थियों से हुई बातचीत में कहा, हर युग में नई प्रौद्योगिकियों, चाहे कंप्यूटर हों या मोबाइल फोन, को लेकर चिंताएं रही हैं। लेकिन यह डर बेवजह है। आपको यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि हम प्रौद्योगिकी के गुलाम नहीं बनेंगे। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से न डरें, बल्कि उनका उपयोग कौशल को निखारने के लिए करें। हमें प्रौद्योगिकी को समझना होगा, खुद का विस्तार करना होगा, उसमें उस प्रौद्योगिकी की ताकत को जोड़ना होगा, जो हमारे कामों में 'वैल्यू एडिशन' करें। काम का स्वरूप हमेशा बदलता रहेगा, जैसे परिवहन बैलगाड़ियों से हवाई जहाजों में परिवर्तित हुआ, लेकिन जीवन चलता रहा।

विद्यार्थियों से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी।

सिर्फ दूसरों की उपलब्धियों को देखने के बजाय सफलता के लिए उनके प्रयास देखें : मोदी

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दूसरों की केवल उपलब्धियों को ही नहीं देखना चाहिए, बल्कि सफलता के पीछे किए गए प्रयास और अनुशासन को भी देखना चाहिए। एक छात्र की पढ़ाई और रुचियों के बीच संतुलन बनाने संबंधी चिंता को दूर करने की कोशिश करते हुए, मोदी ने कहा कि दोनों ही उपयोगी हैं और एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं। स्टार्टअप से संबंधित एक अन्य छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि सबसे पहले इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि आप क्या करना चाहते हैं, चाहे वह प्रौद्योगिकी में नवाचार हो या ड्रोन या विद्युत प्रणालियों जैसे व्यावहारिक समाधान।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

प्रतिक्रिया

अभिभाषण सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भ्रष्टाचार में डूबी सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव बताया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कागजों पर हरियाली उगाने से जनता भ्रमित होने वाली नहीं है। भाजपा सरकार ने परस्पर सद्भाव को नुकसान पहुंचाने का ही काम किया है। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में आंकड़ों और जुमलों का ही प्रदर्शन है। महिला अपराध, फर्जी एनकाउंटर और हिरासत में मौतों के मामले में प्रदेश अव्वल है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में दावे तो बहुत हैं, पर जमीनी वास्तविकता यह है कि बहुत से विभागों में 50 प्रतिशत धनराशि भी खर्च नहीं हो सकी है। शौचालयों में पानी नहीं। नल से जल योजना में कहीं-कहीं नल के ढांचे खड़े हैं, कहीं पानी नहीं आता है।

'बॉटलनेक' से 'ब्रेकथ्रू' तक पहुंचा उत्तर प्रदेश : राज्यपाल

विधानसभा में अभिभाषण : कानून-व्यवस्था, कृषि, अवसंरचना और जनकल्याण में बड़ी उपलब्धियां, कई राष्ट्रीय योजनाओं में प्रदेश नंबर वन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को लाभ पहुंचा

अमृत विचार: विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के विकास की व्यापक तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में 'बॉटलनेक स्टेट' की छवि से निकलकर 'ब्रेकथ्रू स्टेट' के रूप में अपनी पहचान बनाई है। सुशासन, कानून-व्यवस्था, आर्थिक सशक्तिकरण, कृषि विस्तार, महिला सशक्तिकरण, अवसंरचना विकास और जनकल्याण के क्षेत्रों में प्रदेश ने ठोस उपलब्धियां हासिल की हैं।

राज्यपाल ने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार के कारण प्रदेश में निवेश का माहौल मजबूत हुआ है और उत्तर प्रदेश उद्योग, व्यापार, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत संगठित अपराध पर सख्त कार्रवाई की गई है और माफिया तंत्र पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां, प्रोन्नतियां और संस्थागत सुधार किए गए हैं। त्वरित पुलिसिंग के लिए यूपी-112 का रिस्पॉन्स टाइम काफी कम हुआ है और सभी जिलों में साइबर क्राइम थाने स्थापित किए गए हैं।

राज्यपाल ने अवसंरचना क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में सड़क, परिवहन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण किया गया है, जिससे व्यापार, पर्यटन और निवेश को गति मिली है। कृषि क्षेत्र में प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और कृषि जीएसडीपी भी तेजी से बढ़ा है। गन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान, बागवानी क्षेत्र का विस्तार और पशुपालन योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। ऊर्जा क्षेत्र में सुधारों का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों को 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों को 19 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। स्मार्ट और प्रीपेड मीटर लगाने का काम भी तेजी से चल रहा है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया गया है। आवास योजनाओं, श्रमिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को लाभ पहुंचा है।

विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए जातीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना और मुख्यमंत्री योगी।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नई नियुक्तियां, आईसीटी लैब, स्मार्ट कक्षाएं और नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से शिक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। आकांक्षात्मक जिलों में भी स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के संकेतकों में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि कई राष्ट्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। खाद्यान्न, गन्ना, दुग्ध, आम और आलू उत्पादन में प्रदेश अव्वल है। किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला, आवास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में भी प्रदेश अग्रणी रहा है। राज्यपाल ने कहा कि प्रशासनिक सुधारों, वित्तीय सुदृढ़ता और समावेशी विकास के जरिए उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है और 'विकसित भारत' की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधार

- जीरो टॉलरेंस नीति से संगठित अपराध पर नियंत्रण
- बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती और संस्थागत सुधार
- सभी जिलों में साइबर क्राइम थाने स्थापित

अवसंरचना और ऊर्जा

- हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण
- शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 19 घंटे बिजली आपूर्ति
- स्मार्ट और प्रीपेड मीटर योजना का विस्तार

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था

- खाद्यान्न उत्पादन में बड़ी वृद्धि
- गन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान
- बागवानी और पशुपालन से बढ़ी ग्रामीण आय

सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा

- स्वयं सहायता समूहों से महिला सशक्तिकरण
- आवास और श्रमिक योजनाओं का व्यापक लाभ
- नई नियुक्तियां, स्मार्ट कक्षाएं और नए विश्वविद्यालय स्थापित

दोगुने से अधिक हुई प्रदेश की अर्थव्यवस्था

कृषि से उद्योग तक बहुआयामी विकास

वित्त मंत्री ने सदन में पहली बार पेश की योगी सरकार की आर्थिक समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 13.30 लाख करोड़ से बढ़कर 30.25 लाख करोड़ पहुंची जीएसडीपी
- कृषि, उद्योग, सेवा, शिक्षा व सामाजिक सुरक्षा में हुए बड़े बदलाव

अमृत विचार: विधानसभा के बजट सत्र में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने पहली बार प्रदेश की आर्थिक समीक्षा सदन के पटल पर रखी। इसमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा आदि सभी क्षेत्रों में व्यापक प्रगति का दावा किया गया है। खन्ना ने बताया कि वर्ष 2016-17 में 13.30 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था 2024-25 में बढ़कर 30.25 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है और 2025-26 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

खन्ना ने बताया कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में प्रदेश का योगदान 8.6 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गया है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 54,564 रुपये से बढ़कर 1,09,844 रुपये तक पहुंच गई है। 2024-25 में प्रदेश की जीएसडीपी में कृषि का योगदान 25.8 प्रतिशत, उद्योग का 27.2 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 47 प्रतिशत रहा। वहीं दुग्ध उत्पादन 290.52 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 388.15 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। अंडा उत्पादन भी 244 करोड़ से बढ़कर 611 करोड़ हो गया है। मत्स्य उत्पादन 6.3 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 13.31 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। जो 111 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

आर्थिक समीक्षा की प्रमुख उपलब्धियां

- जीएसडीपी 13 .30 से बढ़कर 30 .25 लाख करोड़ रुपये
- प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होकर 1.09 लाख रुपये
- खाद्यान्न उत्पादन 737 .4 लाख मीट्रिक टन
- कारखाने दोगुने से अधिक
- मेडिकल कॉलेज 36 से बढ़कर 81
- सामाजिक सुरक्षा पर 34,504 करोड़ रुपये खर्च
- 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्ताव
- निर्यात 1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

विकसित यूपी 2047 के कृषि लक्ष्य

- फसल सघनता 193% से बढ़ाकर 250% करना
- किसानों की आय तीन गुना करने का लक्ष्य
- 30 लाख हेक्टेयर बंजर भूमि को खेती योग्य बनाना
- माइक्रो इरिगेशन और एआई आधारित कृषि को बढ़ावा
- बीज पार्क, कृषि वानिकी और फसल विविधीकरण पर जोर
- नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु अनुकूल खेती को प्रोत्साहन

कृषि बना ग्रामीण समृद्धि का आधार

समीक्षा में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों को विकास की धुरी बताया गया है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश का खाद्यान्न उत्पादन 737 .4 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया। 2017-18 की तुलना में उत्पादन में 28 .5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। कृषि का अर्थव्यवस्था में योगदान भी बढ़कर 24 .9 प्रतिशत हो गया है। धान और गेहूं दोनों प्रमुख फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई है, जबकि दलहन और तिलहन के क्षेत्रफल में उल्लेखनीय बढ़ोतरी से फसल विविधीकरण को गति मिली है। सरकार ने पीएम-किसान, फसल बीमा, खेत तालाब, सोलर पंप और ऋण वितरण जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को सहायता दी है।

औद्योगिक क्षेत्र बना विकास का इंजन

आर्थिक समीक्षा में बताया गया कि पंजीकृत कारखानों की संख्या 2016-17 के 14,169 से बढ़कर 2025-26 में 30,695 हो गई है। निर्यात 0 .84 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1 .86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

शिक्षा में निवेश से आधारभूत ढांचा मजबूत

प्रदेश में 2 .62 लाख से अधिक विद्यालयों का नेटवर्क तैयार किया गया है। प्राथमिक शिक्षा का बजट 2016-17 के 32 .91 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 82 .34 हजार करोड़ रुपये हो गया है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च बढ़ाकर 34,504 करोड़ रुपये किया गया है। वर्तमान में 67 .5 लाख वृद्धजन और 22 .89 लाख दिव्यांगजन पेंशन से लाभान्वित हो रहे हैं। कन्या सुमंगला योजना से 26 .81 लाख बालिकाओं को लाभ मिला।

कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधार

आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई, डिजिटल पुलिसिंग, सेफ सिटी और मिशन शक्ति जैसे अभियानों से कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और निवेश का माहौल बेहतर बना है।

ग्रामीण विकास और रोजगार

ग्रामीण विकास पर खर्च 2017-18 के 10,508 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 20,081 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2024-25 में 3363 लाख से अधिक मानव दिवस सृजित कर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर रहा।

स्वास्थ्य ढांचे में विस्तार

स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 2017 के 36 से बढ़कर 2025 में 81 हो गई है। 54 जिलों में 170 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से 2 .05 करोड़ मरीजों का इलाज किया गया है। टेलीमेडिसिन सेवा से 22 लाख से अधिक लोगों को परामर्श मिला है। वर्ष 2025-26 में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 46,728 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। संस्थागत प्रसव बढ़कर 96 प्रतिशत से अधिक हो गए हैं और बच्चों का टीकाकरण लगभग शत-प्रतिशत बताया गया है।

राज्यपाल का अभिभाषण जनहित से दूर : मायावती

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. विधानसभा में शुरू हुए बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण को बसपा प्रमुख मायावती ने जनहित से दूर बताया है। उन्होंने का यह भाषण परंपरा से हटकर प्रदेश के विकास व सर्वसमाज के उत्थान सहित व्यापक जनहित में होता तो यह बेहतर होता।

बसपा प्रमुख ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि प्रदेश में राज्य सरकार की गलत नीतियों व कार्यकलापों से सर्वसमाज के करोड़ों लोग दुखी व त्रस्त हैं। लोग गरीबी व बेरोजगारी आदि अनेक समस्याओं से परेशान हैं, मगर उन्हें अपने जान, माल व मजहब की ज्यादा चिंता सता रही है। राज्यपाल को इसके प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहिए था।

11 विधेयक बिना संशोधन बने कानून

विधान परिषद में 12 अधिनियमों की घोषणा

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सोमवार को दोपहर में ठीक 12 .30 बजे वंदेमातरम् के साथ विधान परिषद की कार्यवाही शुरू हुई। बजट सत्र के पहले दिन सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने राज्यपाल के भाषण को प्रस्तुत किया। नेता सदन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या समेत अन्य सदस्यों के समक्ष सभापति ने सदन में तिथिवार कार्यक्रम संबन्धी कार्य-परामर्शदात्री समिति की संस्तुतियों को सदन की मेज पर रखा। इसके बाद प्रमुख सचिव विधान परिषद् ने 2026 में बने 12 अधिनियमों की क्रमवार घोषणा की। साथ ही सभापति ने मंगलवार 11 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधान सभा की कार्यवाही सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू होने के बाद सदन पटल पर चार अध्यादेश रखे गए। जानकारी दी गई कि पिछली बार विधान सभा से पारित 11 विधेयक विधान परिषद से बिना किसी संशोधन के वापस आने के साथ राज्यपाल की स्वीकृति से अब कानून बन चुके हैं।

कार्यवाही के दौरान उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026 तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2026 को सदन पटल पर रखा। इसके बाद नगर विकास मंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश नगर निगम (संशोधन) अध्यादेश, 2026 और उत्तर प्रदेश नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2026 सदन में प्रस्तुत किए गए। सदन को यह सूचना भी दी गई कि दिसंबर 2025 में विधान सभा से पारित 11 विधेयक बिना किसी संशोधन के विधान परिषद से वापस प्राप्त हुए हैं। इनमें ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक, शिक्षा सेवा चयन आयोग संशोधन विधेयक, निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित संशोधन विधेयक, नगर निगम संशोधन, गन्ना उपकर, पेंशन की हकदारी एवं विधिमान्यकरण, सुगम व्यापार तथा दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान संशोधन विधेयक शामिल हैं।

विधानसभा परिसर में सपा सदस्यों का प्रदर्शन

विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ विधानसभा परिसर में प्रदर्शन करते समाजवादी पार्टी के सदस्य।

सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानसभा पहुंचे। अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसआईआर समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार का विरोध

अमृत विचार: विधानभवन में बजट सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को सपा के सभी विधायकों ने एसआईआर समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों के तोड़फोड़ और राजमाता अहिल्याबाई के अपमान पर सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानमंडल पहुंचे। साइकिल पर आगे उन्होंने राजमाता अहिल्याबाई का यह अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान, स्लोगन का पोस्टर लगा था।

पूर्वनियोजित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10 बजे सपा विधायक विधानसभा परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा की समक्ष एकत्रित हो गए। एसआईआर के नाम पर हो रही लोकतंत्र की हत्या, किसानों की बदहाली, बढ़ती महंगाई एवं बेरोजगारी, ध्वस्त कानून व्यवस्था, महिलाओं पर बढ़ते अपराधों जैसे तमाम मुद्दों को लेकर नारेबाजी कर विरोध जताया। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस सदस्या अराधना मिश्रा मोना भी शामिल रहीं। सपा विधायकों ने लाल टोपी लगाकर हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर भाजपा सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इंडिया गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस की अराधना मिश्रा सफेद टोपी लगाकर राज्य सरकार की खामियां गिना रहीं थीं। सपा विधायकों ने कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर सपा सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

मतदाता सूची से नाम काटने की साजिश का आरोप सपा ने सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने आरोप लगाया कि विभिन्न जिलों में कई स्थानों पर एक ही व्यक्ति द्वारा थोक में फॉर्म-7 जमा किए गए, फर्जी हस्ताक्षर किए गए तथा भारत निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन किया गया। जबकि अधिकांश प्रभावित मतदाता अपने पते पर स्थायी रूप से निवास कर रहे हैं और जीवित हैं, इसके बावजूद उनके नाम काटने का दबाव ईआरओ और जिलाधिकारियों पर बनाया जा रहा है। यह आरोप सोमवार को सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर लगाया है। उन्होंने भाजपा पर प्रदेश भर में सपा समर्थक मतदाताओं के नाम अवैध रूप से मतदाता सूची से कटवाने की साजिश के आरोप लगाए हैं।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि औरैया, प्रयागराज, मऊ, मथुरा, सोनभद्र, फतेहपुर, बस्ती, वाराणसी, इटावा, झांसी, अलीगढ़, फर्रुखाबाद, मुरादाबाद, कानपुर, रामपुर, बलिया सहित प्रदेश के अन्य कई जिलों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में फॉर्म-7 भरकर बीएलओ के माध्यम से जमा किए जा रहे हैं। इन फॉर्मों में विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय और पीडीए वर्ग के मतदाताओं के नाम व ईपिक नंबर प्रिंट कराए गए हैं। सपा ने ज्ञापन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत अब तक प्राप्त सभी फॉर्म-7 तत्काल निरस्त करने और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग की गई है।

आंकड़ा | सबसे अमीर डीआईजी संजीव तो एडीजी प्रवीण कुमार के नाम नहीं संपत्ति

डीजीपी से अधिक संपत्ति के मालिक आईजी व डीआईजी

सीपी सिंह, लखनऊ

- डीआईजी वैभव कृष्ण और शैलेष पांडेय भी नहीं हैं किसी भी संपत्ति के मालिक

अमृत विचार: लक्ष्मी जब किसी पर कृपा बरसाती है तो वह सीनियर या फिर जूनियर का भेद नहीं करती। प्रदेश के आईपीएस अफसरों के मामले में यही बात देखी जा रही है। सूबे के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से अधिक संपत्ति के मालिक आईजी और डीआईजी हैं। वहीं खासे दबदबे वाला पद माने जाने वाले लखनऊ के एडीजी प्रवीन कुमार, रेंजों में तैनात दो डीआईजी वैभव कृष्ण और शैलेश पांडेय के नाम कोई भी संपत्ति नहीं हैं।

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की गाइडलाइन के मुताबिक, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा 31 जनवरी तक देना होता है। दर्ज ब्यौरे के मुताबिक, डीजीपी राजीव कृष्ण के पास महज तीन संपत्तियां हैं। इनमें एक लखनऊ में हैं, जिसकी कीमत 10.20 लाख रुपये है। एक संपत्ति गौतमबुद्धनगर में और मीरानपुर कलां में कृषि भूमि है। वहीं दूसरी ओर बस्ती के डीआईजी संजीव त्यागी के पास करीब 29 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां हैं। वह गाजियाबाद के निवासी हैं तो सभी संपत्तियां भी वहीं हैं। इसी तरह मिजार्पुर के आईजी राकेश प्रकाश सिंह भी खासे धनवान हैं। उनके पास 25 से अधिक संपत्तियां है। हालांकि इसमें संजीव त्यागी और राकेश प्रकाश सिंह की पैतृक संपत्ति भी शामिल हैं।

> कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को आईपीएस अफसरों द्वारा जो संपत्तियों का ब्यौरा दिया जाता है, उसमें उनकी पैतृक संपत्ति भी शामिल होती हैं। कुछ अधिकारी ऐसे हैं कि उनके परिवार पहले से ही काफी धनी हैं।
>
> -ब्रजभूषण शर्मा, अपर पुलिस महानिदेशक (सेवानिवृत्त)

दस आईपीएस ने नहीं दिया ब्यौरा

प्रदेश में तैनात करीब 550 आईपीएस अफसरों में से केवल दस अधिकारी ऐसे हैं, जिन्होंने ब्यौरा नहीं दिया है। इनमें आशीष गुप्ता रिटायर हो गए हैं, जबकि जसवीर सिंह निलंबित चल रहे हैं। आनंद स्वरूप दिल्ली प्रतिनियुक्त पर हैं, जबकि अलंकृता ने बीआरएस के लिए आवेदन किया है।

पुलिस के महानिदेशक (डीजी) कानून-व्यवस्था अमिताभ यश और सुजीत पांडेय पांच-पांच संपत्तियों के स्वामी हैं। डीजी जेल पीसी मीणा के पास चार तो एडीजी रेलवे प्रकाश डी. के पास तीन संपत्तियां हैं। जोन में तैनात एडीजी रमित शर्मा के पास सात, भानु भाष्कर और ज्योति नरायन के पास छह-छह, पीयूष मोर्डिया के पास पांच, अनुपमा कुलश्रेष्ठ के पास चार, आलोक सिंह के पास तीन और अशोक मुथा जैन के पास दो संपत्तियां हैं। अभी हाल में एडीजी लखनऊ के पद पर तैनात प्रवीण कुमार के नाम भी कोई संपत्ति दर्ज नहीं हैं।

इसी तरह प्रदेश के पुलिस कमिश्नरों की बात करें तो अमरेन्द्र सेंगर के पास पांच, जोगोन्द्र कुमार के पास नौ, जे रविन्द्र गोड़ के पास चार, लक्ष्मी सिंह और रघुवीर लाल के पास तीन-तीन, जबकि मोहित अग्रवाल और दीपक कुमार के पास महद दो-दो संपत्तियां हैं। रेंज में तैनात आईजी आकाश कुलहरि, अमित पाठक और अजय मिश्रा दो-दो, डीआईजी मुनिराज जी 10, सुनील कुमार सिंह व एस चनप्पा पांच-पांच, प्रभाकर चौधरी चार, जबकि हरीशचंद्र, किरन एस. और कलानिधि नैथानी दो-दो संपत्तियों के स्वामी हैं। जबकि अभिषेक सिंह, अजय साहनी, राजेश एस, सोमन वर्मा और कलानिधि नैथानी के पास महज एक-एक संपत्ति दर्ज दिखाई गई है।

कतार में लगे लाखों परिवारों को जल्द मिलेगा आवास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के आवेदनों का सत्यापन शुरू

अमृत विचार : प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 में उत्तर प्रदेश फिर से कीर्तिमान रचने की तैयारी कर रहा है। योजना के द्वितीय चरण की शुरुआत में 2 लाख जरूरतमंद परिवार आवास से लाभान्वित हुए हैं। इन्हें निर्माण के लिए प्रथम किस्त के 2094 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। आगे के क्रम में कतार में लगे लाखों आवेदनों का सत्यापन शुरू हो गया है।

राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) ने पिछले वर्ष योजना के प्रथम चरण में 17 लाख से अधिक परिवारों को पक्की छत देकर कीर्तिमान रचा था। इसी तरह योजना के दूसरे का बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए रोडमैप बनाया है। जनवरी 2026 में योजना का दूसरा चरण शुरू हुआ था। इसमें 2 लाख परिवारों को आवास से लाभान्वित किया हैं। इन्हें पहली किस्त भी मिल चुका है। इधर, ऑनलाइन आवेदनों का क्रम तेज हो गया है। करीब 23 लाख आवेदन पोर्टल पर आ चुके हैं। सभी जिलों में इनकी पात्रता का डूडा द्वारा सत्यापन शुरू हो गया है। चयन होने के बाद आवास निर्माण के लिए लाभार्थी को बैंक खाते में पहली किस्त एक लाख रुपये मिलेगी। इस धनराशि से 75 फीसद निर्माण कराने पर दूसरी किस्त एक लाख रुपये जारी होगी। इसी तरह अंतिम किस्त 50 हजार रुपये मिलेगी।

'मोटे राम का निमंत्रण' से संभागीय नाट्य समारोह की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : मगहर में सोमवार को सम्भागीय नाट्य समारोह 2025-26 शुरू हो गया है। संत कबीर अकादमी सभागार में शुरू होने वाले चार दिवसीय नाट्य समारोह में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से नाट्य प्रस्तुतियां होंगी। उप्र. संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ (संस्कृति विभाग) एवं संत कबीर अकादमी, मगहर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नाट्य समारोह के पहले दिन प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित कहानी पर आधारित नाटक 'मोटे राम का निमंत्रण' का मंचन किया गया। नाटक का नाट्य रूपांतरण एवं निर्देशन रवीन्द्र रंगधर ने किया। हास्य-व्यंग्य से भरपूर इस प्रस्तुति में सामाजिक कुरीतियों, झूठ और लालच पर करारा प्रहार किया गया।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वस्नीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर"
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555 9695416555

पाइप लाइन में योजनाएं, जाम से कराह रहा शहर

बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था से घंटों में तय हो पाता चंद मिनटों का रास्ता, प्रभारी मंत्री के निर्देश देने के बाद भी नहीं हुआ कोई सुधार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बढ़ती वाहनों की संख्या और बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था के चलते राजधानी जाम से कराह रही है। हालत ये है कि पैदल राहगीरों तक का निकलना मुश्किल हो जाता है। हजरतगंज, सप्रू मार्ग, मेफेयर, बलिंग्टन, नगर निगम के आसपास का इलाका, अमीनाबाद, आलमबाग, चारबाग, रकाबगंज, पांडयेगंज, कैसरबाग, बलरामपुर, केजीएमयू, चौक या फिर नक्खास, नादान महल रोड समेत सभी चौराहों और मुख्य मार्गों पर लगभग रोज जाम लगता है। कुछ मिनटों का रास्ता घंटे में तय होता है। अस्पतालों के पास गंभीर मरीजों को लेकर आ-जा रही एंबुलेंस फंसना रोज की बात है। जाम से निपटने के लिए शासन, पुलिस विभाग व यातायात पुलिस ने कई योजनाएं तैयार की हैं, लेकिन ये योजनाएं अभी पाइप लाइन में हैं। यो योजनाएं जब तक लागू होंगी तब तक तो हालात बद से बदतर हो जाएंगे।

जिले के प्रभारी मंत्री और प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधान भवन के गेट नंबर- 7 व 8 के सामने सुबह 9 बजे से रात बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए थे। इसके पीछे विधानभवन में ट्रैफिक का अत्यधिक दबाव रहने की बात कही। कहा कि इससे आम लोगों और जनप्रतिनिधियों को भी आवागमन में कठिनाई होती है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अन्य जिलों से भी रोजाना बड़ी संख्या में वाहन लखनऊ आते हैं, इससे भी वाहनों का दबाव बढ़ रहा है। इसे देखते हुए सभी प्रमुख चौराहों का संबंधित अधिकारी स्थलीय निरीक्षण करें और आवश्यकतानुसार ट्रैफिक डायवर्जन, बैरिकेडिंग और वन-वे व्यवस्था लागू करें। उन्होंने कहा कि जाम से मुक्ति के लिए कमेटी गठित किया जाए। इसमें यातायात पुलिस, एलडीए, नगर निगम के अधिकारियों को शामिल किया जाए। जो जाम वाले स्थानों का निरीक्षण कर वहां स्थिति के अनुसार समाधान तैयार करें।

शहर से कानपुर को जाने वाली सड़क पर बने अवध चौराहे पर लगे जाम में फंसे वाहन। अमृत विचार

कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से मॉनिटर होगा ट्रैफिक

- यातायात निदेशालय ने बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या को नियंत्रित करने के लिए सेंट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना शुरू कर दी है। यह केंद्र पुलिस मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग) में बनाया जा रहा है। जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इसका शुभारंभ किया जाएगा। एडीजी यातायात बीडी पॉल्सन के मुताबिक इस सेंटर को प्रदेश के बड़े शहरों के इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से जोड़ा जा रहा है। गूगल मैप के माध्यम से जाम वाले इलाकों की पहचान कर तुरंत स्थानीय यातायात पुलिस को सूचना दी जाएगी। साथ ही मुख्यालय स्तर से जाम खत्म करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। जुटाये गये डाटा का विश्लेषण कर यह पता लगाया जाएगा कि किस सड़क पर किस समय जाम लगता है। इससे जाम के कारणों का पता लगाकर स्थायी समाधान तैयार किया जाएगा। अगले चरण में अन्य शहरों और राष्ट्रीय राजमार्गों को भी इस सिस्टम से जोड़ा जाएगा।

16 यातायात थाने बनाने की भी तैयारी

- डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने बताया कि विस्तृत अध्ययन के आधार पर 16 ट्रैफिक थाने खोलने का प्रस्ताव निदेशालय भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। थाने उन रूटों पर बनाए जाएंगे जहां जाम व हादसे सबसे अधिक होते हैं। आगरा एक्सप्रेसवे, कानपुर हाईवे, सुल्तानपुर हाईवे, अयोध्या, रायबरेली और सीतापुर हाईवे को प्राथमिकता दी जाएगी। थाने स्थापित करने के बाद यातायात नियंत्रण के लिए समर्पित पुलिस बल तैनात होगा। ट्रैफिक थानों के बनने से हाईवे और शहर के अंदर दोनों जगह हादसों पर अंकुश लगेगा। हादसे होने पर पुलिस की पहुंच घटनास्थल तक तेज होगी, जिससे राहत और बचाव कार्य में सुधार होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, ट्रैफिक प्लान और नए ट्रैफिक थाने प्रभावी ढंग से लागू किए गए, तो राजधानी लखनऊ को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है। इससे यातायात सुगम होगा और सड़क हादसों में भी कमी आएगी।

कैसरबाग चौराहे पर लगे जां में फंसे वाहन। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

व्यापारी नेता वसी उल्ला को पत्नी शोक

अमृत विचार, लखनऊ : साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति के अध्यक्ष वसी उल्ला आजाद की पत्नी शमीम जहां का सोमवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सुबह 5 बजे उन्हें अचानक से बेचैनी का अहसास हुआ। उन्हें लोकबन्धु अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में व्यापारी बंगला बाजार पहुंचे। मस्जिद अल्फैज में उनकी जमाज-ए-जनाजा हुई। कब्रिस्तान आमना में शाम को उन्हें सिपुर्द-ए-ख़ाक कर दिया गया।

पशुओं के टीकाकरण को चलेगा मॉप-अप राउंड

अमृत विचार, लखनऊ : पशुओं को खुरपका-मुंहपका से बचाने के लिए चल रहे विशेष अभियान में 3 .80 लाख पशुओं के सापेक्ष 70 हजार का टीकाकरण पशुपालन ने कर लिया है। सीवीओ डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि 10 मार्च तक विशेष अभियान चलाकर पशुओं का टीकाकरण करना है। किसी कारण अभियान से जो पशु छूटेंगे उनका मॉप-अप राउंड चलाकर टीकाकरण करेंगे।

विस्फोटक भंडारण के संदेह में गोदाम सील

अमृत विचार, लखनऊ : इटौंजा में विस्फोटक के भंडारण की सूचना पर पहुंची पुलिस व बीडीएस की टीम ने एक गोदाम की तलाशी। इसके बाद सील कर दिया। इस दौरान बम निरोधक दस्ते और डाग स्क्वायड की टीम ने काफी देर तक तलाशी की। इटौंजा में पटाखा कारोबारी जुबैर का गोदाम है। जुबैर ट्रेडर्स के नाम से उसका कारोबार है। देर रात पुलिस, डॉग स्क्वायड और बीडीएस टीम एकाएक पंहुची। गोदाम के आस पास टेप से बैरिकेडिंग कर दी गई। पुलिस अधिकारियों ने तफ्तीश की इसके बाद चले गए। एडीसीपी ऋषभ रुणवाल, एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह और इटौंजा पुलिस छापेमारी के दौरान मौजूद रही। एडीसीपी ने बताया कि गोदाम में अवैध पटाखो के होने की आशंका है। जांच की जा रही है। जो भी साक्ष्य मिलेंगे। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अब फार्मर रजिस्ट्री पकड़ेगी जोर

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में रबी फसलों का आकलन यानी ई-खसरा पड़ताल पूर्ण हो गया है। अब फार्मर रजिस्ट्री जोर पकड़ेगा। जो सभी किसानों के लिए कराना अनिवार्य है। बिना फार्मर रजिस्ट्री के आगे योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। जिले में कृषि विभाग को 2,04,287 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य मिला है। इसमें विभाग द्वारा और स्वयं किसानों द्वारा 1,37,475 फार्मर रजिस्ट्री कराई जा चुकी है। इस व्यवस्था में किसानों के पास जहां कहीं भी कृषि योग्य भूमि हैं वो ऑनलाइन भूलेख से लिंक करके एक आईडी बनाकर दी जाएगी। इससे किसानों को कृषि कार्य, बैंकिंग व योजनाओं का लाभ पाने के लिए भूमि के अलग-अलग दस्तावेज नहीं देने होंगे। इधर, रबी फसलों के ई-खसरा पड़ताल में लगे कर्मियों के कारण फार्मर रजिस्ट्री धीमी पड़ गई थी। उपनिदेशक कृषि विनय कौशल ने बताया कि ई-खसरा पड़ताल का काम पूरा हो गया है। ऐसे में विभाग फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाकर लक्ष्य पूर्ण करेगा।

डीजे पर डांस करने से रोका तो दबंगों ने पीटा

संवाददाता, काकोरी

- काकोरी के पलहेंदा गांव में हुई घटना, चार घायल, एक गंभीर

अमृत विचार: काकोरी के पलहेंदा गांव में एक शादी समारोह के दौरान डीजे पर डांस करने से मना करने पर विवाद हो गया। नशे में धुत कुछ दबंग युवकों ने डीजे संचालक और उसके भाइयों पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पीड़ित प्रयांशु ने बताया कि रविवार रात करीब 11:30 बजे गांव में एक शादी समारोह में उनका डीजे लगा था। इसी दौरान गांव के मोनू, सोनू , शिवा और राजा सहित चार-पांच अन्य युवक नशे की हालत में डीजे पर चढ़कर नाचने लगे। आरोप है कि उन्होंने डीजे की लाइटें तोड़नी शुरू कर दीं। जब प्रयांशु ने उन्हें रोका और नीचे उतरने को कहा, तो आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से प्रयांशु पर हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आए उसके भाई राजू, रितेश और विक्रम को भी हमलावरों ने पीटा। इस मारपीट में चारों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर राजू की हालत गंभीर बताई जा रही है उसे ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है, जहां वह आईसीयू में भर्ती है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। अन्य घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में जारी है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि हमलावर दबंग प्रवृत्ति के हैं। मारपीट के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित की तहरीर पर काकोरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, साथी घायल

अमृत विचार, लखनऊ: इटौंजा स्थित मूंगफली फैक्ट्री के सामने रविवार देर रात सड़क हादसे में अधेड़ की मौत हो गई और साथी घायल हो गया।

पुलिस के मुताबिक गौहना खुर्द निवासी कुंवर बहादुर सिंह (55) व अंगद सिंह (40) रविवार रात को मोहना से इटौंजा की तरफ जा रहे थे। रास्ते में स्थित मूंगफली फैक्ट्री के सामने तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रुप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी इटौंजा पहुंचाया।

जहां हालत नाजुक देखकर दोनों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों ने कुंवर बहादुर सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अंगद का इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

शराब के पैसे नहीं मिले तो युवक ने फंदा लगाकर दी जान

संवाददाता सरोजनीनगर

- शराब के लिए मां की पायल बेचने जाते समय हुआ था विवाद

अमृत विचार : बिजनौर के माती गांव निवासी रंजीत रावत (20) ने पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक शराब के पैसे नहीं मिलने पर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक बिजनौर के माती गाँव में रहने वाला रंजीत रावत मजदूरी करता था। सोमवार दोपहर रंजीत शराब पीने के लिए अपनी मां संगीता से रुपए मांगने लगा। मां ने पैसे देने से मना किया तो वह घर में रखी अपनी मां की बिछिया लेकर बेचने जाने लगा। इसको लेकर घर में जमकर लड़ाई झगड़ा हो गया। इसके बाद रंजीत घर से चला गया।शाम करीब 5 बजे घर से करीब 1 किलोमीटर दूर लोगों ने देखा तो रंजीत एक बर के पेड़ से मफलर के सहारे लटका मिला। यह देखकर लोगों ने उसके परिजनों को सूचना दी। सूचना पाकर उसके परिजन मौके पर पहुंचे और बाद में पुलिस को मामले से अवगत कराया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में उसके पिता राजाराम, मां संगीता और चार बहनें व एक छोटा भाई है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

नशे में धुत युवक ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** विधायक चौराहा के पास स्थित शीतला मंदिर के पास नीलम परिवार के साथ रहती हैं। नीलम के मुताबिक मूलत उनका परिवार मलिहाबाद का रहने वाला है। परिवार में बेटा अमन (30), उसकी पत्नी शालिनी, पिता दिलीप है। अमन रविवार को अपने दोस्त के साथ पार्टी में गया था। जहां उसने शराब पी। देर रात को वापस आया। इसके बाद वह सीधे कमरे में चला गया। काफी देर तक बाहर नहीं निकला तो वह उसे बुलाने गई। नीलम ने कमरे में गई तो अमन फंदे से लटका मिला। आनन-फानन नीचे उतारकर लोहिया अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ई-रिक्शा चालक ने भी फंदा लगा की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: चिनहट इलाके में ई-रिक्शा चालक अमर सिंह ने फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजन के मुताबिक चिनहट इलाके में ई-रिक्शा एक कार से टकरा गया था। कार चालक ई-रिक्शे की बैटरी निकाल कर ले गए थे। बैटरी वापस न होने के कारण पीड़ित परेशान था।

हालांकि पुलिस इस बात से इनकार कर रही है। अयोध्या रोड के पासी टोला निवासी अमर सिंह किराए पर ई-रिक्शा चलाते थे। भतीजे अक्षय ने बताया कि गुरुवार को उनका ई-रिक्शा मटियारी तिराहे पर एक कार से टकरा गया था। कार में हुए नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे थे। रुपये न होने के चलते थोड़ी देर रुकने को कहा था। इसके बाद वह अपने भाई को बुलाने चले गए थे। इसी बीच कार सवार ई-रिक्शे की बैटरी निकालकर फरार हो गए थे। अमर वापस लौटे तो उन्हें जानकारी हुई थी।

उन्होंने चिनहट पुलिस स्टेशन में तहरीर दी थी, पर सुनवाई नहीं हुई। इस दौरान ई-रिक्शे का मालिक उनसे बैटरी के बदले 85 हजार रुपये की मांग कर रहा था। रुपयों की व्यवस्था न होने पर तीन दिनों से अमर परेशान थे।

रविवार को छत पर उन्होंने आत्महत्या कर ली। सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। चिनहट इंस्पेक्टर दिनेश चन्द्र मिश्रा के मुताबिक बैटरी गायब होने को लेकर आत्महत्या किए जाने की बात गलत है। अमर का परिजन से विवाद हुआ था। जिसके कारण यह कदम उठाया।

राहत जनवरी में केंद्र से छूटे परिवारों को लाभान्वित करने के लिए बजट हुआ था जारी

1623 लाभार्थियों को मिली शौचालय के लिए किस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिले में स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण के तहत व्यक्तिगत शौचालय के लिए चयनित 1623 लाभार्थियों के खातों में निर्माण की पहली किस्त पंचायती राज विभाग ने भेज दी है। जनवरी में केंद्र से छूटे परिवारों को योजना से लाभान्वित करने के लिए 2 करोड़ रुपये बजट जारी किया था।

केंद्र सरकार ने व्यक्तिगत शौचालय के लिए 2 करोड़ रुपये जारी किए थे। इसमें वर्ष 2025-26 में चयनित 1384 लाभार्थियों को शौचालय निर्माण की दूसरी किस्त के तौर पर 83.4 लाख रुपये खातों में भेजे थे। शेष धनराशि जिलाधिकारी विशाख जी की स्वीकृति पर नये 1623 लाभार्थियों को पहली किस्त के तौर पर उनके खातों में भेजे गए हैं।

राजधानी को नहीं मिला नियमित डीपीआरओ, एडीओ को चार्ज

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार गोंड के निलंबन के बाद एडीओ पंचायत काकोरी कृष्ण कुमार को तैनात किया गया है। सोमवार को विकास भवन स्थित कार्यालय में कृष्ण कुमार ने प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी का कार्यभार संभाला। सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी (प्राविधिक) जितेंद्र कुमार गोंड 21 जनवरी 2025 को प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी बनाए गए थे। तब से अब तक राजधानी में नियमित जिला पंचायत राज अधिकारी की तैनाती नहीं हो पाई है। चर्चा यह भी है कि पंचायती राज निदेशालय में जिला पंचायत राज अधिकारी पदोन्नति के उपरांत संबद्ध हैं।

योजना के तहत शौचालय निर्माण के लिए दो चरणों में छह-छह हजार रुपये मिलते हैं। ओडीएफ होने के बाद कई परिवार बढ़ते गए, जिन्हें लाभान्वित करने के लिए सर्वे कराकर चयन किया गया था।

वैन में बात कर रहे थे प्रेमी युगल, ग्रामीणों ने पीटा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मौका देख भागे प्रेमी के वैन में की तोड़फोड़, पुलिस ने शुरू की जांच

अमृत विचार: रहीमाबाद के कैथूलिया गांव में देर रात युवक अपनी प्रेमिका से मिलने वैन लेकर पहुंच गया। दोनों वैन में बैठकर बात कर रहे थे। बाहर सुरक्षा में उसके कुछ दोस्त खड़े थे। इसकी भनक ग्रामीणों को लगी तो वहां पहुंच गये। ग्रामीणों ने युवकों को पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। मौका देख युवक भाग निकला। नाराज ग्रामीणों ने वैन में तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से वैन व तीन बाइक कब्जे में ले लिया। मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

हंसा खेड़ा गांव निवासी युवक अपने दोस्त के साथ पास के गांव कैथूलिया प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। प्रेमिका को युवक ने अपनी वैन में बैठा लिया और गांव से कुछ दूरी पर खड़ा हो गया। परिजन ग्रामीणों के साथ युवती को ढूंढते हुए वैन तक पहुंच गए। ग्रामीणों ने दिनों युवकों को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया मौका पाकर दोनों युवक मौके से भाग निकले। नाराज ग्रामीणों ने वैन के शीशे तोड डाले। भागे दोनों युवकों ने अपने अन्य दोस्तों को बुला लिया। तीन बाइक पर सवार दोस्त मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनको भी खदेड़ दिया। तीनों दोस्त अपनी बाईकों को छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों ने बाइकों को भी तोड़ डाला।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने वैन और तीन बाइकों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस वैन और बाइकों के नंबर के जरिए आरोपियों का पता लगा रही है। एसएसआई उमेश यादव के मुताबिक कोई तहरीर नहीं मिली है। फिर भी गाड़ियों के नंबरों से पता लगाया जा रहा है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज किया जाएगा।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

नई राष्ट्रीय विद्युत नीति उपभोक्ता विरोधी : वर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि ड्राफ्ट की गई राष्ट्रीय विद्युत नीति पूरी तरह से उपभोक्ता विरोधी है। इसके जरिए देश के सार्वजनिक ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र में ले जाने की साजिश है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि इस नीति को आम उपभोक्ता के हित में तुरंत वापस लिया जाए। परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि ऊर्जा राज्य मंत्री द्वारा ड्राफ्ट राष्ट्रीय विद्युत नीति- 2026 देश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के हितों के खिलाफ है। ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नायक की तरफ से स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय विद्युत नीति वितरण क्षेत्र में एक से अधिक लाइसेंसधारियों को सक्षम करके एकाधिकार को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने का प्रस्ताव है, जिससे सार्वजनिक निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सकेगा। केंद्र सरकार पीपीपी मॉडल के तहत निजीकरण को बढ़ावा देना चाहती है। यह कितना दुर्भाग्य है कि सरकार पूरे देश में सरकारी बिजली कंपनियों का एकाधिकार समाप्त कर निजी एकाधिकार को आगे बढ़ना चाहती है, जो देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

आकाशवाणी बना रहा जवानों के लिए कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : आकाशवाणी लखनऊ जल्दी ही अपने कार्यक्रमों में कुछ नए रंग शामिल करेगी। आकाशवाणी केंद्र लखनऊ की कार्यक्रम प्रमुख सुमोना एस पांडे ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि आकाशवाणी जल्द ही जवानों के लिए एक विशेष कार्यक्रम इस केंद्र से भी प्रसारित करने जा रहा है। जिसमें भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से जुड़ी बातों को देश की रक्षा के लिए जीवन समर्पित करने वाले जवानों के साक्षात्कार के माध्यम से प्रसारित किए जाएगा। आकाशवाणी की कार्यक्रम प्रमुख ने बताया कि इसी के साथ ही मीडिया और पत्रकारिता से जुड़े लोगों पर आधारित एक अन्य कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है। जिसमें समसामयिक घटनाओं और पत्रकारिता के आयाम जैसे विषयों पर वरिष्ठ पत्रकार अपने विचार साझा करेंगे। इन दोनों ही कार्यक्रमों का प्रसारण एफएम रेनबो और विविध भारती चैनल पर किया जाएगा।

मूक बधिर बालक को परिजनों से मिलाया

अमृत विचार, हरदोई : नयागांव निवासी देवेंद्र यादव अपनी पत्नी पुनीता एवं चार वर्षीय मूक बधिर पुत्र पीयूष के साथ कस्बे की मुख्य बाजार में खरीदारी करने आया था, जहां पर ज्यादा भीड़ में उसका पुत्र बिछुड़ गया। गश्त पर निकली महिला सिपाही कल्पना सोम एवं मोहिनी सिंह को बाजार के बाहर सुनसान सड़क पर यह बच्चा रोते हुए मिला, जिसे वह अपने साथ थाने ले आई। काफी मशक्कत के बाद उक्त दोनों महिला सिपाहियों ने उसके मां-बाप को ढूंढ़ कर उनके सुपुर्द कर दिया, जिसकी काफी सराहना स्थानीय व्यापारियों एवं आम लोगों ने की है।

लापरवाही से नहीं, बीमारी से हुई थी बुजुर्ग की मौत

अमृत विचार, हरदोई : आधी रात को अचानक बुजुर्ग की तबियत बिगड़ गई। उसे सीएचसी ले जाया गया, जहां मौत होने पर परिजनों ने इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराया, जिसकी रिपोर्ट में बीमारी से मौत की बात कही गई है। टड़ियावां थाने के सुशील (65) की रविवार की रात तबियत बिगड़ने पर सीएचसी टड़ियावां ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया।

जनता दर्शन में दो अनाथ भाइयों की गुहार पर मिली मदद

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन सक्रिय, स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़े गए बच्चे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्कूल में दोबारा दाखिला, 50 हजार की सहायता और राशन किट सौंपी गई

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन में सोमवार को पहुंचे लखीमपुर खीरी के दो अनाथ भाइयों को तत्काल राहत मिली। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने बच्चों के घर लौटने से पहले ही उनकी पढ़ाई दोबारा शुरू कराने और आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था कर दी।

धौरहरा क्षेत्र के सरसवा गांव के शिवांशु और अजय कुमार ने अपने दादा-दादी के साथ जनता दर्शन में पहुंचकर मुख्यमंत्री से मदद की गुहार लगाई थी। वर्ष 2018 में एक दुर्घटना में उनकी मां की मृत्यु हो गई थी, जबकि पिता ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। इसके बाद दोनों बच्चों की पढ़ाई आर्थिक तंगी के कारण छूट गई थी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने दोनों बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ते हुए प्रति बच्चे चार-चार हजार रुपये मासिक सहायता की स्वीकृति दिला दी। साथ ही अजय का कक्षा-7 में दाखिला करा दिया गया, जबकि शिवांशु के कक्षा-9 में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा प्रशासन ने परिवार को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। खाद्यान्न किट में आटा, चावल, दाल, तेल सहित जरूरी सामान दिया गया, जबकि सीएसआर किट में पानी की बोतल, छाता, टॉर्च और मच्छरदानी उपलब्ध कराई गई। बच्चों को स्कूल बैग, ड्रेस, जूते और कंबल भी दिए गए। बाद में परिवार को सरकारी वाहन से घर पहुंचाया गया।

सैनिकों की जमीन कब्जाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : 'जनता दर्शन' में सोमवार को हापुड़ से आए दो सैनिकों ने जमीन पर कब्जे की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की। एक सैनिक ने बताया कि वह और उसका भाई सेना में रहकर देश की सेवा कर रहे हैं, जबकि उनके नेत्रहीन पिता की जमीन पर ताऊ के बेटों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी हथियार के बल पर धमकी भी देते हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने हापुड़ प्रशासन को तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह आवास पर शासकीय व्यस्तताओं के बीच जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुना। इसके अलावा बिजली, नगर निगम और राजस्व से जुड़े कई मामलों पर भी मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

निजी भागीदारी से विकसित होगा इको-टूरिज्म

उप्र. इको-टूरिज्म विकास बोर्ड की बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कार्ययोजना तैयार करने के दिए निर्देश

उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म विकास बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्य प्रताप शाही व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इको-टूरिज्म को रोजगार, संरक्षण और निवेश का समन्वित मॉडल बनाने के निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में इको-टूरिज्म को रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास का प्रमुख आधार बताते हुए इसके लिए समग्र और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता, वन क्षेत्रों और प्राकृतिक विरासत में इको-टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि इको-टूरिज्म एक सशक्त और टिकाऊ उद्योग के रूप में स्थापित हो सके।

सोमवार को उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म विकास बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि चयनित इको-टूरिज्म स्थलों पर पर्यटकों के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास, अच्छे होटल, स्तरीय रेस्टोरेंट और आधुनिक बुनियादी ढांचा विकसित किया जाए, जिससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। उन्होंने गोरखपुर के कुसम्ही जंगल, अयोध्या के कुमारगंज क्षेत्र, गाजीपुर के कामाख्या वन पार्क और लखीमपुर खीरी की महेशपुर रेंज जैसे संभावनाशील स्थलों को पीपीपी मॉडल के माध्यम से विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकें। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच दुधवा, पीलीभीत, रानीपुर और कतरनियाघाट टाइगर रिजर्व के साथ हैदरपुर, बखिरा, सूर सरोवर, समसपुर और नवाबगंज जैसे प्रमुख वेटलैंड्स में 44 इको-टूरिज्म इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं शुरू की गई हैं। अब इन परिसंपत्तियों के मॉनेटाइजेशन और दीर्घकालिक सस्टेनेबिलिटी पर कार्य किया जा रहा है।

लखनऊ-पलिया के बीच सप्ताहांत एसी बस सेवाएं शुरू हों

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री ने कनेक्टिविटी सुधार पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिया कि लखनऊ-पलिया और नई दिल्ली-पलिया के बीच सप्ताहांत एसी बस सेवाएं शुरू की जाएं। इसके अलावा पीलीभीत-मैलानी-बहराइच क्षेत्र में क्षेत्रीय बस सेवा प्रारंभ करने को कहा गया। उन्होंने परिवहन निगम के सफल मॉडल को देखते हुए ऐसी सेवाओं का विस्तार अन्य इको-टूरिज्म स्थलों तक करने के निर्देश दिए।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इटौंजा के भगौतीपुर भटेसवा में हुई घटना, पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार: इटौंजा के भगौतीपुर भटेसवा निवासी रजनेश रावत (45) की रविवार संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। रजनेश का शव रात आठ बजे गांव के बाहर खेत में बने मचान पर पड़ा मिला। भाई शिवमंगल ने जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या का आरोप लगाया है। शिवमंगल ने बताया कि पूरा परिवार रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने सीतापुर के भेंड़िया गया था। घर पर रजनेश और परिवार की एक महिला थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिवमंगल के मुताबिक रविवार देर शाम को वह वापस आया तो रजनेश कहीं नहीं दिखा। इस पर तलाश शुरू कि पर कोई जानकारी नहीं मिली। खेत में बने मचान पर गया तो वहां रजनेश मरणासन्न पड़ा था। रजनेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शिवमंगल ने रजनेश की मौत के लिए परिवार की ही महिला को जिम्मेदार बताया है। आरोप है कि रजनेश की हत्या अवैध संबंधों का विरोध करने पर की गई है। इसमें एक पड़ोसी भी शामिल है। शिवमंगल ने बताया कि 20 दिन पहले महिला को एक युवक के साथ आपत्तिजनक हालत में रजनेश ने देख लिया था। इसका उसने विरोध किया था। दोनों पक्षों में काफी विवाद भी हुआ था। आरोप है कि रजनेश को रास्ते से हटाने के लिए साजिश के तहत वारदात को अंजाम दिया गया है। इंस्पेक्टर इटौंजा मार्कंडेय यादव के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। जांच के लिए विसरा सुरक्षित रखा गया है। फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। विसरा रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वन्य जीव क्षेत्रों में विकास कार्य वैज्ञानिक मानकों के साथ हो: मुख्यमंत्री

- राज्य वन्यजीव परिषद की बैठक में 12 विकास प्रस्तावों को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वन्यजीव संवेदनशील क्षेत्रों में प्रस्तावित सभी विकास एवं निर्माण कार्य वैज्ञानिक मानकों, न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव और विधिक प्रक्रियाओं के पूर्ण अनुपालन के साथ ही किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास की हर प्रक्रिया में वन्यजीवों की सुरक्षा, उनके प्राकृतिक आवागमन और आवासीय निरंतरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सोमवार को राज्य वन्यजीव परिषद की 20वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वन्यजीव क्षेत्रों से जुड़े सभी विकास प्रस्ताव संवेदनशीलता और दूरदर्शिता के साथ तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव भेजते समय संबंधित विभाग पर्यावरणीय जोखिम, जैव-विविधता पर संभावित प्रभाव, वन्यजीव मूवमेंट, वैकल्पिक मार्गों और आधुनिक तकनीकी समाधानों का विस्तृत वैज्ञानिक विश्लेषण अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। इससे विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलित तथा टिकाऊ दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बैठक में विभिन्न वन्यजीव क्षेत्रों से जुड़े विकास प्रस्तावों पर निर्णय लिया गया। ये प्रस्ताव इटावा, गोंडा, पीलीभीत, बरेली और बांदा सहित कई जनपदों के वन्यजीव संवेदनशील क्षेत्रों और इको-सेंसिटिव जोन से जुड़े थे।

मानक पूरे न करने वाले अस्पताल आरोग्य योजना से हटेंगे

- एचईएम 2.0 माइग्रेशन में लापरवाह मिले कई अस्पताल

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पात्र मरीजों को गुणवत्ता युक्त इलाज उपलब्ध कराने के लिए संबद्ध अस्पतालों को अपडेट होना होगा। योजना के सूचीबद्ध चिकित्सालयों के लिए हॉस्पिटल इम्पैनलमेंट मॉड्यूल (एचईएम) 2.0 में माइग्रेशन अनिवार्य कर दिया गया है। नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (एनएचए), भारत सरकार के निर्देश अंतर्गत एचईएम 1.0 से एचईएम 2.0 पर स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है, जिसमें अस्पतालों को निर्धारित 35 गुणवत्ता मानक पूरे करने हैं। एनएचए एवं स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) द्वारा संबंधित अस्पतालों को विभिन्न माध्यमों से निर्देशित भी किया गया है, बावजूद कई चिकित्सालयों की ओर से निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक मानकों को पूरा नहीं किया गया है। स्टेट हेल्थ एजेंसी ने पुनः निर्देशित किया है कि जिन अस्पतालों ने अब तक एचईएम 2.0 माइग्रेशन प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उन्हें योजना के प्रति अनिच्छुक माना जाएगा।

विकसित भारत रोजगार योजना की प्रगति तेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डीबीटी का पहला चरण मार्च में 4,062 नियोक्ताओं ने योजना के तहत किया पंजीकरण

अमृत विचार: भारत सरकार की प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत लखनऊ क्षेत्र में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता में प्रगति देखने को मिल रही है। योजना के तहत डीबीटी का प्रथम चरण मार्च-26 में किया जाएगा। इसको लेकर क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त और प्रभारी अश्विनी कुमार गुप्ता ने बताया कि लखनऊ क्षेत्र के 6,728 पात्र नियोक्ताओं में से अब तक 4,062 नियोक्ताओं ने योजना के अंतर्गत पंजीकरण पूरा कर लिया है। इनके माध्यम से 29,548 नए कर्मचारियों और 69,223 पुनः रोजगार में आए कर्मचारियों का पंजीकरण किया जा चुका है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई थी। इस योजना का उद्देश्य देश में रोजगार सृजन को बढ़ावा देना, कार्यबल की रोजगार क्षमता में वृद्धि करना के साथ सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना है। प्रभारी ने आगे बताया कि योजना के लिए कुल एक लाख करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है।

ढाई करोड़ का गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने प्रदेश के दो स्थानों पर छापेमारी करके दो नशीले पदार्थ के तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के कब्जे से 499 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि बरामद गांजा की कीमत 2.5 करोड़ रुपये है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, एंटी नारकोटिक्स की वाराणसी और आगरा की टीम ने संयुक्त रूप से चंदौली में छापेमारी की। इस दौरान टीमों ने प्रमोद गुप्ता निवासी बलिया और अक्षय कुमार निवासी बरेली को गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्तों के पास से गांजा के साथ ही एक डीसीएम और 2,220 रुपये भी बरामद किए गए। वह गांजा को उड़ीसा के बालीगुड़ा से लेकर गौतमबुद्धनगर में डीसीएम मालिक को देने जा रहे थे।

अग्निवीर बनने को अभ्यर्थियों ने दिखाया दम

एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर टेक्निकल भर्ती में शामिल हुए 625 अभ्यर्थी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भर्ती कार्यालय (एआरओ) लखनऊ द्वारा छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में सोमवार को चौथे दिन अग्निवीर टेक्निकल श्रेणी की भर्ती रैली कराई गई। इस प्रक्रिया में एआरओ लखनऊ के अंतर्गत बाराबंकी, गोंडा, हमीरपुर, कानपुर नगर, महोबा और फतेहपुर जिलों की सभी तहसीलों के अभ्यर्थियों ने हिस्सा लेकर अग्निवीर बनने के लिए दमखम दिखाया।

एआरओ लखनऊ के अंतर्गत अग्निवीर टेक्निकल श्रेणी के लिए कुल 880 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र भेजा गया था। इसमें 625 (71.02 फीसद) अभ्यर्थियों ने भाग लिया। रैली को लेफ्टिनेंट जनरल अनूप सिंघल, एवीएसएम, एसएम, महानिदेशक भर्ती ने हरी झंडी दिखाकर दिखाई। इसके बाद अभ्यर्थियों ने दौड़, कूद समेत अन्य शारीरिक दक्षता परीक्षा दी। इसी तरह 10 फरवरी को कानपुर नगर की सदर, घाटमपुर, नरवल और बिल्हौर तहसीलों के लिए की रैली आयोजित की जाएगी। एआरओ लखनऊ के तहत भर्ती रैली लखनऊ, औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर और फतेहपुर जिलों के लिए कराई जा रही है, जो 20 फरवरी तक चलेगी।

छावनी स्थित एमसी स्टेडियम में भर्ती रैली को झंडी दिखाते लेफ्टिनेंट जनरल अनूप सिंघल। अमृत विचार

टंकी बनने और पाइपलाइन बिछने के बाद भी नहीं आया पानी

ग्राम पंडरवा किला में लाखों खर्च के बाद भी लोगों को नहीं मिली राहत

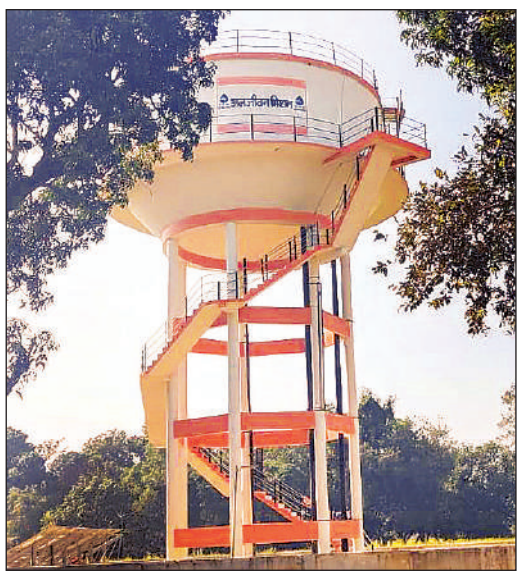

शोपीस बनी पानी की टंकी। अमृत विचार

संवाददाता, पिहानी, हरदोई

- जल जीवन मिशन योजना में कर्मचारियों की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत विकास खंड के ग्राम पंडरवा किला में लाखों रुपये की लागत से पानी की टंकी और पाइपलाइन का निर्माण कराया गया। उद्देश्य था कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचे और ग्रामीणों को पानी की समस्या से राहत मिले, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। टंकी बने काफी समय बीत जाने और पाइपलाइन पूरी तरह बिछ जाने के बावजूद गांव के अधिकांश घर आज भी पानी की सप्लाई से वंचित हैं।

ग्रामीणों के अनुसार गांव के केवल कुछ हिस्सों में ही पानी की आपूर्ति हो रही है, जबकि अधिकतर परिवारों तक अब तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। इससे लोगों में निराशा है और योजना की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की मंशा के बावजूद जल जीवन मिशन से जुड़े कर्मचारियों की लापरवाही के कारण योजना का लाभ पूरे गांव तक नहीं पहुंच पा रहा है। गांव के लोगों ने बताया कि योजना शुरू होने के समय उन्हें उम्मीद थी कि अब हर घर में नल से पानी मिलेगा, लेकिन आज भी कई परिवार हैंडपंप और अन्य साधनों पर निर्भर हैं। कई इलाकों में पानी की सप्लाई या तो शुरू ही नहीं हुई है या फिर बेहद सीमित स्तर पर हो रही है।

मौके पर नहीं मिला कोई कर्मी

मौके पर पहुंचकर जलापूर्ति व्यवस्था की जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो वहां कोई भी संबंधित कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। इससे व्यवस्था की निगरानी और संचालन को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए और जल्द से जल्द पूरे गांव में नियमित व सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि जल जीवन मिशन का उद्देश्य धरातल पर पूरा हो सके।

पीजीआई | भर्ती प्रक्रिया के लिए 28 तक जमा होंगे आवेदन

98 डॉक्टरों की नियुक्ति जल्द

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 41 विभागों में पद खाली, आरक्षित वर्ग के लिए विशेष अवसर

अमृत विचार : संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए संस्थान ने 98 नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कराई है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तारीख 28 फरवरी रखी गई है। संस्थान के नोटिस के अनुसार नई भर्ती 41 विभागों में की जाएगी, जिनमें डॉक्टरों के खाली चल रहे आरक्षित वर्ग के पद भरे जाएंगे।

इन 98 पदों में 88 असिस्टेंट प्रोफेसर, 8 एसोसिएट प्रोफेसर, और एक-एक एडिशनल प्रोफेसर व प्रोफेसर के पद शामिल हैं। आरक्षण के अनुसार, 58 पद अनुसूचित जाति (एससी), 39 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और 1 पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में अपना विवरण भेजना होगा। संस्थान ने अधिकतम आयु सीमा भी निर्धारित की है। इसके अनुसार, 50 वर्ष से अधिक आयु वाले अभ्यर्थियों की नियुक्ति नहीं होगी। आयु गणना 28 फरवरी को आधार मानकर की जाएगी। आरक्षित वर्ग को आयु में छूट दी गई है। एससी/एसटी के लिए 5 वर्ष, और ओबीसी के लिए 3 वर्ष।

सामान्य पदों के लिए साफ होगा रास्ता

विशेष बात यह है कि आरक्षित वर्ग की नियुक्तियों के साथ ही सामान्य पदों के लिए भर्ती का मार्ग भी साफ हो जाएगा। नियमानुसार बैकलॉग भर्ती के पदों का विज्ञापन अलग से जारी किया जाना चाहिए। इसी वजह से संस्थान प्रशासन ने इन 98 पदों के लिए अलग से भर्ती विज्ञापन जारी किया है।

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

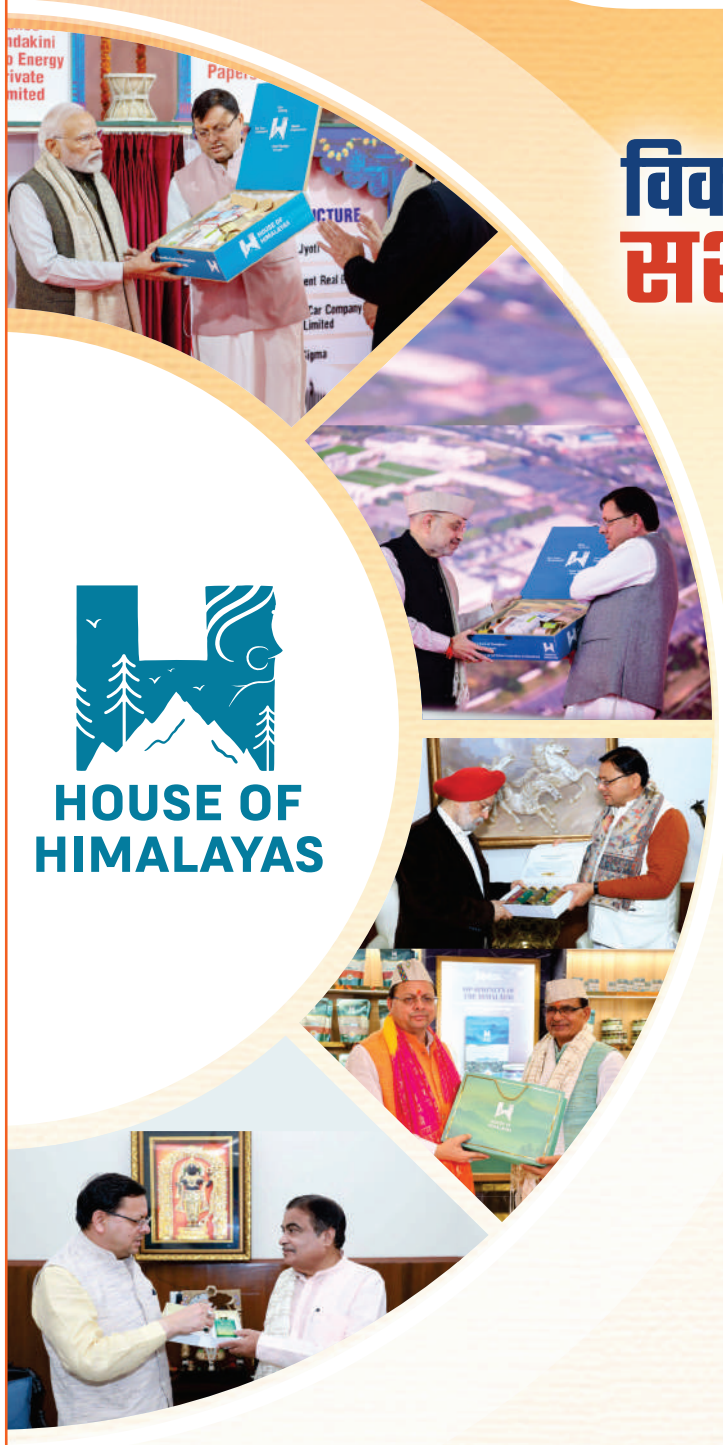

HOUSE OF HIMALAYAS

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

हमें स्वदेशी को अपना स्वाभिमान बनाना है। इसे अपनाना केवल सामान खरीदने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे गर्व के साथ बढ़ावा देना हर नागरिक का कर्तव्य है। इससे स्थानीय उद्योग सशक्त होंगे, रोजगार बढ़ेंगे और देश की आर्थिक तरक्की में मदद मिलेगी। त्योहारों के अवसर पर देश के प्रत्येक नागरिक स्वदेशी सामान खरीदें। यह छोटा कदम देश की बड़ी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और इसे अपनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद अब दुनिया की पहली पसंद

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरुप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरुप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

बेहतर गुणवत्ता : हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

ODTP ONE DISTRICT TWO PRODUCTS UTTARAKHAND

एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5%

स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

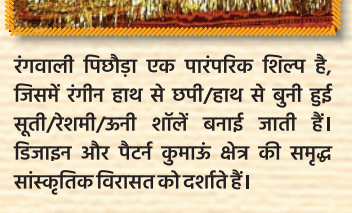

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

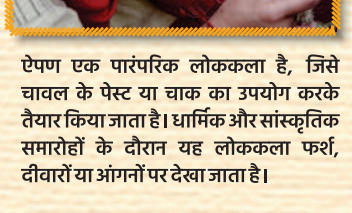

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

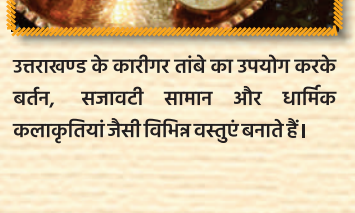

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

पूर्वांचल

अंतिम बार साथ देखे जाने का साक्ष्य अपर्याप्त : हाईकोर्ट

कहा, संदेह चाहे जितना भी प्रबल क्यों न हो, प्रमाण का स्थान नहीं ले सकता

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 1992 के एक अपहरण व हत्या मामले में दो आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 'अंतिम बार साथ देखे जाने' का सिद्धांत तभी निर्णायक हो सकता है, जब मृतक और आरोपी को साथ देखे जाने तथा मृत्यु के बीच समय का अंतर बहुत कम हो, जबकि वर्तमान मामला इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने अनूप सिंह और राम कुमार की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए पारित किया। साथ ही 24 सितंबर 2005 के ट्रायल कोर्ट, सहारनपुर के निर्णय को निरस्त कर दिया।

मामले के अनुसार चंद्रपाल उर्फ चंद्र प्रकाश का 7 फरवरी 1992 की सुबह सहारनपुर से कथित रूप से अपहरण कर लिया गया। बाद में फरीदाबाद के बल्लभगढ़ रेलवे स्टेशन के निकट उसकी हत्या कर दी गई। ट्रायल कोर्ट ने अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष कठोर कारावास व आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपील लंबित रहने के दौरान दो आरोपी बालक राम व विनोद की मृत्यु हो गई। अभियोजन की ओर से यह तर्क दिया गया कि मृतक ने नौकरी लगवाने के लिए आरोपियों को 7500 रुपये दिए थे और आरोपी उस धनराशि को लौटाने से बच रहे थे। अतः उन्होंने मृतक की हत्या कर दी।

मामले तथ्यों पर विचार करते हुए कोर्ट ने ने इस बात पर जोर दिया कि संदेह चाहे जितना भी प्रबल क्यों ना हो, प्रमाण का स्थान नहीं ले सकता और जहां दो संभावित दृष्टिकोण उपस्थित हो, वहां अभियुक्त को संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए। कोर्ट के समक्ष विचारणीय मुद्दा यह था कि क्या अंतिम बार साथ देखे जाने का साक्ष्य दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह सिद्धांत तभी प्रासंगिक होता है, जब आरोपी और मृतक को अंतिम बार साथ देखे जाने तथा मृतक की खोज या शव की बरामदगी के बीच समय का अंतर इतना कम हो कि किसी तीसरे व्यक्ति के हस्तक्षेप की संभावना न्यूनतम हो जाए। वर्तमान मामले में मृतक को कथित रूप से सात फरवरी 1992 को शाम लगभग छह बजे दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आरोपियों के साथ अंतिम बार देखा गया, जबकि शव की बरामदगी नौ फरवरी 1992 को दोपहर में बल्लभगढ़ रेलवे लाइन के पास हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृत्यु नौ फरवरी 1992 को किसी भी कारण से होने की संभावना है। अतः समय-अंतराल एवं चिकित्सीय साक्ष्यों को देखते हुए मामले में किसी अन्य व्यक्ति के हस्तक्षेप की संभावना को पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता है। इन्हीं आधारों पर कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय को खारिज करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया।

गवाह को पुन : बुलाना साक्ष्य की कमी को भरना नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक किराया-विवाद से जुड़े मामले में अधीनस्थ अदालतों के आदेश रद्द करते हुए गवाह के पुन : परीक्षण की अनुमति दे दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि साक्ष्य में उत्पन्न वास्तविक अस्पष्टता को दूर करने के लिए गवाह को पुन : बुलाना 'साक्ष्य की कमी को भरना' नहीं माना जा सकता। यदि स्पष्टीकरण से सत्य तक पहुंचने में सहायता मिलती है और किसी पक्ष को अनुचित लाभ नहीं मिलता, तो ऐसी अनुमति देना न्यायहित में आवश्यक हो सकता है। क्योंकि प्रक्रियात्मक कानून का उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना है, न कि उसे बाधित करना। उक्त आदेश न्यायमूर्ति डॉ. योगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव की एकलपीठ ने कानपुर निवासी गोपी किशन खंडेलवाल की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया। दरअसल विवाद कानपुर नगर स्थित एक संपत्ति से संबंधित किराया वाद से उत्पन्न हुआ है। वादी ने दावा किया कि वह दस नवंबर 2010 की वसीयत के आधार पर संपत्ति की स्वामिनी है और इसी आधार पर किरायेदार के विरुद्ध बेदखली, बकाया किराया और हर्जाना मांगते हुए वाद दाखिल किया। किरायेदार-विपक्षी ने इस दावे का विरोध करते हुए कहा कि वर्ष 2010 से किराया वादी को नहीं, बल्कि मूल मालिक के पुत्र देवेंद्र कुमार त्रिपाठी को दिया जाता रहा। उसका यह भी कहना था कि जिस वसीयत पर वादी भरोसा कर रही है, वह बाद में की गई एक अन्य वसीयत से निरस्त हो चुकी थी और मूल मालिक की मृत्यु वर्ष 2019 में हुई। साक्ष्य के दौरान रिकॉर्ड पर ऐसी सामग्री आई, जिनमें किराया रसीदें, वादी पक्ष की स्वीकारोक्ति और गवाहों के बयान शामिल थे, जिनसे यह सिद्ध होता था कि किराया वास्तव में देवेंद्र कुमार त्रिपाठी द्वारा ही प्राप्त किया जाता था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 227 के तहत हस्तक्षेप तब आवश्यक होता है, जब अधीनस्थ न्यायालय अधिकारों का उचित प्रयोग न करे या इससे स्पष्ट अन्याय की स्थिति उत्पन्न होती हो। अंत में कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट और पुनरीक्षण अदालत के आदेश रद्द करते हुए निर्देश दिया कि गवाह का केवल सीमित उद्देश्य जैसे किराया रसीद जारी करने संबंधी अस्पष्टता स्पष्ट करने के लिए पुन : परीक्षण किया जाए और मुकदमे का निस्तारण शीघ्र किया जाए।

न्यूज ब्रीफ

एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट की परीक्षा संपन्न

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। स्थानीय शिवपति इन्टर कॉलेज में रविवार को एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट की परीक्षा सफलतापूर्वक हुई। इस परीक्षा में 583 कैडेट्स शामिल हुए। 46वीं यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के तत्वावधान में आयोजित इस परीक्षा में सीओ वेदप्रकाश पटियाल ने बताया कि कुल 600 पंजीकृत कैडेटों में से 583 कैडेट्स उपस्थित रहे, जबकि 17 अनुपस्थित पाये गयें। कैडेटों की लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल टेस्ट भी शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराई गई। इस दौरान शिवपति इन्टर कॉलेज, गांधी आदर्श विद्यालय इन्टर कॉलेज, लाल बहादुर शास्त्री उमा विद्यालय, पं0 बाबूराम शुक्ल विद्या मंदिर इन्टर कॉलेज, फातिमा इन्टर कॉलेज, जय किसान इन्टर कॉलेज सकतपुर, सेठ रामकुमार खेतान बालिका इन्टर कॉलेज आदि विद्यालयों के एनसीसी कैडेट्स ने हिस्सा लिया। सभी केन्द्रों पर अनुशासन और व्यवस्था सराहनीय रही।

ट्रेन से गिरकर हुई युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार : बंगलूरू मैंगलोर से लौटते समय लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर सोनिक स्टेशन के आगे ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हुई थी। शनिवार को गोरखपुर से पहुंचे परिजनों ने उसकी शिनाख्त की। इसके बाद सोमवार को दही पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई शुरू की। बता दें कि गोरखपुर जिला के जनहा थानाक्षेत्र के पुरनहिया गांव निवासी जोगेंद्र निषाद (32) पुत्र स्व. रमाकंत बंगलूरू में पेंटिंग करता था। जहां से घर लौटने के लिये वह 15024 गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस से सफर कर रहा था। तभी शनिवार देररात लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर दही थानाक्षेत्र के सोनिक स्टेशन से आगे अलगनगढ़ क्रॉसिंग के पास ट्रेन से गिरकर गंभीर घायल हुआ था। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी मौत हो गई।

गैंगस्टर एक्ट में आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद क्षेत्र में हाईवे के किनारे खड़ी गाड़ियों और ट्रकों को रोक कर समानों की चोरी करने वाले संगठित गिरोह के लीडर एवं गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे आरोपी दयानंद शर्मा को सोमवार को कोइकोल रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी की पहचान दयानंद शर्मा निवासी गड़सरपार, थाना कोतवाली खलीलाबाद के रूप में हुई। अभियुक्त के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, यानी गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था और वह लंबे समय से पुलिस को वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। गठित टीम की सूचना के पर 09 फरवरी को अभियुक्त दयानंद शर्मा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

छात्र-छात्राओं को दी गई भावभीनी विदाई

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड शोहरतगढ़. क्षेत्र में चर्चित विद्यालय श्री लाल बहादुर शास्त्री हायर सेकेण्डरी स्कूल रमवापुर तिवारी में सोमवार को हाईस्कूल की छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एमएलसी प्रतिनिधि व प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ0 पवन मिश्रा सहित भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। छात्र-छात्राओं को अपनी हाथों से पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। जूनियर छात्राओं ने सीनियर्स को उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

दिनदहाड़े मां की गोद से नवजात को छीन ले गए बाइक सवार महिला-पुरुष

संवाददाता, संतकबीरनगर

- बाइक सवार जंगल की ओर फरार, मां ने जताई हत्या की आशंका
- सूचना मिलते ही घटना की छानबीन में जुटी पुलिस

अमृत विचार। बेलहर कला थाना क्षेत्र के जंगल बेलहर गांव के पास रविवार शाम एक माह के नवजात शिशु के अपहरण से इलाके में सनसनी फैल गई। मां का आरोप है कि बाइक सवार एक महिला और उसका पुरुष साथी सुनसान रास्ते में बच्चे को जबरन छीनकर जंगल की ओर फरार हो गए। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है।

पीड़िता निरमा पत्नी फूलचंद ने बताया कि वह रविवार शाम करीब पांच बजे नरायनपुर बाजार से घर लौट रही थी। गांव के पास बलिकरन के घर के नजदीक जंगल के रास्ते पीछे से आए महिला-पुरुष ने उसकी गोद से नवजात शिशु छीन लिया। वह कुछ समझ पाती, उससे पहले आरोपी बाइक से जंगल की ओर भाग निकले। शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी देर तक खोजबीन की, लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। ग्राम प्रधान के भाई ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। देर रात तक भी शिशु का पता नहीं चल सका। मां ने आशंका जताई है कि आरोपी उसके नवजात की हत्या भी कर सकते हैं। सोमवार को थाने पहुंचकर उसने लिखित तहरीर दी और तत्काल कार्रवाई की मांग की। घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने नवजात की शीघ्र बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। इस संबंध में एसओ बेलहर कलां अनिल कुमार ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। आसपास के इलाकों में सर्च अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्धों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

सड़क निर्माण से लोगों को मिलेगी राहत

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी के खैरी शीतल प्रसाद के मौर्याडीह टोला में आजादी के बाद अब तक पक्की सड़क नहीं बन पायी थी। हर साल बाढ़ की त्रासदी झेलने वाले इस टोले के लोग पक्की सड़क न होने से बरसात के दिनों में कहीं भी वाहन से आवागमन नहीं पाते थे। ग्राम प्रधान के प्रयास से विधायक शोहरतगढ़ ने पूर्वांचल निधि योजना के तहत मार्ग को स्वीकृति दिलवाई, जिसके बाद अब सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। बढ़नी ब्लॉक का खैरी शीतल प्रसाद ग्राम पंचायत के 07 टोलों की लगभग पांच हजार आबादी बाढ़ से प्रभावित रहती है। पक्की सड़क बन जाने से इन ग्रामीणों को कुछ राहत मिलेगी।

विशेष गाड़ी का संचलन आज और कल

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05010 गाजीपुर सिटी-गोंदिया एकल यात्रा विशेष गाड़ी का संचलन 10 फरवरी को किया जायेगा। 05010 गाजीपुर सिटी-गोंदिया एकल यात्रा विशेष गाड़ी 10 फरवरी को गाजीपुर सिटी से 20.35 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा शयनयान श्रेणी के 11 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे। इसके अलावा 05009 आजमगढ़-यशवन्तपुर एकल यात्रा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन 11 फरवरी को किया जायेगा। 05009 आजमगढ़-यशवन्तपुर एकल यात्रा विशेष गाड़ी 11 फरवरी को आजमगढ़ से 05.05 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 10 तथा शयनयान श्रेणी के 05 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे।

फेडरेशन कप वालीबॉल में रजत पदक जीता

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ी निरन्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारतीय रेल एवं देश का नाम रोशन कर रहे हैं। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ी दीक्षा एवं सुमेधा ने भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व करते हुये 03 से 08 फरवरी तक रायपुर में चल रहे फेडरेशन कप वालीबाल में रजत पदक जीता। पूर्वोत्तर रेलवे वालीबाल कोच विनोद सिंह ने भारतीय रेलवे पुरूष टीम कोच के रूप में प्रतिभाग किया और टीम को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। पूर्वोत्तर रेलवे के इन खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष अभय कुमार गुप्ता एवं महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनायें दीं और उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया।

पदक जीतने वाली खिलाड़ी। अमृत विचार

भारत-नेपाल सीमा पर दो नेपाली युवक गिरफ्तार

रूपैडिहा, बहराइच, अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा स्थित रूपईडीहा चेकपोस्ट पर एसएसबी जवानों ने दो नेपाली युवकों को सोने व हीरे के जेवरात के साथ गिरफ्तार किया है। ये दोनों युवक हैदराबाद से इन गहनों को चुराकर भागे थे। एसएसबी 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने बताया कि हैदराबाद जिले में स्थित थाना जुबली हिल्स के इंस्पेक्टर ने सूचना देते हुए बताया था कि दो नेपाली युवक करोड़ों कीमत के सोने व हीरे के जेवरात व कीमती नग चोरी कर बहराइच के रास्ते नेपाल जाने की फिराक में हैं। पुलिस ने उनके फोटो भी साझा की गई थी।

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) जयकेश त्रिपाठी ने सोमवार को सांथा विकास खंड का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक परिसर की साफ-सफाई, उपस्थिति रजिस्टर और आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) की प्रगति की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने ब्लॉक परिसर की साफ-सफाई को संतोषजनक न पाते हुए इसे और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में बने मनरेगा पार्क का भी निरीक्षण किया और नियमित साफ-सफाई व रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा। सीडीओ ने कर्मचारियों को आईजीआरएस से संबंधित शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिकायत निस्तारण में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर, ब्लॉक भवन और मनरेगा सेल का भी निरीक्षण किया। खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचाया जाए और विकास कार्यों में गति लाई जाए।

विकास खंड कार्यालय सांथा में बीडीओ सांथा विवेकानंद मिश्र से जानकारी लेते सीडीओ जयकेश त्रिपाठी। अमृत विचार

एमए तृतीय सेमेस्टर की विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम हुआ जारी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में संचालित एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (सत्र 2025-26) की राजनीति शास्त्र, संस्कृत, उर्दू, प्राचीन इतिहास-पुरातत्व एवं संस्कृति तथा लोक प्रशासन विषयों की परीक्षा का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने बताया कि परीक्षा परिणाम महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन भरे गए परीक्षा फार्म के आधार पर जारी किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनी है। परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों के शैक्षणिक मूल्यांकन का महत्वपूर्ण आधार है, जिससे उनके शैक्षिक प्रगति और भविष्य की शैक्षणिक योजना का निर्धारण होता है। समयबद्ध परिणाम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उच्च अध्ययन की दिशा स्पष्ट होती है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को समय पर एवं पारदर्शी परीक्षा परिणाम उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। उक्त जानकारी सूचना जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

महोत्सव खत्म, मैदान में लगा कचरे का अंबार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। 2026 सिद्धार्थनगर महोत्सव बीते लगभग एक सप्ताह से ऊपर हो गया किंतु महोत्सव के मैदान में कचरे का अंबार सफाई अभियान को मुंह चिढ़ा रहा है इतना ही नहीं आसपास के रहने वालों के घरों में हवा बहने पर पॉलिथीन के गंदे और कीचड़ उनके घरों में उड़ कर जा रहे हैं ,इतनी दुर्गंध है कि वहां रहना भी दुभर हो गया है। फोटोग्राफर द्वारा लिए गए चित्र इस बात का गवाह है कि मैदान में फैली गंदगी सफाई कर्मचारियों को उनके कृतियों पर सवालिया निशान लग रहा है जनपद मुख्यालय के अशोक मार्ग स्थित बीएसए प्रांगण में प्रत्येक वर्ष के बाद इस वर्ष भी सिद्धार्थनगर महोत्सव का आयोजन 5 दिनों तक काफी विवादों के बीच चला पहली जनवरी को महोत्सव खत्म हुआ और मेले में आए सभी दुकानदार अपने सामानों को समेट कर दो तारीख तक गंदगी का अंबार लगाते हुए चलता बने और संबंधित अधिकारी भी महोत्सव खत्म होने के बाद राहत की सांस ली। किंतु मैदान में कूदे गंदे पलीतहीन अभी इस तरह से पड़े हुए हैं गंदगी का अंबार इतना है कि उसे मैदान में चलना भी दुभर इस संबंध में नगर पालिका को जब फोन किया गया उनका फोन नहीं उठा। फिलहाल एक सप्ताह बीतने के बाद भी महोत्सव के मैदान में पड़े कूड़े सफाई अभियान को मुंह चिढ़ा रही हैं।

महोत्सव मैदान में फैला पड़ा कचरा। अमृत विचार

सांसद जगदंबिका पाल ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सांसद जगदम्बिका पाल ने सोमवार को लोकसभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 1399 के माध्यम से उत्तर प्रदेश में रामायण सर्किट एवं बौद्ध सर्किट के विकास की स्थिति पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया।

अपने प्रश्न में उन्होंने विशेष रूप से सिद्धार्थनगर जिले को बौद्ध सर्किट के महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें कपिलवस्तु एवं डुमरियागंज क्षेत्र के साथ-साथ डुमरियागंज स्थित प्रसिद्ध वातवशिनी मंदिर जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं। श्री पाल ने कहा कि भगवान बुद्ध के प्रारंभिक जीवन से जुड़े कपिलवस्तु क्षेत्र तथा डुमरियागंज के आस-पास स्थित आध्यात्मिक स्थलों का सुव्यवस्थित विकास न केवल पूर्वांचल, विशेषकर सिद्धार्थनगर के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बौद्ध तीर्थ यात्रियों एवं देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह क्षेत्र एक आकर्षक और व्यवस्थित गंतव्य के रूप में विकसित हो सकेगा।

लेट-लतीफी | वाटर टैक्सी का 345 का टिकट फिर भी सवारी के लिए प्लेटफॉर्म तक नहीं

लहरों पर सैर कराने का सपना कागजों तक

वाराणसी, अमृत विचार। काशी में पर्यटकों को गंगा की लहरों पर सैर कराने का सपना फिलहाल कागजों और घाटों के किनारे सिमट कर रह गया है। गंगा नदी में जेटी की कमी के कारण वाटर टैक्सी सेवा का संचालन अधर में लटका हुआ है। नगर निगम और संबंधित विभाग गंगा में उपयुक्त जेटी की व्यवस्था करने में विफल साबित हो रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप अत्याधुनिक वाटर टैक्सियां सामनेघाट क्षेत्र में खड़ी-खड़ी धूल फांक रही हैं। विभागों की इस प्रकार की कार्यशैली ने सरकारी संसाधनों की बर्बादी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि योजना के अनुसार, नमो घाट से रविदास घाट के बीच कुल 10 वाटर टैक्सियों का संचालन किया जाना है। वर्तमान में चार टैक्सियां पूरी तरह से तैयार होकर विभाग को मिल चुकी हैं।

इस सेवा का मुख्य उद्देश्य काशी आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों को गंगा के घाटों का एक नया और शानदार अनुभव प्रदान करना है। इसके साथ ही, इससे शहर की सड़कों पर बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने की भी योजना थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों ने इन सभी उद्देश्यों पर ब्रेक लगा दिया है। परियोजना से जुड़े कर्मचारियों का कहना है कि जब तक जेटी का निर्माण या स्थापना सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक वाराणसी की ये वाटर टैक्सियां केवल किनारे पर खड़ी शो-पीस बनकर रह जाएंगी।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि जिन जगहों पर वाटर टैक्सी के लिए नगर निगम से जेटी मांगी गई थी, वहां जेटी लगवाई जा चुकी है। इसके लिए अधिकारियों संग बैठक भी हुई थी।

प्रतीकात्मक फोटो।

शहर के यातायात पर कम होगा दबाव

तैयार की गई इन चार वाटर टैक्सियों में आधुनिक सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। इनमें 2 टैक्सियां 35 सीटों वाली हैं, जबकि अन्य 2 टैक्सियों की क्षमता 50 सीटों की है। प्रशासन ने अस्सी घाट से नमो घाट तक के सफर के लिए प्रति यात्री 345 रुपये का किराया भी पहले ही निर्धारित कर दिया है।

सारनाथ में बनेगा स्मार्ट जू, बटरफ्लाई पार्क-एक्वेरियम, लगेंगे एआई कैमरे

वाराणसी, अमृत विचार। जिले में सारनाथ स्थित मिनी जू की सूरत अब बदलने वाली है। वन विभाग इसे प्रदेश के मॉडल चिड़ियाघर के रूप में विकसित करने जा रहा है। वर्तमान में 2.5 लाख पर्यटकों के फुटफॉल और 50 लाख रुपये के राजस्व वाले इस जू में अब जानवरों को प्राकृतिक बाड़ों में रखा जाएगा। आधुनिक अस्पताल, प्रजनन केंद्र और एआई कैमरों जैसी सुविधाओं के साथ-साथ यहां बच्चों के लिए बटरफ्लाई पार्क और एक्वेरियम का भी निर्माण होगा। इसके लिए विभाग की ओर से शासन को प्रस्ताव भेजा गया है।

यहां जानवरों की संख्या बढ़ाने के साथ ही पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यहां जानवरों को पिंजरों के बजाय ऐसे बाड़ों में रखा जाएगा, जहां उन्हें प्राकृतिक वातावरण जैसा महसूस हो। इसके अलावा पर्यटकों को भी ऐसा अनुभव कराया जाएगा, जैसे वे इन पशु-पक्षियों के बीच से होकर गुजर रहे हों। चिड़ियाघर परिसर में ही पशु-पक्षियों के लिए एक उन्नत अस्पताल, ऑपरेशन थियेटर और पोस्टमार्टम रूम मौजूद होगा।

बोले अधिकारी

पर्यटकों की संख्या और राजस्व में में वृद्धि को देखते हुए हम बुनियादी ढांचे को पूरी तरह डिजिटल कर रहे हैं। क्यूआर कोड आधारित ऑनलाइन बुकिंग और एआई कैमरों से निगरानी न केवल प्राणियों की सुरक्षा भी करेगी। पूरी परियोजना पर्यटकों का समय बचाएगी, बल्कि मूक के लिए शासन को पत्र भेजा गया है।

अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें आमजन: सुनील कुमार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। जनपद न्यायाधीश रणधीर सिंह के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कंपोजिट विद्यालय सेमरियावां में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन को उनके कानूनी अधिकारों और सरकार द्वारा प्रदत्त विधिक सेवाओं की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज (सी.डी.) सुनील कुमार सिंह ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने जानकारी दी कि 22 फरवरी 2026 को हीरा लाल राम निवास डिग्री कॉलेज में मेगा विधिक सहायता शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें लगभग 44 विभाग भाग लेंगे। पात्र लाभार्थी उक्त शिविर में पहुंचकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम तथा भरण-पोषण अधिनियम की जानकारी दी। पंचायत स्तर पर ग्रामीणों की सहभागिता से विधिक सेवाओं की जानकारी दी गई।

आतंकवाद के आरोपी रहमान की फरीदाबाद जेल में हत्या

जम्मू कश्मीर से आए कैदी की रहमान से नीमका कारागार में हुई थी झड़प, अयोध्या विस्फोट की साजिश का था आरोप

फरीदाबाद(हरियाणा), एजेंसी

फरीदाबाद जिले की नीमका जेल में बंद आतंकवाद के आरोपी अब्दुल रहमान की कारागार में झड़प के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि जम्मू कश्मीर से इस जेल में स्थानांतरित किए कैदी अरुण चौधरी ने रहमान की हत्या कर दी। जेल में रविवार रात दो कैदियों के बीच विवाद होने के बाद यह घटना हुई।

जम्मू कश्मीर के चौधरी ने रहमान पर धारदार हथियार से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले के मिल्कीपुर निवासी रहमान 2025 में अपनी गिरफ्तारी के बाद से जेल में बंद था। उसे गुजरात आतंकवाद-रोधी दस्ता और हरियाणा पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने फरीदाबाद के पास पाली गांव से पकड़ा था। रहमान के खिलाफ फरीदाबाद के डबुआ थाने में प्राथमिकी दर्ज थी। उसकी गिरफ्तारी के समय, अधिकारियों ने बताया था कि रहमान अयोध्या में विस्फोट को अंजाम देने की साजिश में शामिल था।

एसटीएफ ने बताया था कि उसके तार आईएसआई से जुड़े होने का संदेह है।

सूचना मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम, मंजनाई गांव में मातमी सन्नाटा

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : हरियाणा के फरीदाबाद की नीमका जेल में आतंक के आरोपी अब्दुल रहमान की हत्या हो गई। यह खबर सोमवार को उसके गांव पहुंची तो परिवारवालों में कोहराम मच गया। घरवाले बोले, अभी दो दिन पहले तो उससे मुलाकात हुई थी। वहां सब कुछ ठीक-ठाक था। अचानक यह क्या हो गया? सूचना मिलते ही आस-पास के लोग भी उसके घर के सामने जुट गए। लोगों के बीच में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। बता दें कि राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में गुजरात एटीएस व फरीदाबाद एसटीएफ की टीम ने अयोध्या जिले के इनायतनगर थाना क्षेत्र के मंजनाई के रहने वाले अब्दुल रहमान (19) को दो मार्च 2025 को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया था। उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद किये गये थे। उसकी मां मां आश्मीन रोते हुए कह रहीं थी कि अभी तो वह उससे मिलकर लौटी थी, तब तो वह एकदम ठीक-ठाक था। उसके रिश्तेदार मो. सागिर ने बताया कि गुरुवार को अब्दुल की मां आश्मीन व पिता अबू बकर फरीदाबाद कारागार में उससे मिलने गए थे। वे दोनों रविवार को ही वहां से अयोध्या वापस लौटे हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह अबू बकर के पास फरीदाबाद जेल से फोन आया कि अब्दुल की तबियत बहुत खराब है। उसका ऑपरेशन होना है। आप जल्द ही यहां आ जाए। इसके बाद अबू बकर व उनके भाई फरीदाबाद के लिए रवाना हो गए। बताया कि दोपहर में उन्हें मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली की अब्दुल की जेल में हत्या हो गई है। वहीं उसके परिवार में मातम छाया हुआ है। घर का कोई सदस्य कुछ बोलने को भी तैयार नहीं था।

अब्दुल रहमान (फाइल फोटो)

रोते-बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

ससुराल में पकड़ा गया कोर्ट से फरार मुल्जिम

बाराबंकी, अमृत विचार : कोर्ट से भागा मुल्जिम सूरज ससुराल में दबोचा गया। सुबेहा क्षेत्र में 2016 में हुई हत्या की घटना को लेकर दर्ज मुकदमे में सूरज के पिता मटरू व चाचा गदरू आरोपी हैं। आरोपी सूरज पेशी पर शनिवार कोर्ट गया था। न्यायाधीश ने सबको दोषी करार दिया। कोर्ट मोहर्रिर दूसरे काम में व्यस्त हुआ, उधर मौका पाकर मुल्जिम सूरज फरार हो गया। रात में सूरज ने पत्नी से बात की तो पुलिस ने ट्रेस कर लिया। इसके बाद टीम ने सुबेहा थाना क्षेत्र के ग्राम जायस स्थित ससुराल से सूरज को दबोच लिया।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा मूल स्टाम्प दस्तावेज जो दिनांक 15/03/2022 को वैनामा करायी थी जिसका गाटा संख्या 1268 जिल्द संख्या 5312 पृष्ठ 1से 16 दस्तावेज नम्बर 1435 दर्ज है जो दिनांक 28/09/2025 को घर से जाते समय रास्ते मे कही गुम हो गया। **विन्दू सिंह पत्नी उमापाल सिंह शास्त्री नगर मनकापुर, जिला- गोण्डा, मोबाइल नम्बर- 7398885200**

सूचना

मैंने अपना नाम ABUL HASAN KHAN MOHAMMED AHMED से बदल कर ABUL HASAN KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। C/O: MOHAMMAD AHMAD KHAN R/O:167 KANCHANA JAIS KASIMPUR AMETHI UTTAR PRADESH-229305

सूचना

मैंने अपना नाम JAMAL AHMAD ISRAR से बदल कर JAMAL AHMAD रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। C/O: ISRAR AHMAD R/O:VILL AND PO AMILO PS MUBARAKPUR AZAMGARH UTTAR PRADESH 276404

सूचना

मैने अपना नाम शाकिर (SHAKIR) से बदलकर शाकिर अली (SHAKIR ALI) रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **शाकिर अली पुत्र श्री जाबिर अली पूरे मिया रुदौली अयोध्या उ0प्र0**

सूचना

मैं NEERAJ पुत्र श्री KANHAIYA LAL GUPTA निवासी म0नं0-44, हुसैन नगर, थाना कोतवाली उन्नाव, जिला-उन्नाव, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर NEERAJ GUPTA कर लिया है, अतः आज से मुझे NEERAJ GUPTA के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2016 का अंकपत्र 1578644 व इंटरमीडिएट वर्ष 2018 अंकपत्र 1283485 के साथ पैनकार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य पढ़ाई के कागजात कहीं खो गए हैं। **शीबू पुत्र छोटेलाल ग्राम शिवनी, पोस्ट खरौंज जिला हमीरपुर (उ.प्र.)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बबलू और बबलू सिद्दीकी दोनों एक ही व्यक्ति मेरे ही हैं। यह सूचना सार्वजनिक कर रहा हूं ताकि किसी प्रकार का संशय लोगों में न रहे। **बबलू सिद्दीकी पुत्र मोहम्मद रफीक निवासी-कुरसहा थाना विशेश्वरगंज तहसील पयागपुर जनपद बहराइच।**

सूचना

मैं **सुशीला देवी पत्नी शोभनाथ निवासी ग्राम-गुलाल मिश्र का पुरवा चण्डेरिया, परगना व तहसील-अमेठी,** मेरे आधार कार्ड संख्या-6801-9162-2062 में लिपिकीय त्रुटि के कारण मेरा नाम सुशीला देवी के स्थान पर राम नरेश तथा पति का नाम शोभनाथ के स्थान पर भीखाराम अंकित हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक नाम सुशीला देवी तथा पति का नाम शोभनाथ है जो कि उसके निर्वाचन कार्ड, बैंक पासबुक आदि अभिलेखों पर अंकित है यह मेरा वास्तविक नाम है।

सूचना

मैं सौमित्र बाजपेई पुत्र सुनील बाजपेई निवासी-569क/57, स्नेह नगर, आलमबाग, लखनऊ-226005 मेरे पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में पुत्र का नाम अभिमन्यु बाजपेई दर्ज है मैने अपने पुत्र का नाम अभिमन्यु बाजपेई से बदल कर वेदस बाजपेई रख लिया है, जो की पुत्र के आधार में दर्ज है। यह कि विद्यालय अभिलेखों में पुत्र का दर्ज नाम अभिमन्यु बाजपेई के स्थान पर आधार कार्ड के आधार पर वेदस बाजपेई दर्ज किया जाये और पुत्र को वेदस बाजपेई माना जाये।

राहुल को केवल बजट पर बोलने की अनुमति

लोकसभा : कांग्रेस सदस्यों के हंगामे से सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए की गई स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

● राहुल गांधी का दावा- लोस अध्यक्ष ने अपनी बात रखने की अनुमति देने का किया वादा

● संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू बोले- कांग्रेस नेता की बात सही नहीं अध्यक्ष ने विषय बताने को कहा

लोकसभा में बजट पर चर्चा से पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अन्य विषय पर आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने के बीच कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें बजट पर चर्चा से पहले अपनी बात रखने की अनुमति देने का वादा किया है, वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस नेता की बात सही नहीं है और अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता से कहा था कि पहले वह विषय बताएं जो वह सदन में उठाना चाहते हैं।

दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे बैठक शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने केंद्रीय बजट पर चर्चा के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम पुकारा। थरूर ने उनसे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की अनुमति मांगी। पीठासीन सभापति ने कहा कि यदि नेता प्रतिपक्ष बजट पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं तो वह बात रख सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ देर पहले लोकसभा अध्यक्ष के पास कक्ष में कांग्रेस के सदस्य गए थे और बिरला ने हमें वादा किया था कि मुझे बजट पर चर्चा से पहले बोलने की अनुमति दी जाएगी। लेकिन अब वह पीछे हट रहे हैं। पीठासीन सभापति संध्या राय ने कहा कि उनके पास किसी तरह का नोटिस नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की बैठक में वह भी उपस्थित थे। अध्यक्ष ने पहल की थी कि अगर सभी पक्ष मान जाएं तो सदन चलना चाहिए। कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने जब बैठक में कहा कि नेता प्रतिपक्ष सदन में कुछ बोलना चाहते हैं तो लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जब वह विषय बताएंगे, तब अनुमति दी जाएगी

राज्यसभा में भी हंगामा

लोकसभा में राहुल गांधी को भाषण पूरा नहीं करने देने को लेकर राज्यसभा में हंगामा हुआ। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट किया। प्रश्नकाल शुरू होते ही दोपहर 12 बजे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह मुद्दा उठाया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि वह दूसरे सदन में हुई घटनाओं पर चर्चा न करें। खरगे ने कहा कि वह संविधान से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निचले सदन में नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

फ्लिपकार्ट के ऑफिस में लाखों की चोरी

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : फ्लिपकार्ट डिलीवरी ऑफिस में रविवार रात चोर ताला तोड़कर बदमाश करीब साढ़े तीन लाख से अधिक की नकदी और कुछ सामान चोरी कर ले गए। सोमवार की सुबह लोड शेयर नेटवर्क प्राालि के डिलीवरी सेंटर के टीम लीडर मनोज कुमार पाल कार्यालय पहुंचे तो शटर का ताला टूटा देखा। उन्होंने शाखा प्रबंधक सुमित कुमार साहू और पुलिस को सूचना दी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल द्वारा लखनऊ मण्डल के ऐशबाग एवं बस्ती स्टेशन पर Pradhamantri Bhartiya Jan Aushadhi Kendra के संचलन एवं मेंटिनेन्स की 03 वर्ष की अवधि हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित है। जिसके खुलने की तिथि दिनॉक 23.02.26 समय 10.00 बजे एंव बंद होने की तिथि दिनॉक 23.02.26 समय 10.40 सम्बन्धित लॉट के अनुसार है। इस आक्शन के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगें। ई ऑक्शन से सम्बन्धित अन्य जानकारी www.ireps.gov.in (E-Auction Module) वेबसाइट पर उपलब्ध है। ध्यान दें कि ई-ऑक्शन मूल्य एवं धरोहर राशि का भुगतान केवल through IREPS, online payment mode से ही स्वीकार्य किया जाएगा जोकि www.ireps.gov.in (E-Auction Module) की वेबसाइट पर उपलब्ध है, डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही है। अन्य जानकारी www.ireps.gov.in (E-Auction Module) की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ई आक्शन सूचना संख्या, स्टेशन, लोकेशन, आदि का विवरण निम्न है।

ई आक्शन सूचना संख्याः PMBJKASH-BST-26, स्टेशनः ऐशबाग एवं बस्ती, लोकेशनः ऐशबाग एवं बस्ती स्टेशन परिभ्रमण-क्षेत्र, ऑक्शन/लॉट बन्द होने की तिथि व समयः दिनांक 23.02.2026 समय 10.40

सहायक वाणिज्य प्रबंधक
मुजाधि/वाणिज्य-253 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

वकील से मारपीट पर सीजेआई बोले- गुंडा राज अस्वीकार्य

● तीस हजारी अदालत में एडीजे की कोर्ट में आरोपी के वकील पर हमले का मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि हमें गुंडा राज अस्वीकार्य है और उन्होंने सात फरवरी को एक जिला अदालत के कक्ष में मारपीट का आरोप लगाने वाले वकील को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करने के लिए कहा। एक वकील ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए याचिका का उल्लेख किया। वकील ने कहा कि तीस हजारी अदालत में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) हरजीत सिंह पाल की अदालत में मैं आरोपी की ओर से पेश हुआ था। शिकायतकर्ता के वकील ने गुंडों के साथ मिलकर मुझे पीटा और न्यायाधीश वहीं बैठे थे। अदालत के सभी सदस्य वहां मौजूद थे। इस पर सीजेआई ने कहा कि यह घटना सात फरवरी को हुई थी। क्या आपने इसकी सूचना दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को दी ? मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखें और मुझे भी इसकी सूचना दें। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संज्ञान लें। कार्रवाई प्रशासनिक स्तर पर होगी।

मेटा-व्हाट्सएप गोपनीयता नीति पर सुनवाई 23 तक स्थगित

उच्चतम न्यायालय ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सऐप की उन याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार को 23 फरवरी तक स्थगित कर दी जो गोपनीयता नीति को लेकर 213.14 करोड़ का जुर्माना लगाने के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं एनवी अंजारिया की पीठ से कहा गया कि अधिवक्ता कपिल सिबल अस्वस्थ हैं इसलिए सुनवाई स्थगित कर दी जानी चाहिए।

रामनगरी में अश्वमेघ महायज्ञ थाईलैंड के भक्त बने यजमान

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : सरयू तट पर चल रहे अश्वमेघ महायज्ञ के दूसरे दिन शाम को स्वामी अखिलेश्वरानंद के शंखनाद से महायज्ञ प्रारंभ हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में आए भक्तों ने भी यज्ञ शाला में आहुति डाली। मुख्य रूप से थाईलैंड से आए भक्त अनुष्ठान में यजमान रहे। इस आयोजन स्थल पर बने भव्य पंडाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या लोग पहुंच रहे हैं।

इसके पूर्व सुबह विधि विधान से मां सरयू के जल का पूजन किया गया। रामायण के प्रसंगों के अंश पर प्रवचन देते हुए स्वामी अखिलेश्वरानंद पवन तनय संकट हरण हनुमान जी की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के युग में हनुमान जी का चरित्र मानव को विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और कर्तव्यबोध का मार्ग दिखाता है। जब तक व्यक्ति के भीतर अभिमान रहता है, तब तक वह ईश्वर कृपा का पात्र नहीं बन सकता। हनुमान जी का जीवन इस सत्य का जीवंत उदाहरण है। दूसरे प्रसंग में भक्तों को होलिका के जीवन प्रसंग के माध्यम से गूढ़ आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया। प्रवचन के दौरान यज्ञ स्थल पूर्णतः शांत, गंभीर और भावविभोर वातावरण में परिवर्तित हो गया। जहां संदेश भी दिया गया कि आज के समाज में व्यक्ति जब ज्ञान, धन या पद प्राप्त कर लेता है और उसका प्रयोग अन्याय के समर्थन में करता है तो उसका पतन निश्चित हो जाता है। होलिका का जीवन इस बात की चेतावनी है कि ईश्वर की कृपा और वरदान भी धर्म के अधीन होते हैं। अहंकार के नहीं। इस दौरान आचार्य सुदर्शन महाराज, राष्ट्रीय महासचिव धर्मानंद पांडे, आचार्य अत्री, मीडिया प्रभारी आचार्य विश्वामित्र, आचार्य देवेंद्र, आचार्य जैनेन्द्र, आचार्य सुकृति, आचार्य अटल, आचार्य दिव्या नंद, जितेंद्र, राजकुमार, सुरेंद्र, अर्जुन आदि उपस्थित रहे।

अश्वमेघ महायज्ञ में शामिल थाईलैंड से आए भक्त।

सूचना

मैं IRFAN AHMAD मैंने अपनी बेटी का नाम SIDARA BANO से बदल कर SIDRA BANO रख लिया है। भविष्य में मेरी बेटी को SIDRA BANO के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O IRFAN AHMAD R/O PAKHANPURA, GHAZIPUR**

सूचना

पहले मेरा नाम HAMNA था अब मैने बदलकर अपना नाम HAMNA MOHAMMAD ATAUR RAHMAN SALFI रख लिया है। भविष्य में मुझे HAMNA MOHAMMAD ATAUR RAHMAN SALFI के नाम से जाना व पहचाना जाए। **D/O- MOHAMMAD ATAUR RAHMAN SALFI R/O-418/736,GARHI PEER KHAN THAKURGANJ, LUCKNOW.**

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAMMAD JALEES था। अब मैने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD JALEES KHAN रख लिया है। भविष्य में मुझे MOHAMMAD JALEES KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O-MOHD SAEED KHAN R/O-543/1, SEKH SARAIN TEH SADAR, SITAPUR.**

सूचना

मैं MANISH KUMAR अपना नाम बदल कर MANISH KUMAR AMARNANI रख रहा हूँ। अतः मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना और पहचाना जाये। **ADD- LAXMI MANSION 2/1 GULMOHAR ENCLAVE MAL AVENUE, LUCKNOW, LUCKNOW- 226001, UTTAR PRADESH, INDIA.**

कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर-अम्बेडकरनगर।

पत्रांक 1142/न0पा0परि0ज0/कोटेशन सूचना/2025-26- दिनांक- 06.02.2026

कोटेशन सूचना

समस्त डम्फर की बॉडी मरम्मत कर्ताओं को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद जलालपुर अम्बेडकर नगर, पालिका फण्ड/राज्य वित्त आयोग की धनराशि से वित्तीय वर्ष 2025-26 में दो अदद डम्फर (बड़ा/छोटा) की बॉडी का निर्माण एवं रंगाई पुंताई व अन्य मरम्मत कार्य कराया जाना है। दोनो डम्फर हाजीपुर स्थित पंचायत भवन के परिसर में खड़े है। इन दोनो डम्फर का बॉडी बनाने वाली फर्म अवलोकित कर अपनी दर दिनांक-16-02-2026 को अपरान्ह 02 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर अम्बेडकर नगर में दे सकते है।

1- निविदा सशर्त मान्य नही होगी।

2- नगर पालिका प्रशासन/शासन के नियमो उपनियमो का अनुपालन करना आवश्यक है।

3- निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित है।

4- निविदा को किसी शर्तो का उल्लंघन करने पर निविदा निरस्त की जा सकती है।

अधिषासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद जलालपुर
अम्बेडकर नगर।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद जलालपुर
अम्बेडकर नगर।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,सीतापुर

पत्रांकः- 668 /352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/2025-26 दिनॉकः- 02-02-2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद/ खण्ड का नाम	विधान सभा का नाम	कार्य का नाम	निर्माण की लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण कार्य।								
1-	सीतापुर/ नि0ख0-1	सिधौली	नेरी सिधौली महमूदाबाद मार्ग Km-70,71(0-600)	52.61	4.63	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
2-	सीतापुर/ नि0ख0-1	सिधौली	धरावॉ स0मा0 से देवीपुर के पूरब होते हुए रसुलवा, खरतोहना होते हुए दरियापुर के पुल तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	51.76	4.59	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
3-	सीतापुर/ नि0ख0-1	सिधौली	हिम्मत नगर सम्पर्क मार्ग	36.40	3.65	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
4-	सीतापुर/ नि0ख0-1	सिधौली	बांस खेडा स0मा0 (अटरिया नील गांव मार्ग के किमी0 12 से बायें)	36.40	3.65	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
5-	सीतापुर/ नि0ख0-1	महमूदाबाद	महरिया सम्पर्क मार्ग	51.76	4.59	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
6-	सीतापुर/ नि0ख0-1	बिसवां	फूलपुर सम्पर्क मार्ग	58.77	4.94	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
7-	सीतापुर/ नि0ख0-1	बिसवां	बेलझरिया से मुसैनामऊ सम्पर्क मार्ग	70.13	5.51	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
8-	सीतापुर/ नि0ख0-1	महमूदाबाद	फतेहपुरवा सम्पर्क मार्ग	41.60	4.08	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
9-	सीतापुर/ नि0ख0-1	महमूदाबाद	सोहरिया सम्पर्क मार्ग	38.45	3.85	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
10-	सीतापुर/ नि0ख0-1	सिधौली	कमलापुर हमीरपुर (एन0एच0-24 के किमी0 436 से दायें)	42.93	4.15	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
11-	सीतापुर/ नि0ख0-1	सिधौली	एन0एच0 24 से बसईडीह सम्पर्क मार्ग (एन0एच0-24 के किमी0 448 से दायें)	41.60	4.08	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
12-	सीतापुर/ नि0ख0-1	महमूदाबाद	भरहरमऊ सम्पर्क मार्ग	41.60	4.08	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी
13-	सीतापुर/ नि0ख0-1	महमूदाबाद	घरथरी चौराहा से हलीमनगर सम्पर्क मार्ग वाया शमशेरीपुरवा सम्पर्क मार्ग	36.40	3.65	2715.00	02 माह	ए,बी एवं सी

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 11-02-2026 से 18-02-2026 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 18-02-2026 को समय अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 18-02-2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(इं0 बी0एस0 सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, सीतापुर।

(इं0 सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर।

UP - 245566 दिनांकः 07/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

मंगलवार, 10 फरवरी 2026

अतीत चाहे दु:खद ही क्यों न हो,
उसकी स्मृतियां मधुर होती हैं।
–मुंशी प्रेमचंद, साहित्यकार

महत्वपूर्ण है मलेशिया

एशिया–प्रशांत की बदलती भू-राजनीति में मलेशिया भारत के लिए एक रणनीतिक धुरी बनता जा रहा है। हिंद महासागर से दक्षिण चीन सागर को जोड़ने वाले मलक्का जलडमरू मध्य के किनारे स्थित मलेशिया उस समुद्री मार्ग की निगरानी में अहम है, जिससे भारत के कुल समुद्री व्यापार का आधे से अधिक हिस्सा गुजरता है। ऐसे में कुआलालंपुर के साथ गहराता सहयोग केवल व्यापार नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा और सामरिक संतुलन का प्रश्न भी है। ऊर्जा, व्यापार, तकनीक और सुरक्षा के क्षेत्र में हुए समझौते इस साझेदारी को संस्थागत आधार देते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और सोलर परियोजनाओं में सहयोग भारत की ऊर्जा विविधीकरण नीति को मजबूती देगा, वहीं स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष, सस्ती दवाओं और नर्सिंग सेवाओं में तालमेल दोनों देशों के सामाजिक क्षेत्र को लाभ पहुंचा सकता है। रक्षा क्षेत्र में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास और समुद्री सहयोग से हिंद–प्रशांत में भारत की उपस्थिति सुदृढ़ होगी।

पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखला संकट के बीच भारत का क्षेत्रीय सहयोग पर जोर स्वाभाविक है। 'लुक ईस्ट' से 'एक्ट ईस्ट' की नीति अब आर्थिक और सामरिक दोनों रूपों में परिपक्व हो रही है। मलेशिया, जो आसियान में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है, इस प्रक्रिया का प्रवेश द्वार बन सकता है। 2016 में भारत–आसियान व्यापार 65 अरब डॉलर था, जो 2025 तक 123 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है। नए समझौतों के बाद इसमें उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है, विशेषकर सेमीकंडक्टर और डिजिटल क्षेत्र में। सेमीकंडक्टर उद्योग में मलेशिया के चार दशकों के अनुभव और मजबूत इकोसिस्टम का भारत को सीधा लाभ मिलेगा। भारत अपने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और चिप निर्माण को बढ़ावा दे रहा है; ऐसे में संयुक्त निवेश, तकनीकी साझेदारी और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग से भारत आयात निर्भरता घटेगी। मलेशिया को भी विशाल भारतीय बाजार और उत्पादन आधार का लाभ मिलेगा, यह परस्पर पूरकता का उदाहरण है। डिजिटल क्षेत्र में मलेशिया–इंडिया डिजिटल काउंसिल, यूपीआई और पेननेट के जुड़ाव से व्यापार, पर्यटन तथा निवेश में सहजता आएगी। भारत की फिनटेक तकनीक को विस्तार मिलेगा। रुपये–रिंगिट में लेन-देन की व्यवस्था डॉलर निर्भरता घटा सकती है। मलक्का जलडमरू मध्य और दक्षिण चीन सागर में चीन–ताइवान–अमेरिका तनाव के कारण समुद्री मार्ग संवेदनशील बने हुए हैं। ऐसे में भारत–मलेशिया समुद्री सहयोग का महत्वपूर्ण है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस और सीमा-पार कट्टरपंथ पर समन्वय का निर्णय भी सुरक्षा सहयोग को नया आयाम देता है। मलेशिया ने अतीत में क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर संतुलित रुख अपनाया है, किंतु हाल के वर्षों में आतंकवाद विरोधी सहयोग में सक्रियता दिखाई है। मलेशिया में लगभग 29 लाख भारतीय रहते हैं, प्रवासी भारतीयों की तीसरी सबसे बड़ी संख्या, ऐसे में नया वाणिज्य दूतावास, तिरुवल्लुवर केंद्र और छात्रवृत्ति सांस्कृतिक कूटनीति को गहराई देंगे। सोशल सिक्योरिटी समझौता, मुफ्त ई-वीजा और यूपीआई का विस्तार भारतीय कामगारों और पर्यटकों के लिए राहतकारी कदम होंगे।

प्रसंगवश

फरवरी का महीना खत से सोशल मीडिया तक

फरवरी का महीना आते ही प्यार की ऋतु का आगमन हो जाता है। इस बसंत महीने में नवयुवकों और नवयुवतियों के मन में अलग तरह की अनुभूति होने लगती है। यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। इस उम्र में ऐसा होना बिल्कुल स्वाभाविक है। अक्सर इस समय सही और गलत समझने की शक्ति पूरी तरह विकसित नहीं होती, क्योंकि मन अनियंत्रित-सा इधर-उधर अपने संग-साथी की तलाश में भटकता रहता है।

आज का प्यार पहले की तुलना में कम टिकाऊ दिखाई देता है। ज़रा-सी गलतफ़हमी या गुस्सा आ जाए, तो आज के युवाओं में सब्र करने की शक्ति कम पड़ जाती है। रिश्ते में मेहनत और समझदारी दिखाने के बजाय वे तुरंत निर्णय ले लेते हैं। रिश्ते को खत्म कर आगे बढ़ जाना और कुछ ही दिनों में नए रिश्ते की तलाश शुरू कर देना आम हो गया है। आज के दौर में प्रेम कई बार छणिक-भंगुर सा महसूस होने लगा है। युवा बिना ठहराव के रिश्ते बदल देते हैं और गहरी समझ-बूझ की जगह लिव-इन रिलेशनशिप ने ले ली है। स्थायित्व, त्याग और प्रतीक्षा जैसी भावनाएं अब पहले जैसी दिखाई नहीं देतीं।

धनीश शर्मा
लेखक

फ़रवरी का महीना आरंभ होते ही युवाओं में नई उमंगें तैरने लगती हैं। इस महीने का इंतज़ार पहले से ही शुरू हो जाता है। मन के अंदर दबे अहसासों को बयां करने की हिम्मत मिलती है— कुछ कामयाब होते हैं, तो कुछ नाकाम। नब्बे के दशक में युवा अपने दिल की बात ख़त के ज़रिये पहुंचाते थे। वो खत किसी वफ़ादार दोस्त के हाथों आदान–प्रदान होते थे और जवाब के इंतज़ार में महीनों गुज़र जाते थे। अगर जवाब मिल जाए तो खुशी, वरना फिर अगले साल फ़रवरी आने तक इंतज़ार सिर्फ़ इंतज़ार। उस दौर में प्यार धीमी रफ़्तार वाला था। भावनाएं गहरी थीं और धैर्य सबसे बड़ी ताकत थी।

पहले प्यार पर बनने वाली फ़िल्में—लैला–मजनू, हीर–रांझा, सोनी–माहिवाल—जो कभी प्रेम की मिसाल मानी जाती थीं, वक़्त के साथ जैसे कहीं गुम हो गई हैं। उन कहानियों में त्याग, तपस्या और लंबे इंतज़ार की गहरी परतें थीं। वहीं आज की पीढ़ी तेज़ रफ़्तार, त्वरित जवाब और बिना संघर्ष वाली प्रेम कहानियों की आदी हो चुकी है। पुराने प्रेम की वह आत्मा अब परदे पर भी कम ही दिखाई देती है।

साल 2000 आते-आते बहुत कुछ बदल चुका था। मोबाइल का जमाना शुरू हो गया था और युवा अब अपनी दिल की बात ख़त में नहीं, बल्कि टेक्स्ट मैसेज में लिखने लगे थे। फ़रवरी का सफ़र अब कागज़ के पन्नों से निकलकर मोबाइल की स्क्रीन पर सीमित हो गया था। जो इंतज़ार पहले महीनों का होता था, वह अब मिनटों और घंटों में सिमट गया। भावनाओं की गहराई जैसी-की-तैसी रही, लेकिन अभिव्यक्ति का माध्यम तेज़ और सरल हो गया।

धीरे-धीरे मोबाइल का स्वरूप और तकनीक दोनों विकसित हुए। जहां युवा सिर्फ़ टेक्स्ट भेजकर 'हां' या 'न' का इंतज़ार करते थे, वहीं 2010 आते-आते वीडियो कॉलिंग का दौर शुरू हो गया। अब चेहरे के हावभाव, मुस्कान, झिझक और शर्म भी स्क्रीन पर दिखाई देने लगे। रिश्तों में एक नई नज़दीकी और एक नया अंदाज़ जन्म लेने लगा। कुछ लोग इस बदलाव से खुश हुए, तो कुछ को लगा कि भावनाओं की गंभीरता अब कम होने लगी है।

साल दर साल वक़्त बदलता गया, लेकिन फ़रवरी का महत्व वही रहा—उत्सुकता, उमंग, उम्मीद और थोड़ी-सी घबराहट वाला महीना। अब 2026 तक आते-आते वीडियो कॉलिंग से लेकर इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और व्हाट्सऐप तक प्यार कई रंगों में बदल चुका है। अब स्टोरी, रील, स्टेटस और इमोज़ी भी प्रेम के संदेश बन गए हैं।

वैश्विक व्यापार की धुरी बनता भारत

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

विश्व की कुल आबादी का करीब 17.7 प्रतिशत हिस्सा रखने वाला भारत आज 1.47 अरब मानव संसाधन के साथ दुनिया का अग्रणी व सर्वाधिक युवा शक्ति वाला देश है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। ये ऐसे युवा हैं, जिनके पास व्यापक विजन, दक्षता, उत्साह, अपने व राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का जज्बा तो है ही, वैश्विक व्यापारिक समझ में भी किसी विकसित देश से कमतर नहीं हैं। भारत व यूरोपीय संघ के मध्य चाहें 'मदर आफ आल डील' को जमीन पर उतारना हो या संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के साथ सात फरवरी अर्थात शनिवार को हुआ द्विपक्षीय व्यापारिक समझौता... भारत ने वैश्विक बाजार में अपनी 'साख व धाक' बना ली है।

मानव संसाधन के परिप्रेक्ष्य में भारत महज एक देश नहीं, वरन एक बड़ा बाजार भी बन चुका है। उपभोक्ताओं का समंदर बन चुका भारत आज वैश्विक व्यापार की धुरी बन चुका है। यही कारण है कि दुनिया के विकसित देशों की निगाहें भारत पर टिक गई हैं। उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप के दो बड़े देशों कनाडा व यूएसए के अलावा दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के देशों अर्थात ब्राजील, अर्जेंटीना, चिली, मैक्सिको, क्यूबा व पैरागुए से भी भारत का आयात-निर्यात परवान चढ़ रहा है। यूरोपीय संघ के देशों यानी फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड, स्पेन व इटली से भी व्यापारिक लेन-देन सुदृढ़ हो चला है।

अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों के साथ हमारी व्यापारिक गतिविधियां सकारात्मक दिशा की ओर तो बढ़ ही रही हैं, एशिया-ओसियाना के देशों में भी हमने अपनी व्यापारिक गतिविधियां बढ़ाई हैं। चीन व रूस के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार सतत आगे बढ़ रहा है। जापान, दक्षिण कोरिया के अलावा इंडोनेशिया, मलेशिया, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड से भी आपसी व्यापार पटरी पर दौड़ रहा है।

विकसित, अर्द्धविकसित व विकासशील देशों की अनेकानेक वस्तुओं का आयात तो भारत कर ही रहा है, अपनी गुणवत्तापरक चीजों व आधारभूत संरचनाओं को उन्हें बड़े पैमाने पर निर्यात भी कर रहा है। उत्तम व्यापारिक समझ, मजबूत सेवा निर्यात व विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण आज भारत का भुगतान संतुलन सही दिशा में है। हमारे पास 11 महीनों से अधिक के आयात के बराबर का मुद्रा भंडार है, जो छह माह के आदर्श से बेहतर है। हम 135.4 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ विश्व का सबसे बड़ा प्रेषण प्राप्तकर्ता बन चुके हैं। यह हमारी बाह्य क्षेत्र को स्थिरता को दर्शा रहा है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश व अन्य पूंजी प्रवाह में स्थिरता है, ये हमारी भुगतान संतुलन को मजबूत सहारा दे रहे हैं। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाले प्रमुख देशों में सिंगापुर, मॉरीशस, अमेरिका, नीदरलैंड व जापान अग्रणी हैं। सिंगापुर व मॉरीशस तो भारत के लिए शीर्ष निवेशक आज भी बने हुए हैं। अंतरदेशीय या द्विपक्षीय व्यापार पारस्परिक लाभ, समानता, निष्पक्षता व राज्य के आर्थिक विकास के साधन पर निर्भर होता है। वैश्विक व्यापार आपसी समझ व साख को खास तरजीह देता है। व्यापारिक समझौते साझा विकास पर आधारित होने चाहिए, न कि एक पक्ष द्वारा दूसरे के शोषण पर। विभिन्न देशों के साथ व्यापार करते समय भारत को अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना होगा।

दुनिया के बाजार में भारत को फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाना चाहिए, वह चाहे यूएसए या ईयू के साथ व्यापारिक रिश्ते ही क्यूं न हों। भारत-ईयू के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते के तहत वर्ष 2031 तक 51 अरब डॉलर तक बढ़ने की संभावना है। शनिवार को यूएसए के साथ हुए अंतरिम व्यापारिक समझौते में भारतीय निर्यातकों, विशेष तौर पर एमएसएमई, किसानों व मछुआरों के लिए करीब 30 हजार अरब अमेरिकी डालर का बाजार खुलने की बात हो रही है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ अब 18 प्रतिशत रह जाने के बाद वहां निर्यात किए जाने वाली वस्तुओं के उत्पादकों को भारी राहत मिलेगी।

भारत के कुल निर्यात में यूएसए का का हिस्सा 18 प्रतिशत, जबकि आयात में 6.22 प्रतिशत है। वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब डालर तक पहुंच गया है। भारत-अमेरिका के मध्य हुए व्यापारिक समझौते से भारत में किसानों व उद्यमियों के लिए नए अवसर खुलेंगे। भारत से यूएसए को निर्यात किए जाने वाले मसालों, फलों, सब्जियों के अलावा कृषि उत्पादों, रत्न-आभूषणों शुल्क रहित होंगे। भारत से करीब 13 अरब डालर के दवा निर्यात पर भी अमेरिका में कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। दोनों देशों की डील में भारतीय किसानों की रक्षा के लिए गेहूं, चावल, चीनी व डेयरी उत्पादों को बाहर रखा गया है।

व्यापारिक समझौते से निर्यात ढांचे, निवेश आकर्षण के साथ रोजगार सृजन की दिशा को बल मिलेगा। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने यह समझा है कि भारत की अर्थव्यवस्था में निवेश की बहुत संभावनाएं हैं। इन देशों के लिए भारत का सबसे बड़ा आकर्षण इसका विशाल मध्यम वर्ग, बढ़ती खपत क्षमता और युवा आबादी है, जो आटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा व डिजिटल सेवाओं की मांग को लगातार बढ़ा रही है।

विशाल उपभोक्ता बाजार, निवेश का भरोसेमंद ठिकाना व साख आधारित साझेदारी के कारण विकसित देशों की पसंद बन चुका है। वैश्विक व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में भारत को बेहद चौकन्ना भी रहना होगा। कौटिल्य ने अपनी कृति 'अर्थशास्त्र ' में लिखा है कि आपसी व्यापार में अत्यधिक विश्वास नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अवसरों की विश्वसनीयता की जांच करने पर जोर देते हुए यह भी लिखा है कि समान लोगों के बीच ही प्रेम या स्नेह (संबंध) फलते-फूलते हैं।

मानव संसाधन के परिप्रेक्ष्य में भारत महज एक देश नहीं वरन एक बड़ा बाजार भी है। भारत आज वैश्विक व्यापार की धुरी बन चुका है। यही कारण है कि दुनिया के विकसित देशों की निगाहें भारत पर टिक गई हैं।

आमने

राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान एक निर्दोष दर्जी की सरेआम हत्या कर दी गई थी। उस समय प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखी। राजस्थान में जो भी हिंसा और लिंचिंग जैसी घटनाएं हुईं, वे कांग्रेस के शासनकाल में ही फली-फूलीं।

–निर्मला सीतारमण
केंद्रीय वित्तमंत्री

सामने

कन्हैयालाल हत्याकांड में राजस्थान पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए कुछ ही घंटों में हत्यारों को अरेस्ट किया था, फिर पुलिस से केस लेकर केंद्र सरकार ने जांच एनआईए को दे दी। 2022 से आज 2026 तक कन्हैयालाल का परिवार न्याय का इंतजार कर रहा है।

–अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

दुनिया से हर साल कहां गुम जाते हैं 80 लाख लोग

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में दिल्ली में 807 लोगों के लापता होने की खबर छपी। इनमें 137 बच्चे और 63 फीसदी महिलाएं तथा लड़कियां शामिल हैं। यह कुल लापता लोगों का बड़ा हिस्सा है। बताया गया कि एक जनवरी से 27 जनवरी तक हर दिन औसतन 27 लोग गायब हुए। इन 807 मामलों में से केवल 235 लोगों का ही अभी तक पता लग सका है। वहीं 538 लोग अब भी लापता हैं, जिनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इसके बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं लापता लोगों के परिवार भी पुलिस से सहयोग नहीं मिल पाने की शिकायत कर रहे हैं। दिल्ली की इन घटनाओं ने एक बार फिर लापता लोगों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ऐसा नहीं है कि केवल दिल्ली से ही लोग लापता हुए हैं। भारत सहित पूरी दुनिया में हर साल लापता लोगों के मामले सामने आते हैं।

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूरी दुनिया में हर साल 80 लाख लोग लापता होते हैं, जिनमें से कुछ ही मिल पाते हैं। अधिकतर के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाती। कुछ साल पहले मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी दुनिया भर में गायब होने वाले लोगों पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए गहरी चिंता जताई थी। उसका कहना था कि दुनिया में अधिकतर लोगों को जबरन उठा लिया जाता है और उन्हें युद्ध सहित कई अनैतिक कामों में धकेल दिया जाता है। संगठन का कहना है कि सीरिया में साल 2011 से लेकर अब तक लगभग 82,000 लोगों को जबरन गायब कर दिया गया है। इनमें से अधिकांश लोग सशस्त्र विपक्षी समूहों और खुद को इस्लामिक स्टेट कहने वाले सशस्त्र समूह द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद लापता हो गए हैं। वहीं श्रीलंका में 1980 से लेकर अब तक करीब 60,000 से अधिक लोग गायब हो गए हैं।

अगर इतिहास की बात करें तो अर्जेंटीना में बीसवीं शताब्दी में सामूहिक रूप से लोगों के जबरन गायब किए जाने का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण अंतिम तानाशाही थी। 1976-1983 के बीच दक्षिण अमेरिकी देश में सैन्य शासन के दौरान सुरक्षा बलों ने लगभग 30,000 लोगों का अपहरण किया, जिनमें से कई का अभी भी कोई सुराग नहीं लगा है। इस दौरान व्यापक और व्यवस्थित रूप से मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ, जिसमें बड़े पैमाने पर यातनाएं और गैर-न्यायिक हत्याएं शामिल थीं। इनमें कुख्यात मौत की उड़ानें भी शामिल थीं, जिनमें पीड़ितों को सैन्य विमानों या हेलीकॉप्टरों से गिराकर मार डाला गया था। दुनिया भर में कई संगठन लंबे समय से गायब होने वाले लोगों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, हालांकि अधिकतर मामलों में ज्यादा कुछ सफलता नहीं मिल पाई है। इतना जरूर है कि कुछ मामलों में जिम्मेदारों को दोषी ठहराने के लिए अभियान चलाया गया। इसके बाद कुछ दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने में सफलता मिली।

असल में जबरन गुम किए जाने के शिकार वे लोग होते हैं, जो सचमुच गायब हो जाते हैं। वे तब लापता हो जाते हैं, जब उन्हें सड़क या उनके घरों से उठा लिया जाता है। अधिकतर मामलों में इनकी गुमशुदगी से इनकार किया जाता है या यह बताने से मना कर दिया जाता है कि वे कहां हैं। कभी-कभी ये गुमशुदगी सशस्त्र गैर-सरकारी तत्वों जैसे सशस्त्र विपक्षी समूहों द्वारा की जाती है। अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत यह एक अपराध है। इन लोगों को अक्सर रिहा नहीं किया जाता और उनका क्या हुआ, यह भी अनिश्चित रहता है।

बताया जाता है कि इन लापता लोगों को गलत कामों में धकेल दिया जाता है। लड़कियों को वेश्यावृत्ति में भेज दिया जाता है। बच्चों को चाइल्ड ट्रैफिकिंग में फंसा दिया जाता है। इन लापता लोगों को अक्सर यातनाएं दी जाती हैं। इनमें से कई मारे जाते हैं या फिर मारे जाने के भय में जीते हैं। वे जानते हैं कि उनके परिवार को पता नहीं है कि वे कहां हैं और उनकी मदद की संभावना बहुत कम है। भले ही वे मौत से बच जाएं और रिहा हो जाएं, लेकिन शारीरिक और मानसिक घाव उनके साथ रह जाते हैं।

मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि जबरन गुमशुदगी एक वैश्विक मुद्दा है। दुनिया के कई देशों में ऐसे लोगों का इस्तेमाल अक्सर समाज में आतंक फैलाने की रणनीति के रूप में किया जाता है। इससे उत्पन्न असुरक्षा और भय की भावना केवल गुमशुदगी के करीबी रिश्तेदारों तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि समुदायों और पूरे समाज को प्रभावित करती है। कभी सैन्य तानाशाहों द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की जाने वाली ये गुमशुदगियां अब दुनिया के हर क्षेत्र में और विभिन्न परिस्थितियों में घटित होती हैं। ये आमतौर पर आंतरिक संघर्षों में विशेष रूप से राजनीतिक विरोधियों को दबाने की कोशिश कर रही सरकारों या सशस्त्र विपक्षी समूहों द्वारा की जाती हैं। लापता लोगों के परिवार और मित्र मानसिक पीड़ा से जूझते हैं। उन्हें यह नहीं पता होता कि उनका बेटा या बेटी, मां या पिता जीवित हैं या नहीं। उन्हें यह भी नहीं पता होता कि उन्हें कहां रखा गया है या उनके साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है।

भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लापता लोगों के मामले सामने आते रहे हैं। हर साल पूरी दुनिया में 80 लाख लोग लापता होते हैं, अधिकतर के बारे में सुराग ही नहीं मिल पाता।

सोशल फोरम

"...अब आप देवकी नंदन पांडेय से समाचार सुनिए"

छोटा कुर्ता, खुला पायजामा, पांव में कोल्हापुरी, यदा कदा मुंह में बीड़ी, लंबे बिखरे बाल। यह सब एक बाहरी व्यक्तित्व हैं। किंतु जब उनकी जुबां खुलती, "यह आकाशवाणी है, अब आप देवकी नंदन पांडेय से समाचार सुनिए"...। खनक दार आवाज, उसमें अजब सा भारीपन, स्पष्ट उच्चारण, हर शब्द का असल असर। पांडेय साहब भारत के सबसे अधिक सुने जाने वाले समाचार वाचक थे।

ललित शर्मा
ब्लॉगर

21 मार्च 1948 से शुरू हुआ उनका समाचार वाचक का करियर 1983 तक चला। पेशे से रंगकर्मी, लेखक, उद्घोषक कानपुर में जन्मे पांडेय साहब देश की आवाज नाम से जाने जाते थे। मौलाना आजाद, लियाकत अली, लाल बहादुर शास्त्री, जवाहर लाल नेहरू, संजय गांधी के मृत्यु समाचार उन्होंने ही पढ़े। ऑल इंडिया रेडियो में कार्यरत पांडेय साहब का दूरदर्शन में भी काफी दखल रहा।

इन्होंने राष्ट्र को भाषा क्या है, के विषय में बताया। सही उच्चारण, कॉमा, पूर्ण विराम, पॉज केवल लिखने के लिए नहीं बोलने में भी महत्वपूर्ण है, बताया। उन्होंने भाषा के लिए नए मानक तय किए।

कहा जाता है कि सुबह आठ बजे जब उनका बुलेटिन शुरू होता था, तो लोग अपनी घड़ियां मिलाते थे। उनकी पाबंदी और उच्चारण (Pronunciation) इतना सटीक था कि उसमें एक सेकंड या एक मात्रा की भी गलती की गुंजाइश नहीं होती थी।

वे इतने विश्वसनीय थे कि संजय गांधी के निधन (1980) के समय, देवकी नंदन पांडेय जी रिटायर हो चुके थे, लेकिन प्रशासन ने विशेष रूप से उन्हें घर से बुल्वाया, क्योंकि उनका मानना था कि इतनी बड़ी और दुखद खबर अगर पांडे जी की भारी आवाज़ में नहीं जाएगी, तो शायद लोगों को यकीन नहीं होगा। आज की तेज़-तर्रार मीडिया के दौर में, देवकी नंदन पांडे की वो 'ठहरी हुई' और 'दमदार' आवाज़ एक सुनहरी याद बनकर रह गई है।

आज के जमाने में समाचार वाचक का कोई खास महत्व नहीं है। समाचार वाचक, एक संदेश वाहक मात्र है। उसका अपना ओपिनियन उसके चेहरे पर नजर नहीं आना चाहिए, आवाज में झलकना नहीं चाहिए। इस युग में अब इसका कोई महत्व नहीं। न्यूज रीडर ही न्यूज बना रहा है, वही हैंडल कर रहा है। न भाषाई शुद्धता है और न ही व्यवहारिक आचरण। युवक आज यही सीख भी रहा है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

नर्सरी से कॉलेज तक दाखिले की युद्धभूमि

आज शिक्षा का अर्थ सीखना नहीं, बल्कि साबित करना हो गया है। साबित करना कि बच्चा बेहतर है, तेज़ है, दूसरों से आगे है और यह साबित करने की ज़िम्मेदारी बच्चे से ज़्यादा उसके माता-पिता के कंधों पर डाल दी गई है। नतीजा यह है कि नर्सरी से लेकर विश्वविद्यालय तक, 'दाख़िला' अब एक सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक और सामाजिक तनाव का कारण बन चुका है।

दाख़िले की इस दौड़ में सबसे पहले निशाने पर आता है मासूम बच्चा। वह उम्र, जब खेलना, कल्पना करना और सवाल पूछना चाहिए, उसी उम्र में उसे फ़ॉर्म, इंटरव्यू, टेस्ट और रैंक के बोझ तले दबा दिया जाता है। नर्सरी एडमिशन के नाम पर माता-पिता छुट्टियां लेते हैं, स्कूल-दर-स्कूल भटकते हैं, सिफ़ारिशें ढूंढते हैं और कई बार आत्मसम्मान तक गिरवी रख देते हैं। यह सब इसलिए नहीं कि बच्चा सीख सके, बल्कि इसलिए कि वह 'अच्छे स्कूल' का टैग हासिल कर सके।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

आज शिक्षा संस्थान ज्ञान के मंदिर कम और प्रतिस्पर्धी बाज़ार ज़्यादा बनते जा रहे हैं। अख़बारों में 'मिशन एडमिशन' जैसे शब्द आम हो चुके हैं। टीवी चैनलों पर दाख़िले को लेकर बहसें होती हैं, कोचिंग संस्थान भविष्य की गारंटी बेचते हैं और स्कूल-कॉलेज अपनी ब्रांड वैल्यू चमकाने में लगे रहते हैं। इस पूरे तंत्र में बच्चा एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रोजेक्ट बन जाता है, जिसे हर हाल में सफल दिखाना ज़रूरी है।

कभी 60–65 प्रतिशत अंक लाना सम्मान की बात हुआ करती थी। सेकंड डिविज़न जीवन की हार नहीं मानी जाती थी। आज हालात यह हैं कि 90 प्रतिशत से नीचे अंक लाने वाला बच्चा और उसके माता-पिता अपराधबोध में जीते हैं। 95–96 प्रतिशत अंक लाने वालों को भी चैन नहीं है, क्योंकि कट-ऑफ़ हर साल नई ऊंचाई छू रहा है। ऐसा लगता है मानो अंकों की इस दौड़ का कोई अंत ही नहीं।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब ज़्यादातर बच्चे 90 प्रतिशत से ऊपर अंक ला रहे हैं, तो क्या वास्तव में सब असाधारण प्रतिभाशाली हैं? या फिर मूल्यांकन प्रणाली ही अपना संतुलन खो चुकी है? शिक्षा का उद्देश्य समझ विकसित करना था, लेकिन वह अब अंकों और रैंक के गणित में सिमट कर रह गया है। ज्ञान से ज़्यादा प्रदर्शन मायने रखता है, और प्रदर्शन से ज़्यादा उसका प्रचार।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे भयावह पहलू है बच्चों पर पड़ने वाला मानसिक दबाव। परीक्षा, इंटरव्यू और चयन की अनिश्चितता बच्चे के भीतर डर और असुरक्षा पैदा करती है। असफलता की स्थिति में पहला सवाल यही होता है— "अब क्या होगा?" यह सवाल सिर्फ़ भविष्य का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का भी होता है। बच्चा यह मानने लगता है कि उसकी असफलता उसके माता-पिता की हार है। यह भाव उसके आत्मविश्वास को गहरे तक चोट पहुंचाता है।

विडंबना यह है कि माता-पिता भी इस दबाव के शिकार हैं। समाज ने उनके सामने सफलता की एक संकीर्ण परिभाषा रख दी है- टॉप स्कूल, टॉप कॉलेज और टॉप करियर। वे यह सोचने से डरते हैं कि अगर उनका बच्चा इस तय ढांचे में फिट नहीं हुआ, तो लोग क्या कहेंगे। परिणामस्वरूप वे बच्चे की रुचि, क्षमता और स्वभाव को नज़रअंदाज़ कर देते हैं।

शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त असमानता इस समस्या को और गंभीर बना देती है। जिनके पास संसाधन हैं, वे महंगी कोचिंग, प्राइवेट स्कूल और मैनेजमेंट कोटा खरीद सकते हैं, लेकिन मध्यम और निम्न वर्ग के बच्चों के लिए यह दौड़ कहीं ज़्यादा कठिन है। योग्यता के बावजूद अवसर न मिलना, व्यवस्था पर से भरोसा तोड़ देता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

महाशिवरात्रि

देवों के देव महादेव की आराधना का पर्व

हिन्दू पंचांग के अनुसार, महाशिवरात्रि हर साल फाल्गुन माह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष यह पावन पर्व 15 फरवरी रविवार को है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह पावन पर्व भगवान शिवजी को समर्पित है। इस दिन भगवान शिव के भक्त उनकी कृपा पाने के लिए उनकी विधि-विधान के साथ पूजा आराधना करते हैं। इस दिन रात्रि पूजन भी किया जाता है, लेकिन इससे महत्वपूर्ण चार पहर की पूजा होती है। मान्यता है कि चार पहर की पूजा करने से व्यक्ति जीवन के पापों से मुक्त हो जाता है तथा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाशिवरात्रि के दिन चार पहर की पूजा संध्या काल से शुरू होकर अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त तक की जाती है। सामान्य गृहस्थ को महाशिवरात्रि के दिन शुभ और मनोकामना पूर्ति के लिए सुबह और संध्या काल में शिव की आराधना करनी चाहिए।

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
आध्यात्मिक लेखक, ज्योतिषाचार्य

समग्रता के प्रतीक शिव

भगवान शिव का व्यक्तित्व एवं स्वरूप समग्रता का प्रतीक है यह उनके जीवन का वह दर्शन प्रदान करता है, जो मनुष्य को उसके व्यक्तित्व के उच्चतम शिखर तक ले जाता है। भगवान शिव का यह चरित्र मानवीय जीवन के उच्चतम आदर्शों की पराकाष्ठा है। महादेव गृहस्थ भी हैं और वीतरागी आदियोगी भी, उनका यह गुण संदेश देता है कि योग के मार्ग पर चलने के लिए ईश्वर की भक्ति के लिए संसार त्याग आवश्यक नहीं है। त्याग तो स्वयं की दुष्प्रवृत्तियों का, आसत्ति व अहंकार का करना चाहिए ताकि अंतःकरण को योग के अनुकूल बनाया जा सके। कैलाशवासी भगवान शिव एक ओर तो परम पवित्र हिमालय में तपस्या में लीन रहते हैं, तो दूसरी ओर भूतगणों के साथ श्मशान में निवास करते भी माने जाते हैं। इसका व्यावहारिक आशय यह है कि पवित्र और श्रेष्ठ के संपर्क में रहना श्रेयकर है, किंतु घृणित और पापी किसी को नहीं समझा जाना चाहिए। सब परमात्मा की ही संतान हैं एवं वे स्वयं सबको बराबर स्नेह करते हैं। शिव यहां सम्यक दृष्टि व मैत्री की शिक्षा देते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन शिवजी पहली बार प्रकट हुए थे। शिव का प्राकट्य ज्योतिर्लिंग यानी अग्नि के शिवलिंग के रूप में था। ऐसा शिवलिंग जिसका न तो आदि था और न अंत। बताया जाता है कि शिवलिंग का पता लगाने के लिए ब्रह्माजी हंस के रूप में शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग को देखने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। वह शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग तक पहुंच ही नहीं पाए। दूसरी ओर भगवान विष्णु भी वराह का रूप लेकर शिवलिंग के आधार ढूंढ रहे थे, लेकिन उन्हें भी आधार नहीं मिला।

शिव और शक्ति मिलन

महाशिवरात्रि को पूरी रात शिवभक्त अपने आराध्य के लिए जागरण करते हैं। शिवभक्त इस दिन शिवजी की शादी का उत्सव मनाते हैं। मान्यता है कि महाशिवरात्रि को शिवजी के साथ शक्ति की शादी हुई थी। इसी दिन शिवजी ने वैराग्य जीवन छोड़कर गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया था। शिव जो वैरागी थे, वह गृहस्थ बन गए। माना जाता है कि शिवरात्रि के 15 दिन पश्चात होली का त्योहार मनाने के पीछे एक कारण यह भी है। इसलिए महाशिवरात्रि हिंदू धर्म में आस्था रखने वालों एवं भगवान शिव के उपासकों का एक मुख्य त्योहार है। मान्यता यह भी है कि इस दिन भगवान शिव की सेवा में दान-पुण्य करने व शिव उपासना से उपासक को मोक्ष मिलता है। शिवरात्रि के पर्व पर जागरण का विशेष महत्व है। पौराणिक कथा है कि एक बार पार्वतीजी ने भगवान शिवशंकर से पूछा, 'ऐसा कौन-सा श्रेष्ठ तथा सरल व्रत-पूजन है, जिससे मृत्युलोक के प्राणी आपकी कृपा सहज ही प्राप्त कर लेते हैं?' उत्तर में शिवजी ने पार्वती को 'महाशिवरात्रि' के व्रत का उपाय बताया। चतुर्दशी तिथि के स्वामी शिव हैं। अतः ज्योतिष शास्त्रों में इसे परम शुभफलदायी कहा गया है। वैसे तो शिवरात्रि हर महीने में आती है, परंतु फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को ही महाशिवरात्रि कहा गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य देव भी इस समय तक उत्तरायण में आ चुके होते हैं तथा ऋतु परिवर्तन का यह समय अत्यंत शुभ कहा गया है।

पूजा से शांत होते हैं कुंडली के दोष

महाशिवरात्रि में शिवलिंग की पूजा करने से जन्मकुंडली के नवग्रह दोष तो शांत होते हैं विशेष करके चंद्रजनित दोष जैसे मानसिक अशान्ति, मां के सुख और स्वास्थ्य में कमी, मित्रों से संबंध, मकान-वाहन के सुख में विलम्ब, हृदयरोग, नेत्र विकार, चर्म-कुष्ट रोग, नजला-जुकाम, स्वांस रोग, कफ-निमोनिया संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है और समाज में मान प्रतिष्ठा बढ़ती है। सुहागिन महिलाओं को इसदिन मां पार्वती को श्रृंगार हेतु मेंहदी चढ़ानी चाहिए और पुरुषों को पंचामृत, दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से स्नान कराकर बेलपत्र पर अष्टगंध, कुमकुम अथवा चंदन से राम-राम लिखकर 'ॐ नमः शिवाय करालं महाकाल कालं कृपालं ॐ नमः शिवाय'

कहते हुए शिवलिंग पर अर्पित करना चाहिए। साथ ही भांग, धतूरा और मंदार पुष्प तथा गंगाजल भी अर्पित हुए काल हरो हर, कष्ट हरो हर, दुःख हरो, दारिद्रय हरो, नमामि शंकर भजामि शंकर शंकर शंभो तव शरणं। मंत्र से प्रार्थना करनी चाहिए।

समस्त सृष्टि के स्वामी शिव

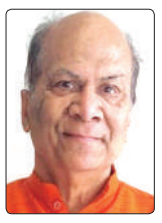

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

देवों के देव महादेव, भूतभावन, व्योमकेष, जीवों का परम कल्याण करने वाले भगवान आषुतोश भोले भंडारी के परम उत्सव पर अपनी लेखनी को पवित्र करने का लेख संवरण नहीं कर पा रहा हूं। शिवरात्रि हिन्दुओं के सबसे पवित्र त्योहारों मे से एक है। शिव ही समस्त सृष्टि के स्वामी हैं। भूतभावन भगवान शंकर ही इस चराचर जगत के समस्त प्राणियों (मनुश्य, पशु, पक्षी, देव, दानव) को इस धरा पर अस्तित्व प्रदान करते हैं। वे ही आदि हैं और वे ही अंत हैं। भूत का तात्पर्य केवल भूत-प्रेत आत्माओं से नहीं है, बल्कि भूत का मूल अर्थ, जो इस धरा पर उत्पन्न हुआ है, अर्थात पंचभूत से बना हर जीव भूत है। भावनः का तात्पर्य है-इनका पालन करने वाला एवं इनका कल्याण करने वाला।

बाबा विश्वनाथ के इस पर्व को मनाने के पीछे कई कथाएं प्रचलित हैं। शिव पुराण में महाशिवरात्रि का विस्तार से वर्णन किया गया है। शिव पुराण के रुद्र संहिता (पार्वती खंड) में भगवान शिव के पार्वती से विवाह उत्सव का वर्णन मिलता है। बसंत पंचमी के बाद आने वाला यह पर्व प्रकृति के अत्यंत सुंदर मनभावन स्वरूप के समय मनाया जाता है। यहां शिव को चेतना एवं शक्ति को ऊर्जा (शक्ति) के योग का उत्सव भी माना जाता है। शिवरात्रि में आध्यात्मिक रूप यदि देखा जाए तो शिव का अर्थ है-कल्याण और रात्रि का अर्थ है विश्राम अथवा अंधकार। महाशिवरात्रि का यह पर्व अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर आत्मज्ञान के प्रकाश की और बढ़ने के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है।

महाशिवरात्रि को मनाने के पीछे दूसरी पौराणिक गाथा का वर्णन समुद्र मंथन और विशपान से जुड़ा है। समुद्र मंथन के समय जब हलाहल नामक विष समुद्र से निकला, तो उसे ग्रहण करने को सुर-असुरों में से कोई भी तैयार नहीं हुआ, ऐसे समय में भगवान शिव ने इस हलाहल को पीकर अपना नाम नीलकंठ चरितार्थ किया। इसी उपकार के कारण भी आभार स्वरूप भक्त लोग इस व्रत को रखते हैं और शिवरात्रि का पर्व मनाते हैं। महाशिवरात्रि को उपवास रखने का नियम है, जिसका तात्पर्य है, हमें अपनी इन्द्रियों पर संयम रखना चाहिए। रात्रि जागरण करके हम अज्ञान से जागरण की शिक्षा प्राप्त करते हैं। बेल पत्र को शिवलिंग पर अर्पण करने का तात्पर्य त्रिगुणों पर विजय है।

पौराणिक कथा

विधि का लेख

एक बार भगवान विष्णु गरुड़ पर आरूढ़ होकर कैलाश पर्वत पहुंचे। द्वार पर गरुड़ को छोड़कर वे स्वयं महादेव से मिलने भीतर चले गए। गरुड़ बाहर खड़े कैलाश की अलौकिक प्राकृतिक शोभा को निहार रहे थे। हिमशिखरों की दिव्यता, मंद समीर और दिव्य शांति उन्हें मंत्रमुग्ध कर रही थी। तभी उनकी दृष्टि एक अत्यंत सुंदर, नन्हीं-सी चिड़िया पर पड़ी। वह इतनी कोमल और आकर्षक थी कि गरुड़ का मन अनायास ही उसी में उलझ गया। उसी क्षण यमराज कैलाश पधारे। भीतर जाने से पहले उन्होंने उस चिड़िया को एक गहरी और आश्चर्यपूर्ण दृष्टि से देखा।

गरुड़ यह संकेत समझ गए। उन्हें आभास हो गया कि उस चिड़िया की मृत्यु निकट है और यमराज कैलाश से लौटते समय उसे अपने साथ ले जाएंगे। करुणा से भरकर गरुड़ का हृदय द्रवित हो उठा। वे इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरते हुए नहीं देख सके। उन्होंने उसे अपने पंजों में सहेजा और कैलाश से हजारों कोस दूर एक निर्जन वन में, एक ऊंची चट्टान पर सुरक्षित छोड़ दिया। इसके बाद वे पुनः कैलाश लौट आए। जब यमराज बाहर आए, तो गरुड़ ने विनम्रतापूर्वक पूछा-"प्रभु, आपने उस छोटी-सी चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी दृष्टि से क्यों देखा था?"

यमराज बोले- "गरुड़, जब मैंने उस चिड़िया को देखा, तब मुझे ज्ञात हुआ कि कुछ ही क्षणों बाद वह यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा निगल ली जाएगी। मैं इसी बात पर विचार कर रहा था कि वह इतनी अल्प अवधि में इतनी दूर कैसे पहुंचेगी? पर अब वह यहां नहीं है, तो निश्चय ही उसका अंत हो चुका होगा।" यह सुनकर गरुड़ को सत्य का बोध हो गया। वे समझ गए कि मृत्यु को टाला नहीं जा सकता, चाहे कितनी ही चतुराई क्यों न कर ली जाए। इसीलिए परमात्मा कहते हैं-"तू करता वही है, जो तू चाहता है, पर होता वही है, जो मैं चाहता हूं। तू वही कर, जो मैं चाहता हूं- फिर होगा वही, जो तू चाहेगा।"

सोमनाथ और घटता-बढ़ता चंद्रमा

चंद्रमा बहुत सुंदर था। उसकी सुंदरता के चर्चे सर्वत्र होते थे। चंद्रमा की सुंदरता पर मोहित होकर दक्ष प्रजापति की सत्ताइस पुत्रियों ने उससे विवाह कर लिया था। कुछ दिन हंसी-खुशी में व्यतीत हुए फिर चन्द्रमा रोहिणी को छोड़कर शेष पत्नियों से नाराज रहने लगा। एक दिन तो उसने हद ही कर दी। रोहिणी को छोड़कर शेष पत्नियों को उसने महल से निकाल दिया। अपमानित दक्ष पुत्रियों ने मायके जाकर अपने पिता दक्ष प्रजापति से रो-रोकर अपनी व्यथा सुनाई। दक्ष ने चन्द्रमा को बुलाकर समझाया पर चन्द्रमा नहीं माना। उसने दक्ष प्रजापति को उल्टे बहुत भला-बुरा कहा। इस पर दक्ष प्रजापति को गुस्सा आ गया। उन्होंने चन्द्रमा को शाप दे दिया- 'तुम्हें अपने रूप-सौंदर्य का बड़ा गर्व है, जा तुझे क्षय रोग हो जाएगा। तू- कांतिहीन हो जाएगा। दक्ष के शाप से छुटकारे के लिए चन्द्रमा ने भोले शंकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की। शिव प्रसन्न हुए और चन्द्रमा से वर मांगने को कहा। चन्द्रमा ने शिव को सारी घटना बताई और श्राप से मुक्त होने का वर मांगा। शिव बोले- वत्स, मैं दक्ष के श्राप को समाप्त तो नहीं करूंगा, पर उसे कम करके लगभग निष्प्रभावी कर दूंगा। अब महीने के पहले पन्द्रह दिन तुम दक्ष के श्राप से क्षय रोग से ग्रसित रहोगे, प्रतिदिन घटते रहोगे। पर शेष 15 दिन तुम दक्ष के श्राप से मुक्त होकर तुम कांतिवान होकर बढ़ते रहोगे। दक्ष के श्राप से तुम अमावस्या को क्षय रोग से पूर्णतः ग्रसित होगे, जबकि पूर्णिमा को पूर्ण रूप से मुक्त होकर तुम विश्व को मोहित करोगे। तुम्हारी 27 पत्नियों के नाम अब तुम्हारे साथ जुड़कर अमर हो जाएंगे। ये सभी नक्षत्र मंडल में होंगी।

तब से चन्द्रमा क्षय रोग से ग्रसित हो गया। दक्ष के श्राप के कारण वह प्रत्येक मास पहले पक्ष में पहले क्षय रोग के कारण धीरे-धीरे घटता रहता है और अमावस्या को लोप हो जाता है। इसे कृष्ण पक्ष कहते हैं। शिव के वरदान के कारण अमावस्या के बाद चन्द्रमा क्षय रोग से धीरे-धीरे मुक्त होता रहता है और पूर्णिमा को पूर्ण मुक्त हो जाता है। इसे शुक्ल पक्ष कहते हैं। पूर्णिमा के चांद की सुंदरता की तुलना सदियों से मनुष्यों द्वारा की जाती रही है। कहते हैं कि गुजरात के प्रभाष पाटन क्षेत्र में जहां चन्द्रमा ने भगवान शिव की पूजा की थी, वहां उसने महादेव शिव का भव्य मंदिर बनवाया था, जो सोमनाथ मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज भी प्रभाष क्षेत्र (गुजरात) में सोमनाथ का मंदिर हैं, जहां लाखों लोग भगवान शिव के दर्शन को जाते हैं। यहां पर पिंड दान भी किया जाता है और महाशिवरात्रि, भादौ, कार्तिक तथा चैत्र के महीने में मेला भी लगता है।

शिवचरण चौहान
लेखक

बोधकथा

विवेक और उदारता

विनीता संस्कारों की छाया में पली-बढ़ी एक सुलझी हुई बेटी थी। उसका स्वभाव उतना ही विनम्र था जितना उसका नाम। बड़ों का आदर, सेवा-भाव और अनुशासित जीवन उसकी दिनचर्या का हिस्सा थे। पढ़ाई के साथ-साथ वह दूसरों के काम आने को भी अपना कर्तव्य मानती थी। इसी सहजता और सरलता के कारण वह जहां जाती, लोगों के मन में जगह बना लेती। भाग्य ने उसे ऐसे परिवार की बहू बना दिया, जहां धन तो बहुत था, पर दान और करुणा का अभाव था। उस घर में संपत्ति को केवल भोगने और बढ़ाने की सोच थी, बांटने की नहीं। धर्म और पुण्य की बातें वहां केवल शब्द बनकर रह गई थीं। एक दिन घर के द्वार पर एक वृद्ध आया, कमज़ोर, भूखा और बेसहारा। विनीता ने उसे देखा और जो घर में उपलब्ध था, वही उसे दे दिया, सूखी, बासी रोटी। वृद्ध ने उसे हाथ में लेकर कहा- "बेटी, यह मुझसे नहीं खाई जाएगी।" विनीता ने बिना किसी कटुता के उत्तर दिया- "बाबा, इस घर में ऐसा ही भोजन होता है।"

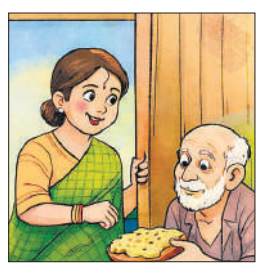

वहीं खड़े उसके श्वसुर यह सुनकर चौंक पड़े। वे बहू के व्यवहार से सदा प्रसन्न रहते थे। उन्होंने पूछा- "बेटी, तुम ऐसा क्यों कह रही हो?" विनीता ने शांत स्वर में कहा- "पिताजी, मैंने इस घर में यही देखा है कि जो धन पूर्व पुण्य से मिला है, उसे केवल संजोया और भोगा जाता है। दान, सेवा और धर्म का आचरण यहां दिखाई नहीं देता।" उसके शब्दों ने श्वसुर के मन को झकझोर दिया।

उन्हें पहली बार अपनी भूल स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उसी क्षण उन्होंने बहू को उचित कार्य करने की अनुमति दी। विनीता ने तुरंत उस वृद्ध को सम्मानपूर्वक अच्छा भोजन कराया, उससे स्नेह से बातें कीं और उसके जीवन के बारे में जाना। उसे सच्चरित्र पाकर घर के पास ही रहने की व्यवस्था कर दी। कुछ समय बाद वृद्ध बीमार पड़ा। अल्प समय में ही, ईश्वर का स्मरण करते हुए, आत्मा की शुद्धता का चिंतन करते हुए, सबके प्रति क्षमाभाव रखकर वह शांतिपूर्वक इस संसार से विदा हो गया। उसका जीवन एक मौन संदेश छोड़ गया- धन की कमी मनुष्य को केवल परेशान करती है, पर धन की अधिकता यदि विवेक से रहित हो जाए, तो वही धन मनुष्य को अहंकार, विलास और निर्दयता की ओर ले जाकर उसके पतन का कारण बन जाता है।

आधुनिक युग में माता सीता की प्रासंगिकता और नारी सम्मान

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म की समृद्ध आध्यात्मिक चेतना में माता सीता केवल एक पौराणिक चरित्र नहीं, बल्कि त्याग, समर्पण, धैर्य, करुणा, असीम पवित्रता और नारी मर्यादा की ऐसी जीवंत प्रतिमूर्ति हैं, जो युगों-युगों से नारी शक्ति को परिभाषित करती आई हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी ही कठिन क्यों न हों, यदि मन में धर्म, संयम और आत्मविश्वास अडिग हो, तो जीवन की हर अग्निपरीक्षा सार्थक बन जाती है। माता सीता का व्यक्तित्व स्त्री चेतना का वह स्वरूप प्रस्तुत करता है, जिसमें सौम्यता के साथ अडिग शक्ति का संतुलन दिखाई देता है।

श्वेता गोयल
लेखिका

माता सीता के प्राकट्य की कथा भारतीय परंपरा की सबसे दिव्य और अर्थपूर्ण कथाओं में से एक है। रामायण के अनुसार मिथिला में एक समय भयंकर अकाल पड़ा था। ऋषियों के परामर्श पर मिथिला के राजा जनक ने स्वयं हल चलाने का संकल्प लिया, जिससे धरती माता प्रसन्न हों और वर्षा हो। जब राजा जनक खेत जोत रहे थे, तब हल का अग्र भाग, जिसे 'सीत' कहा जाता है, धरती में गड़े एक स्वर्ण कलश से टकराया। उस कलश से एक दिव्य, तेजस्वी और अनुपम सौंदर्य से युक्त कन्या प्रकट हुई। निःसंतान राजा जनक ने उसे ईश्वर का प्रसाद मानकर स्वीकार किया। हल के अग्र भाग से उत्पन्न होने के कारण उनका नाम सीता पड़ा, राजा जनक की पुत्री होने के कारण वे जानकी कहलाईं और धरती से जन्म लेने के कारण भूमिजा। इस प्रकार माता सीता का जन्म स्वयं प्रकृति और धर्म के पवित्र मिलन का प्रतीक बन गया।

माता सीता का संपूर्ण जीवन त्याग, सहनशीलता और आत्मबल की जीवंत मिसाल है। राजमहल की सुख-सुविधाओं को छोड़कर वनवास स्वीकार करना, अपहरण, अकेलापन, लोकापवाद और कठोर परीक्षाओं को सहन करना-इन सबके बावजूद उन्होंने अपने चरित्र, आत्मसम्मान और धर्म से कभी समझौता नहीं किया। वे केवल भगवान राम की अर्धांगिनी नहीं थीं, बल्कि उनके धर्मपथ की सहचरी और नैतिक शक्ति भी थीं। उनका जीवन यह दर्शाता है कि नारी शक्ति मौन सहनशीलता नहीं, बल्कि मूल्यों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता है।

माता सीता को आदर्श पत्नी, पुत्री और स्त्री के रूप में देखा जाता है, लेकिन उनकी भूमिका इन पारंपरिक सीमाओं से कहीं आगे जाती है। वे संबंधों में समर्पण के साथ आत्मसम्मान का संतुलन स्थापित करती हैं। उनका आचरण यह सिखाता है कि प्रेम में भी स्वाभिमान आवश्यक है और त्याग का अर्थ आत्मविस्मरण नहीं होता। यही कारण है कि माता सीता आज भी पारिवारिक जीवन, सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों की आधारशिला मानी जाती हैं।

भारतीय परंपरा में माता सीता को लक्ष्मी स्वरूप भी माना गया है-सुख, समृद्धि और स्थायित्व का प्रतीक। उनके व्यक्तित्व में बाहरी वैभव से अधिक आंतरिक समृद्धि का महत्व दिखाई देता है। यही संदेश आज के उपभोक्तावादी और भौतिकतावादी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। स्त्री को केवल सहनशील या त्यागमूर्ति के रूप में नहीं, बल्कि सृजन, संतुलन और सामाजिक शक्ति के केंद्र के रूप में देखने की दृष्टि माता सीता के जीवन से ही विकसित होती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़, मानसिक तनाव और रिश्तों में बढ़ती जटिलताओं के बीच माता सीता का जीवन आत्मचिंतन की प्रेरणा देता है। वे सिखाती हैं कि धैर्य कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। जब मन स्थिर होता है, तो निर्णय स्पष्ट होते हैं और रिश्तों में मधुरता स्वतः विकसित होती है। यही कारण है कि आज भी ग्रामीण समाज से लेकर महानगरों तक, माता सीता का नाम पारिवारिक शांति और सामाजिक संतुलन से जुड़ा हुआ है।

माता सीता की आराधना केवल बाह्य पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके गुणों-संयम, करुणा, आत्मबल और सत्यनिष्ठा-को जीवन में उतारने का संकल्प है। यदि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, चाहे वह परिवार हो, समाज हो या व्यक्तिगत संघर्ष, तो जीवन की कठिन से कठिन राह भी सहज और अर्थपूर्ण बन सकती है। जिस प्रकार उन्होंने अशोक वाटिका में रहते हुए भी अपने आत्मसम्मान और धैर्य को अडिग रखा, वह हर युग के लिए एक प्रेरणास्रोत है। आज के समय में, जब नारी सम्मान, मानसिक संतुलन और संवेदनशील रिश्तों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है, माता सीता का जीवन हमें सच्ची शक्ति का अर्थ समझाता है-वह शक्ति जो भीतर से आती है और पूरे समाज को दिशा देती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,065.75	25,867.30
बढ़त	485.35	173.60
प्रतिशत में	0.58	0.68

सोना 1,58,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,72,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जेटवर्क को छोड़ फॉल्गर डिक्सन में हुए शामिल

नई दिल्ली। जेटवर्क के इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार प्रमुख जोश फॉल्गर ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है और वह प्रतिद्वंद्वी डिक्सन टेक्नोलॉजीज की अनुषंगी कंपनी में शामिल हो गए हैं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ से पहले एक महीने में कंपनी के यह दूसरे शीर्ष अधिकारी का इस्तीफा है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने शेयर बाजार को बताया कि फॉल्गर को पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में आईटी हार्डवेयर एवं नए प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है, जो डिक्सन की स्वामित्व वाली/गैर-सूचीबद्ध अनुषंगी कंपनी है।

मारुति ने रेलवे से रिकॉर्ड 5.85 लाख वाहन भेजे

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने रेलवे से 2025 में 5.85 लाख से अधिक वाहनों को भेजा। यह 2024 की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा कि आपूर्ति में रेल परिवहन की उसकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है जो 2016 में 5.1 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है। इससे कार्बन उत्सर्जन, देश के तेल आयात में उल्लेखनीय कमी आई है और सड़क पर लगने वाला जाम भी कम हुआ है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने इसकी जानकारी दी।

पर्पल इक्विटी वारंट से जुटाएगी 69 करोड़

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर्पल फाइनेंस ने 55 रुपये प्रति इक्विटी वारंट की दर से 1.26 करोड़ इक्विटी वारंट जारी कर 69.30 करोड़ जुटाने की योजना बनाई है। हालांकि यह नियामकीय मंजूरी के अधीन होगा। पर्पल फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस संबंध में फैसला छह फरवरी को हुई निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। मौजूदा एवं नए दोनों निवेशकों की निरंतर भागीदारी उसके कारोबारी मॉडल, प्रशासनिक ढांचे और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। कंपनी विस्तार के समर्थन के लिए अपने पूंजी आधार को और मजबूत कर रही है।

मेकमाइट्रिप, माइनर ने किया समझौता

नई दिल्ली। नैस्डैक में सूचीबद्ध यात्रा बुकिंग मंच मेकमाइट्रिप ने सोमवार को दुनिया भर में 560 से अधिक संपत्तियों का संचालन करने वाले वैश्विक आतिथ्य समूह माइनर होटल्स के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह सहयोग भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप, एशिया और पश्चिम एशिया के शहरों और रिसॉर्ट स्थलों में अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के विकल्पों को बढ़ाएगा। इनकी बुकिंग मेकमाइट्रिप के मंच से की जा सकती है। यह साझेदारी मेकमाइट्रिप की अपने प्रत्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय होटल विकल्पों को बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का संयंत्र शुरू

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने सोमवार को कहा कि वह तमिलनाडु स्थित अपनी विनिर्माण इकाई में नौ हजार करोड़ का निवेश करेगी। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच से सात साल में अपनी कुल उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 2.5 लाख इकाई सालाना करना है ताकि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की मांग को पूरा किया जा सके। कंपनी और उसकी अनुषंगी इकाई जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी (जेएलआर) ने तमिलनाडु के रानीपेट जिले के पनपक्कम स्थित संयंत्र में परिचालन शुरू करने की घोषणा की।

भारत-अमेरिका समझौते से निर्यातकों को शुल्क मोर्चे पर मिलेगी निश्चितता

भारत पर लगा शुल्क चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम और बांग्लादेश की तुलना में कम

- समझौते के अनुसार अमेरिका भारत पर लगाए जवाबी शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिए जाने से घरेलू निर्यातकों को शुल्क के मोर्चे पर तत्काल निश्चितता और बेहतर समझ मिलेगी। अमेरिका इस पेश रूपरेखा के अनुसार भारत पर लगाए जाने वाले जवाबी शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। इससे पहले वह रूसी कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क को हटा चुका है। भारत पर लगाया शुल्क चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में सबसे कम है।

शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के साझेदार रुद्र कुमार पांडे ने कहा कि यह रूपरेखा हालिया शुल्क युक्तिकरण पर अत्यंत आवश्यक परिचालन स्पष्टता प्रदान करती है। रूपरेखा स्पष्ट रूप से पुष्टि करती है कि वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा एवं जूते, प्लास्टिक व रबर, कार्बनिक रसायन, घरेलू सजावट, हस्तशिल्प उत्पाद तथा चयनित मशीनरी क्षेत्रों सहित कई प्रमुख भारतीय निर्यात क्षेत्रों पर 18 प्रतिशत की जवाबी शुल्क दर लागू होगी।

निर्यातकों के लिए यह रूपरेखा निश्चितता और बेहतर समझ प्रदान करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 18 प्रतिशत शुल्क भारत को बांग्लादेश, थाईलैंड, इंडोनेशिया और चीन जैसे प्रतिस्पर्धी निर्यातकों की तुलना में सापेक्ष लाभ की स्थिति में रखता है। इन देशों पर अमेरिकी शुल्क अपेक्षाकृत अधिक हैं।

उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों के लिए बाजार हिस्सेदारी में क्रमिक वृद्धि की उचित संभावना है। ऊर्जा, विमान एवं विमान कलपुर्जों, पूंजीगत वस्तुओं तथा प्रौद्योगिकी उत्पादों सहित पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान की खरीद की भारत की घोषित मंशा को बुनियादी ढांचा विस्तार, विमानन वृद्धि और डिजिटल अर्थव्यवस्था की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप रणनीतिक आयात प्रतिबद्धता के रूप में देखा जाना चाहिए।

गैर-शुल्क बाधाओं के हटने से बढ़ेगा मुक्त व्यापार

डेलॉयट इंडिया के साझेदार गुलजार डिडवानिया ने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने पर ध्यान देने से दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति में यह समग्र रूप से एक अत्यंत सकारात्मक विकास है और इससे भारतीय निर्यातकों को तात्कालिक तथा दीर्घकालिक दोनों ही अवधि में लाभ होगा। फ्लोरेंस शू कंपनी के चेयरमैन एवं ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसईजेड प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अकील पनारुना ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के जूता एवं चमड़ा क्षेत्र के लिए बड़ा प्रोत्साहन है। पहले भारतीय जूता निर्यात पर अमेरिका में 50% तक शुल्क था जिससे प्रतिस्पर्धात्मकता एवं दीर्घकालिक सोर्सिंग प्रभावित थी। नए समझौते से शुल्क युक्तिकरण, बाजार पहुंच की बहाली और भारतीय निर्माताओं को आत्मविश्वास के साथ निर्यात बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। हम तमिलनाडु में अपने 2,500 करोड़ रुपये के संयुक्त उद्यम का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। इसमें हमारे ताइवानी साझेदार शामिल हैं जो दुनिया के दूसरे एथलेटिक फुटवियर उत्पादकों में से हैं। निर्माणाधीन इकाई के अप्रैल तक पूरे होने की उम्मीद है। भविष्य में भी निवेश की योजना है और परिवार संचालित चमड़ा कारोबार का विस्तार जारी रहेगा।

2026-27 में जीडीपी रहेगी 6.4% : मूडीज

- रेटिंग एजेंसी ने जी-20 देशों में तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आगामी वित्त वर्ष में 6.4% रहने का अनुमान है जो घरेलू खपत में मजबूती, नीतिगत उपायों और स्थिर बैंकिंग प्रणाली के दम पर जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज होगी। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में ये बात कही।

मूडीज ने बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) में कुछ दबाव देखने को मिल सकता है। इसके बावजूद, बैंकों के पास ऋण नुकसान को झेलने के लिए पर्याप्त भंडार है। मजबूत व्यापक आर्थिक परिस्थितियों और संरचनात्मक सुधारों के समर्थन से 2026 में बैंकों के लिए परिचालन माहौल मजबूत रहेगा। 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी दर 6.4% रहेगी जो मजबूत घरेलू खपत एवं नीतिगत उपायों से सबसे तेज होगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सितंबर 2025 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का युक्तिकरण और इससे पहले व्यक्तिगत आयकर की सीमा बढ़ाए जाने से उपभोक्ताओं की वहन क्षमता सुधरेगी एवं खपत आधारित वृद्धि को समर्थन मिलेगा। 2026-27 के लिए मूडीज का यह अनुमान वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में जताई गई 6.8-7.2 प्रतिशत की सीमा से कम है।

2025-26 में वृद्धि दर 7.4% रहने की संभावना

आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की वृद्धि दर 7.4% रहने की संभावना है जो 2024-25 में दर्ज 6.5% से अधिक है। मूडीज ने कहा कि मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने और वृद्धि की गति मजबूत बने रहने से वह उम्मीद करता है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 2026-27 में मौद्रिक नीति में और ढील तभी देगा, जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती के संकेत मिलेंगे। आरबीआई ने 2025 में अपनी नीतिगत दर में 1.25% की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया है। मूडीज के अनुसार, समूची बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में मामूली बढ़कर 11-13% रह सकती है जो 2025-26 में अब तक 10.6% रही है।

पीएसबी का लाभ 18% बढ़कर 52,603 करोड़

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 52,603 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभ कमाया है। यह सालाना आधार पर 18% की वृद्धि है।

- एसबीआई का 52,603 करोड़ के लाभ में 40% का योगदान

सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर 2024-25 की दिसंबर तिमाही में 44,473 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के मुकाबले लाभ में कुल मिलाकर 8,130 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। एसबीआई ने अकेले 52,603 करोड़ के कुल लाभ में 40% का योगदान दिया। स्टेट बैंक का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 21,028 करोड़ रुपये रहा।

भारत-अमेरिका समझौते से सेंसेक्स 485 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

- बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में लिवाली से बाजार को मिला समर्थन

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उत्साह और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में जोरदार लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 734.28 अंक चढ़ा था। वहीं, एनएसई निफ्टी 173.60 अंक बढ़कर 25,867.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, इटर्नल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, सन फार्मा और एशियन पेंट्स में तेजी हुई। पावरग्रिड, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई, इन्फोसिस, एचडीएफसी, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 2.31 और मिडकैप 1.27 प्रतिशत चढ़ा। क्षेत्रवार सूचकांकों में पीएसयू बैंक सबसे अधिक 2.83 प्रतिशत चढ़ा।

आयकर कानून का नया नियम अनुपालन बोझ को करेगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

- मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किए जाने की उम्मीद, नियमों की संख्या 35% घटाकर की 333, फॉर्म संख्या में 50% की कटौती

नये आयकर कानून के लिए जारी नियमों का मसौदा एवं फॉर्म को काफी सरल बनाया गया है। इसमें नियमों की संख्या 35 प्रतिशत घटाकर 333 कर दी गई है जबकि फॉर्म की संख्या में 50%से अधिक की कटौती की गई है। इस पहल का मकसद करदाताओं के लिए प्रावधानों को सरल बनाना, अनुपालन बोझ को कम करना और व्यवस्था को करदाताओं के अनुकूल बनाना है।

आयकर विभाग के सूत्रों ने कहा कि नये मसौदा नियम और फॉर्म पर लोगों के सुझाव आने के बाद इसे मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कर विभाग ने बीते सप्ताह शनिवार को नये आयकर कानून, 2025 के तहत नियमों का मसौदा एवं फॉर्म जारी किये थे। आयकर विभाग ने 22 फरवरी तक आयकर नियम, 2026 के मसौदा नियम और फॉर्म पर संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं। नया आयकर कानून, 2025 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

नकद जमा में पैन के उल्लेख को लेन-देन सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव

- सीबीडीसी को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर किया शामिल

नई दिल्ली। आयकर नियम के मसौदे में बैंकों में नकद जमा/निकासी, गाड़ी व संपत्ति खरीदने और होटल बिल भुगतान के लिए पैन का उल्लेख करने को लेकर लेन-देन सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है। मसौदे में नियोक्ताओं द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने और क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कर विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है। इसमें केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर भी शामिल किया गया है। मसौदा नियम में आवास किराया भत्ते का दावा करने के मकसद से बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद के लिए श्रेणी-1 सूची का विस्तार किया गया है।

आईओसी और एचपीसीएल ने वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने संयुक्त रूप से वेनेजुएला से 20 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद की है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में वेनेजुएला के तेल की आपूर्ति दोबारा शुरू होने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों द्वारा किया गया यह दूसरा बड़ा सौदा है।

सूत्रों ने बताया कि दोनों कंपनियों ने अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में आपूर्ति के लिए ट्रैफिगुरा से 20 लाख बैरल मेरे कच्चा तेल खरीदा है। इसमें से 15 लाख बैरल तेल ओडिशा में आईओसी की पारादीप तेल रिफाइनरी को और शेष 5,00,000 बैरल तेल आंध्र प्रदेश में एचपीसीएल की विशाखापत्तनम इकाई को दिया जाएगा। वेनेजुएला के कच्चे तेल के लिए यह दूसरा सौदा है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अप्रैल में आपूर्ति के लिए विटोल से 20 लाख बैरल तेल खरीदा था। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत ने अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लागू होने के बाद वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद रोक दी थी। अब अमेरिका द्वारा विटोल और ट्रैफिगुरा को वेनेजुएला का तेल बेचने का लाइसेंस दिए जाने के बाद आयात फिर से शुरू हो गया है। यह घटनाक्रम वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंदी बनाए जाने और वहां के ऊर्जा उद्योग पर अमेरिका के बढ़ते नियंत्रण के बीच हुआ है।

नो-कॉस्ट ईएमआई के पीछे का खेल नहीं समझेंगे तो होगा भारी नुकसान

नो-कॉस्ट ईएमआई भारत के ऑनलाइन और ऑफलाइन रिटेल मार्केट में सबसे लोकप्रिय भुगतान विकल्प बन चुका है। इलेक्ट्रानिक उपकरण से लेकर महंगे घरेलू सामान तक, हर जगह बिना ब्याज की किस्तों का आकर्षक दावा किया जाता है। आम ग्राहक इसे राहत भरा विकल्प मानता है, क्योंकि एकमुश्त बड़ी रकम नहीं चुकानी पड़ती है। लेकिन इस सुविधा के पीछे का गणित उतना सीधा नहीं है, जितना दिखता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के नाम पर मिलने वाली छूट कम हो जाती है, अतिरिक्त शुल्क जुड़ जाते हैं और कुल लागत बढ़ जाती है। सही जानकारी के बिना यह सुविधा फायदे से ज्यादा नुकसान का सौदा बन सकती है।

क्या यह वाकई फ्री होती है

नो-कॉस्ट ईएमआई का मतलब यह नहीं होता कि उस पर कोई ब्याज लगता ही नहीं। टैक्समैनेजर. इन के फाउंडर और सीईओ दीपक जैन के मुताबिक, ईएमआई पर लगने वाला ब्याज अक्सर किसी और तरीके से एडजस्ट किया जाता है। आमतौर पर यह रकम पहले से दिए जाने वाले डिस्काउंट में समाहित होती है या फिर सेलर और प्लेटफॉर्म वहन करते हैं। ग्राहक को अलग से ब्याज चुकाते हुए नहीं दिखता, लेकिन उसकी कीमत प्रोडक्ट की कुल डील में शामिल रहती है।

नो-कॉस्ट मॉडल कैसे करता है काम

ज्यादातर मामलों में बैंक ईएमआई पर सामान्य ब्याज दर लगाते हैं। फर्क बस इतना होता है कि वही ब्याज राशि एक डिस्काउंट के रूप में पहले ही घटा दी जाती है। कागजों पर ईएमआई बिना ब्याज की दिखती है, लेकिन वास्तविकता में ग्राहक उस छूट का लाभ खो देता है, जो फुल पेमेंट पर मिल सकता था। यहीं से नो-कॉस्ट ईएमआई का खेल शुरू होता है।

वो कीमत जो आपको दिखती नहीं

नो-कॉस्ट ईएमआई चुनते ही कई मंच तत्काल छूट, कैशबैक या फेस्टिव ऑफर हटा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, 50,000 के प्रोडक्ट पर फुल पेमेंट में 4,000 रुपये की छूट मिल रही है, तो ईएमआई चुनने पर वही छूट घटकर 2,500 रुपये हो सकती है। मासिक किस्तें भले ही आसान लगें, लेकिन कुल मिलाकर आप ज्यादा भुगतान कर रहे होते हैं।

बाद में सामने आने वाले चार्ज

बैंक ईएमआई कन्वर्जन पर प्रोसेसिंग फीस लेते हैं। ईएमआई के ब्याज वाले हिस्से पर जीएसटी भी लगाया जाता है। ये चार्ज अक्सर खरीदारी के समय साफ तौर पर नहीं दिखते और ग्राहक को पहली क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट आने पर उनका पता चलता है।

क्रेडिट प्रोफाइल पर असर

हर ईएमआई लोन होती है। एक साथ कई ईएमआई चल रही हों, तो कुल क्रेडिट एक्सपोजर बढ़ जाता है। इसका असर भविष्य में होम लोन, कार लोन या क्रेडिट लिमिट बढ़वाने के समय दिख सकता है। यही वजह है कि शॉर्ट-टर्म कंज्यूमर क्रेडिट पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता को लेकर आरबीआई चेतावनी देता रहता है।

लागत की तुलना करना जरूरी

अगर फुल पेमेंट पर कोई खास डिस्काउंट नहीं मिल रहा, प्रोसेसिंग फीस कम है और ईएमआई से आपका कैश फ्लो बेहतर तरीके से मैनेज हो रहा है, तो नो-कॉस्ट ईएमआई एक व्यवहारिक विकल्प हो सकती है। लेकिन फैसला लेने से पहले कुल लागत की तुलना करना बेहद जरूरी है।

सुविधा है, मुफ्त पैसा नहीं

नो-कॉस्ट ईएमआई कोई धोखा नहीं, लेकिन यह कोई ऑफर भी नहीं है। यह सिर्फ भुगतान को आसान बनाती है, सस्ता नहीं। खरीदारी से पहले शर्तों को ध्यान से पढ़ें, छूट और फीस का हिसाब लगाएं और तभी तय करें कि यह सौदा सच में आपके लिए फायदेमंद है या नहीं।

एमएसई के लिए गारंटीमुक्त ऋण की सीमा 20 लाख तक बढ़ी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए ऋण संबंधी निर्देशों में संशोधन की घोषणा की। छोटे व्यवसायों के लिए ऋण की पहुंच आसान बनाने के उद्देश्य से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए गारंटीमुक्त ऋण की अनिवार्य सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है।

- आरबीआई ने बैंकों को आदेश दिया कि ऋण के मामले में कोई गारंटी स्वीकार न करें

संशोधित दिशानिर्देशों में कहा गया कि बैंकों को आदेश दिया जाता है कि वे एमएसई क्षेत्र की इकाइयों को दिए जाने वाले 20 लाख तक के ऋण के मामले में कोई गारंटी स्वीकार न करें। साथ ही, बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत वित्तपोषित सभी इकाइयों को भी 20 लाख रुपये तक का बिना गारंटी वाला ऋण प्रदान करें। आरबीआई ने कहा कि बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार, एमएसई इकाइयों के पिछले बेहतर प्रदर्शन के आधार पर 25 लाख रुपये तक के ऋण के लिए सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक जहां भी लागू हो, क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएमई) के कवर का लाभ भी उठा सकते हैं। संशोधित निर्देशों में स्पष्ट है कि यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति बिना गारंटी वाली सीमा तक के ऋण के लिए मर्जी से सोना या चांदी गिरवी रखता है, तो इसे उपरोक्त नियमों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। आरबीआई ने कहा कि इसका उद्देश्य उन सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण वितरण की अंतिम कड़ी को मजबूत करना है।

श्रम कानून

श्रम मंत्रालय से जारी बयान में नोएडा स्थित वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान के सर्वेक्षण का दिया हवाला

ज्यादातर श्रमिकों को उम्मीद, नई श्रम संहिताओं से बेहतर होंगी कार्य स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में चार नई श्रम संहिताओं के लागू होने से कार्यबल को मजबूत संरक्षण, नियमों के सरल अनुपालन और कामकाज की बेहतर स्थितियां मिलने की उम्मीद है। सर्वेक्षण के अनुसार, करीब 60 प्रतिशत श्रमिकों का मानना है कि इन नई संहिताओं के लागू होने से उनकी कार्य स्थितियों में समग्र सुधार होगा। श्रम मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में नोएडा स्थित वी वी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान (वीवीजीएनएलआई) के सर्वेक्षण के हवाले से यह जानकारी दी गई। यह संस्थान श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है।

केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष 21 नवंबर को चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया था और 31 दिसंबर, 2025 को नियमों के मसौदे पर सुझाव मांगे थे। सरकार का इरादा एक अप्रैल, 2026 से इन चारों संहिताओं को पूरी तरह प्रभावी बनाने का है। मंत्रालय के अनुसार, श्रम संहिताओं का कार्यान्वयनः धारणा आधारित विश्लेषण शीर्षक वाले इस अध्ययन से पता चलता है कि इन सुधारों को लेकर श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास और सकारात्मकता बढ़ी है। सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्षों के अनुसार, 63% श्रमिकों को काम के घंटों के बेहतर नियमन और 60% को अवकाश के प्रावधानों में सुधार की उम्मीद है। 66% श्रमिकों का मानना है कि सुरक्षा और परिवहन से जुड़ी अनिवार्यताओं से महिला कर्मचारियों को बेहतर संरक्षण मिलेगा। आय सुरक्षा के मोर्चे पर, 64% श्रमिकों को वेतन में पारदर्शिता और 54% को समय पर भुगतान की उम्मीद है। सामाजिक सुरक्षा के संबंध में, 68% श्रमिकों ने ई-श्रम और कल्याण बोर्ड के माध्यम से सुविधाओं तक आसान पहुंच की सराहना की है।

कार्यबल का लचीलापन कारोबार के लिए महत्वपूर्ण

63% श्रमिकों का मानना है कि नई संहिताओं से अनुबंध, प्रवासी और गिग या अस्थायी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाना और भी आसान हो जाएगा। 76% नियोक्ताओं ने कार्यबल के लचीलेपन को कारोबार के लिए महत्वपूर्ण माना है। नियोक्ताओं के दृष्टिकोण से, करीब 64% का मानना है कि निश्चित अवधि का रोजगार उनके कारोबारी मॉडल के लिए उपयुक्त है। 64% को उम्मीद है कि वेतन भुगतान के समयबद्ध नियम कार्यस्थल पर अनुशासन को बढ़ावा देंगे। 73% ने लंबी अवधि में नियमों के अनुपालन के सरल होने का अनुमान जताया है, जबकि 62% इस बात पर सहमत हैं कि नई व्यवस्था से श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा। 73% का मानना है कि नई संहिताओं से नियमों के अनुपालन की जटिलताएं कम होंगी और प्रक्रिया सरल हो जाएगी। यह शोध कुल 6,435 लोगों के नमूने (सैंपल) पर आधारित है, जिसमें 5,720 श्रमिक और 715 नियोक्ता शामिल थे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि ये निष्कर्ष श्रम संहिताओं के उस उद्देश्य को रेखांकित करते हैं, जिसका लक्ष्य सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक कार्य और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

गुटखा-तंबाकू निर्माताओं को हाईकोर्ट से मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मशीन के वीडियो फुटेज न देने पर जीएसटी विभाग को कार्रवाई न करने के निर्देश
- दो कंपनियों के मामले में आदेश दिए जाने से दूसरे निर्माताओं के लिए खुला रास्ता

अमृच विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुटखा व तंबाकू निर्माताओं द्वारा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज न दिए जाने पर भी उनके खिलाफ जीएसटी विभाग को कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश दो कंपनियों के न्यायालय में जाने के बाद जारी किया गया है। इस आदेश ने अन्य निर्माताओं के भी कोर्ट जाने और वहां से राहत लेने का रास्ता खोल दिया है।

एक फरवरी से जीएसटी विभाग ने एमआरपी पर 40% टैक्स का निर्णय जारी किया है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर भी मशीनों की संख्या, उनकी पाउच पैकिंग की रफ्तार, वजन, उसके मूल्य पर लगाने के आदेश दिए हैं। साथ ही ढाई ग्राम वजन वाले मशीन की 500 पाउच पैकिंग प्रति मिनट की रफ्तार है, तो उस पर एक करोड़ एक लाख प्रति माह उपकर अदा करना होगा। यदि पाउच का वजन ढाई ग्राम से ज्यादा व 10 ग्राम तक है, तो उपकर तीन करोड 64 लाख प्रति माह होगा। वहीं अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी पाउच की एमआरपी और मशीन की पैकिंग करने की रफ्तार पर देनी होगी। दो रुपये के पाउच पर प्रति मिनट 500 पाउच पैक करने वाली मशीन पर 83 लाख अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी देनी होगी।

यदि पैकिंग की रफ्तार 500 पाउच से 1,000 पाउच प्रति मिनट है, तो 1 करोड़ 66 लाख अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी देनी होगी। यदि तंबाकू के पाउच का मूल्य दो रुपये से अधिक है तो खुदरा मूल्य से 38 लाख रुपये देने होंगे। साथ ही हर मशीन पर वीडियो कैमरा लगाने को कहा गया है, जिसके फुटेज अगर अधिकारी मांगते हैं तो उन्हें 48 घंटे के अंदर देने होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल: जेन जी आंदोलन के जांच आयोग का कार्यकाल फिर बढ़ा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने पिछले साल जेन जी विरोध प्रदर्शन के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग की जांच के लिए गठित आयोग का कार्यकाल सोमवार को 25 दिनों के लिए और बढ़ा दिया। यह तीसरी बार है जब जांच आयोग की समय सीमा बढ़ाई गई है। आयोग के प्रवक्ता एवं सदस्य विज्ञान राज शर्मा ने कहा कि मंत्रिपरिषद की एक बैठक में समय सीमा 11 मार्च तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। आयोग का कार्यकाल बुधवार यानी 11 फरवरी को समाप्त हो रहा था। पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व में तीन-सदस्यीय जांच आयोग का गठन पिछले साल सितंबर में किया गया था।

ईशनिंदा : पाकिस्तान में पूर्व सैन्य अधिकारी की मौत की सजा रद्द

लाहौर। लाहौर उच्च न्यायालय ने ईशनिंदा के मामले में एक पूर्व सैन्य अधिकारी को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को रद्द करते हुए सबूतों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया है। एक सत्र न्यायालय ने पिछले साल पंजाब सूबे की राजधानी लाहौर से लगभग 250 किलोमीटर दूर रावलपिंडी शहर में पैगंबर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कर्नल (सेवानिवृत्त) मुहम्मद आरिफ को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी। इस मामले में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान नामक कट्टरपंथी इस्लामी संस्थान के एक कार्यकर्ता ने शिकायत की थी। हाल ही में शहबाज शरीफ सरकार ने इस संगठन को प्रतिबंधित किया है।

टोरंटो में भारतीय कनाडाई व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

ओटावा। कनाडा के टोरंटो में एक व्यस्त शॉपिंग सेंटर के पार्किंग स्थल में अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में 37 वर्षीय एक भारतीय-कनाडाई व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस संबंध में रविवार को जारी एक बयान में टोरंटो पुलिस ने मृतक की पहचान ब्रैम्पटन निवासी चंदन कुमार राजा नंदकुमार के रूप में की है। बयान के अनुसार, शनिवार को दोपहर लगभग 3:31 बजे पुलिस को रेक्सडेल बुलेवार्ड और राजमार्ग 27 पर स्थित वुडबाइन शॉपिंग सेंटर के पार्किंग स्थल में गोलीबारी की सूचना मिली।

एप्स्टीन से संबंधों के खुलासे के बाद जॉर्डन में नॉर्वे की राजदूत का इस्तीफा

ओस्लो, एजेंसी

- इस्तीफा देने के बाद भी जूल के खिलाफ जांच कराएगी सरकार

नॉर्वे की जॉर्डन में राजदूत तथा इराक के लिए भी मान्यता प्राप्त मोना जूल ने अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन के साथ संपर्कों से जुड़े खुलासों के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ आइडे ने जूल के इस्तीफे को सही और आवश्यक बताते हुए कहा कि दोषसिद्ध यौन अपराधी के साथ उनका संपर्क गंभीर निर्णयात्मक चूक को दर्शाता है और इससे इस पद के लिए आवश्यक भरोसे के स्तर को बहाल करना कठिन हो गया था। मंत्रालय के अनुसार, जूल को पिछले सप्ताह उनके कार्य दायित्वों से मुक्त कर दिया गया था, जबकि मंत्रालय उनके एप्स्टीन से संबंधों और संपर्कों की समीक्षा कर रहा था।

मंत्रालय ने कहा कि जूल के इस्तीफे के बाद भी आंतरिक जांच जारी रहेगी, जिसमें सेवा के दौरान और सेवा से बाहर राज्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर लागू नियमों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मंत्रालय ने यह भी बताया कि उसने उस अवधि के दौरान अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान को दिए गए अनुदानों और उससे हुए संपर्कों की समीक्षा शुरू की है, जब जूल के पति टेर्जे रोड-लार्सन इस संस्था के प्रमुख थे।

तेल आयात: भारत के लाभ और हानि

कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति का परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसमें एक तरफ अमेरिका अपनी तेल उत्पादन क्षमता के कारण दुनिया का नेतृत्व कर रहा है, दूसरी तरफ ओपेक प्लस देशों की बाजार हिस्सेदारी कम हो रही है। भारत के लिए यह स्थिति रणनीतिक बदलावों की है, जिसमें वह रूस पर निर्भरता कम करते हुए अमेरिका और दूसरे देशों से आयात बढ़ाकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा के उपाय कर रहा है। तेल आयात का मुद्दा चूंकि सिर्फ अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि भू रणनीतिक मुद्दों से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए कई नई तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। पिछले कुछ सालों में अमेरिका रूस और सऊदी अरब को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश भी बन चुका है। इसी के साथ उसने वैश्विक आपूर्ति की गति को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है जो अलग किस्म की चुनौती है।

रूस बनाम अमेरिका

बदलता वैश्विक परिदृश्य

- वर्तमान वैश्विक तेल बाजार में मांग से अधिक आपूर्ति होने की संभावना है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार 2026 में वैश्विक तेल आपूर्ति मांग से लगभग 3.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन अधिक हो सकती है।
- ओपेक प्लस की बाजार हिस्सेदारी 2016 में 53% थी जो 2025 और 2026 में गिरकर 46% होने का अनुमान है। यह रूस और वेनेजुएला जैसे देशों पर प्रतिबंधों और अमेरिका के बढ़ते उत्पादन के कारण है।

भारत के लिए बदलती स्थितियां

- अमेरिका से व्यापार समझौते के बाद भारत ने रूसी तेल के आयात में कटौती शुरू कर 50% तक कम कर दिया है।
- भारत ने पांच वर्षों में अमेरिका से 500 बिलियन डॉलर मूल्य के ऊर्जा व तकनीकी उत्पाद खरीदने की योजना बनाई है।
- भारत अब नाइजीरिया, अंगोला और वेनेजुएला जैसे देशों से भी तेल आयात कर रहा है। इससे तेल आयात बिल बढ़ेगा।

दुनिया पर हावी अमेरिका

- अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर वैश्विक आपूर्ति की गति को नियंत्रित कर रहा है।
- अमेरिका ने 2024 में 13.2 मिलियन बीपीडी औसत उत्पादन किया, अब 13.6 मिलियन उत्पादन का अनुमान।
- अमेरिका कोटा से बंधा नहीं है, 2015 से 2024 के बीच वैश्विक आपूर्ति में वृद्धि का 90% अकेले पूरा किया है।
- ऊर्जा बाजारों को प्रभावित कर रहा है। भारत पर रूसी तेल खरीदने पर 25% अतिरिक्त टैरिफ उदाहरण।

रूस से आयात न करने का असर

- अनुमान के अनुसार रूस से आयात बंद करने पर भारत का वार्षिक तेल आयात बिल 9 बिलियन से 11 बिलियन डॉलर तक बढ़ सकता है।
- अमेरिका या लैटिन अमेरिका से तेल मंगाना महंगा है। अमेरिकी खाड़ी तट से भारत तक तेल पहुंचने में 54 दिन लगते हैं, रूस से केवल 36 दिन।
- भारतीय रिफाइनरी रूस के मीडियम-सोर तेल को प्रोसेस करने के लिए अनुकूल हैं। अमेरिकी तेल के लिए सेटिंग्स बदलना महंगा पड़ेगा।

रणनीतिक चुनौती

- रूस से तेल बंद करना भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के लिए चुनौती माना जा सकता है। अमेरिका के दबाव में आने का संकेत दुनिया में जाने का खतरा।
- रूस भारत का पुराना रक्षा और कूटनीतिक साझेदार है। तेल आयात बंद करने से इन दोनों क्षेत्रों में तनाव पैदा हो सकता है।

वैश्विक प्रभाव

- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, रूसी तेल आयात बंद करने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं।

सेंगर की याचिका पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने का निर्देश

दिल्ली हाईकोर्ट को तीन महीने में अपील का निस्तारण करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट को उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में भाजपा के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली याचिका पर निर्धारित तारीख से पहले सुनवाई करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि इस पर तीन महीने के भीतर फैसला सुनाया जाना चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने हाईकोर्ट के 19 जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली सेंगर की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। पीठ ने कहा कि यदि पीड़ित परिवार की ओर से दायर की गई कोई अपील हो तो उस पर भी सेंगर की याचिका के साथ हाईकोर्ट को सुनवाई करनी चाहिए। पीठ सेंगर की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें 10 साल की सजा को निलंबित करने से इन्कार कर दिया गया था। सीजेआई ने पीड़ित के वकील की ओर से मीडिया में बयान देने पर नाराजगी जताई। कहा, हम किसी अलग-थलग जगह पर नहीं बैठे हैं। हम जानते हैं कि बाहर 'मीडिया ट्रायल' चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह अदालत के बाहर किसी भी तरह की समानांतर सुनवाई को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत बढ़ाने की सेंगर की भाई की याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सेंगर के भाई की उस याचिका पर सोमवार को सीबीआई से जवाब तलब किया, जिसमें उसने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में अंतरिम जमानत तीन महीने और बढ़ाने का अनुरोध किया है। जयदीप सेंगर के वकील ने कहा कि अंतरिम जमानत की अवधि 11 फरवरी को समाप्त हो रही है और याचिकाकर्ता मुंह के कैंसर से पीड़ित होने के कारण जमानत बढ़ाने का अनुरोध करता है। जयदीप को एक निचली अदालत ने मामले में 10 साल की सजा सुनाई थी।

वांगचुक की हिरासत की समीक्षा में अभी कोई प्रगति नहीं... केंद्र ने कोर्ट से कहा

नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि सोनम वांगचुक की हालत बिल्कुल ठीक है और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें एम्स जोधपुर से सर्वोत्तम उपचार मिल रहा है। केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ को यह भी बताया कि वांगचुक की हिरासत की समीक्षा के संबंध में अभी कोई प्रगति नहीं हुई है। न्यायमूर्ति वराले ने कहा कि पिछली बार भी यही दलील दी गई थी। उन्होंने कहा, समस्याएं हैं और इससे आप भी इन्कार नहीं कर रहे हैं। डॉक्टर का भी कहना है कि समस्या है और इलाज चल रहा है। इस पर नटराज ने कहा, वह पूरी तरह स्वस्थ हैं, जयपुर इलाज के लिए लद्दाख से बेहतर जगह है। इस पर न्यायमूर्ति वराले ने कहा, आप ऐसा नहीं कह सकते। पीठ ने वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें रासुका 1980 के तहत उनकी हिरासत को अवैध घोषित करने की मांग की गई है। पीठ ने स्पष्ट किया कि आगे कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा।

वेस्ट बैंक पर अपना नियंत्रण और मजबूत करेगा इजराइल

यरुशलम। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने वेस्ट बैंक पर अपना नियंत्रण मजबूत करने और फलस्तीनी प्राधिकरण की पहले से ही सीमित शक्तियों को कमजोर करने वाले कदमों को मंजूरी दी। दक्षिणपंथी वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के कार्यालय ने कहा कि ऐसे फैसले लिए गए हैं जिनसे यहूदी बस्तियों के लिए फिलिस्तीनियों को जमीन छोड़ने के लिए मजबूर करना आसान हो जाएगा।

उसने एक बयान में कहा, हम फिलिस्तीनी राष्ट्र के विचार को खत्म करना जारी रखेंगे। निगरानी समूह ''पीस नाउ'' के शोधकर्ता योनातन मिजराची ने कहा कि इस फैसले को लागू करने के लिए ''वेस्ट बैंक'' के लिए इजराइल के शीर्ष कमांडर की मंजूरी की आवश्यकता है। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने एक बयान में इस फैसले को खतरनाक और बस्ती विस्तार एवं भूमि अधिग्रहण को वैध बनाने का इजराइल का खुला प्रयास करार दिया। उन्होंने अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया।

भारत ने सेशेल्स को 17.5 करोड़ डॉलर का आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी ने कहा- विश्वास की साझा दृष्टि से जुड़े हैं भारत व सेशेल्स

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ व्यापक बातचीत की जिसके बाद भारत ने सोमवार को इस द्वीप राष्ट्र को विकास सहायता के रूप में 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की। दोनों पक्षों ने सतत विकास, व्यापार, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक व्यापक दृष्टिपत्र पर भी सहमति व्यक्त की।

हर्मिनी भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आए हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में सेशेल्स भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी देश है। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, भारत और सेशेल्स केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं बल्कि इतिहास, विश्वास और भविष्य के लिए साझा दृष्टि से भी जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों की मजबूत आधारशिला रही है। उन्होंने कहा, हमारे सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए, आज हम 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एक विशेष आर्थिक पैकेज घोषित करने जा रहे हैं।

मोदी ने कहा कि यह पैकेज ठोस परियोजनाओं को समर्थन देगा, जो सामाजिक आवास, परिवहन सुविधा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में लागू की जाएंगी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में दोनों देशों के लोगों के बीच परस्पर संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, भारत-सेशेल्स संबंधों की सबसे बड़ी ताकत हमारे लोगों के बीच के संबंध हैं।

हांगकांग के पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को 20 वर्ष कारावास

हांगकांग। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज एवं चीन के मुखर आलोचक जिमी लाई को सोमवार को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। लाई को चीन की ओर से लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराया गया था। यह इस कानून के तहत अब तक दी गई सबसे लंबी सजा है। इस कानून ने हांगकांग में असंतोष की आवाजों को लगभग पूरी तरह दबा दिया है।

लाई के खिलाफ मुकदमे को व्यापक पैमाने पर हांगकांग में प्रेस की स्वतंत्रता के पतन के एक संकेत के रूप में देखा गया है। उन पर ''एप्पल डेली'' के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ मिलकर, हांगकांग या चीन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने या उनके विरुद्ध अन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल होने का विदेशी ताकतों से आग्रह करने का आरोप लगाया गया है। अब बंद हो चुके 'एप्पल डेली' अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में अधिकतम आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती थी। लाई को इस मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है। लाई के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। उनके सह-आरोपियों को छह साल तीन महीने से लेकर 10 साल कारावास तक की जेल की सजा मिली है।

- प्रेस की स्वतंत्रता का पतन, चीन के मुखर आलोचक रहे हैं लाई

सजा सुनाए जाने के समय लाई मुस्कुराए और समर्थकों की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन किया। जब उनसे पूछा गया कि वह इस फैसले को चुनौती देंगे तो उनके वकील ने कहा कि वे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। लाई के खिलाफ कार्रवाई की कुछ विदेशी सरकारों ने आलोचना की है। लाई को सजा सुनाने से चीन और विदेशी सरकारों के बीच तनाव पैदा हो सकता है। लाई की दोषसिद्धि की अमेरिका और ब्रिटेन ने आलोचना की थी।

वेनेजुएला में जेल से रिहा होते ही मचाडो के करीबी सहयोगी पाब्लो का अपहरण

काराकस। वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा है कि उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक जुआन पाब्लो गुआनिपा का जेल से रिहा होने के कुछ ही घंटों बाद अपहरण कर लिया गया है। सरकार ने राजनीतिक रूप से प्रेरित लंबी हिरासत के बाद रविवार को कई विपक्षी सदस्य रिहा किए थे, जिनमें गुआनिपा भी शामिल थे।

मचाडो ने सोशल मीडिया पर बताया कि गुआनिपा का मध्यरात्रि राजधानी काराकस से अपहरण कर लिया गया। चार वाहनों में आए भारी हथियारबंद पुरुषों ने उन्हें हिंसक तरीके से अगवा कर लिया। विपक्षी नेताओं की रिहाई ऐसे समय में हुई है जब कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर उन सैकड़ों लोगों को रिहा करने का दबाव बढ़ रहा है जिनकी गिरफ्तारी महीनों या वर्षों पहले उनकी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी हुई थी।

ईरान में अब सुधारवादी आंदोलन से जुड़ी हस्तियों को हिरासत में लेने का अभियान

दुबई। ईरानी सुरक्षा बलों ने देश में जारी सुधारवादी आंदोलन से जुड़ी प्रमुख हस्तियों को हिरासत में लेने के लिए अभियान शुरू कर किया। सुरक्षा बलों के इस कदम से दमनकारी कार्रवाई और भी तेज हो गई है।

इससे पहले अधिकारियों ने हिंसा के जरिए देशव्यापी प्रदर्शनों को दबा दिया था। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोग मारे गए थे और हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया था। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार कर सात साल से अधिक जेल की एक और सजा सुनाई गई है। ईरान सरकार अशांति के खिलाफ बगावत करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को चुप करा रही है क्योंकि ईरान, अमेरिका के साथ नई परमाणु वार्ता का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार चेतावनी दी है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो वह देश पर हमला कर सकते हैं।

नाइजीरिया में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होने से 30 लोगों की जान गई

कानो। उत्तरी नाइजीरिया में एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से 30 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

कानो के गवर्नर कार्यालय के बयान के अनुसार, लापरवाही से वाहन चला रहे ट्रक चालक ने कानो के गेजावा स्थानीय सरकारी क्षेत्र के क्वानार बार्डे कस्बे में एक राजमार्ग पर ट्रक ने नियंत्रण खो दिया जिससे 30 लोगों की मौत हो गई। ट्रक रविवार तड़के कानो के गुजुंगु कस्बे की ओर कुछ यात्रियों को ले जा रहा था तभी दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गवर्नर के प्रवक्ता के अनुसार गंभीर घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

थाईलैंड : अनुतिन चर्नविराकुल ने किया चुनाव जीतने का एलान

बैंकॉक। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री और भुमजैथाई पार्टी के नेता अनुतिन चर्नविराकुल ने कहा है कि उनकी पार्टी ने संसदीय चुनाव जीत लिए हैं।

चर्नविराकुल ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा करते हुए कहा कि यह पूरे देश की जीत है। चुनाव आयोग की ओर से 87 प्रतिशत बैलेट गिने जाने तक भुमजैथाई पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया। पीपुल्स पार्टी दूसरे और फ्यू थाई पार्टी तीसरे स्थान पर रही। इससे पूर्व, पीपल्स पार्टी के नेता नत्ताफोंग रुंगपान्यावुत ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उनकी पार्टी नतीजों को स्वीकार करती है।

बच्चों के यौन शोषण पर घिरा मेटा, अमेरिका में शुरू हुई सुनवाई

सांता फे, एजेंसी

- बच्चों के यौन शोषण के खतरों के बारे में भ्रामक जानकारी देने का है आरोप

मेटा के खिलाफ, सोशल मीडिया पर बच्चों के यौन शोषण के खतरों और अपने प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर भ्रामक जानकारी देने के आरोपों से जुड़े मुकदमे की सुनवाई न्यू मैक्सिको में सोमवार से शुरू हो गई। यह बच्चों को होने वाले नुकसान को लेकर मेटा समेत प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ दायर मुकदमों की श्रृंखला में पहली स्वतंत्र सुनवाई है।

सुनवाई के दौरान ऑनलाइन मौजूद आपत्तिजनक सामग्री और उसके प्रभावों पर विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज़ ने वर्ष 2023 में मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। मुकदमे में कहा गया है कि मेटा जानबूझकर बच्चों को यौन शोषण और मानसिक स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान के दोहरे खतरों के सामने उजागर करता है और इसका उद्देश्य मुनाफा कमाना है। मेटा ने सभी आरोपों से इन्कार करते हुए कहा है कि अभियोजन पक्ष चुनिंदा सबूतों के जरिए सनसनीखेज दलीलें पेश कर रहा है। मेटा ने जांच को संदिग्ध बताते हुए आरोप लगाया कि फर्जी खातों में बच्चों की तस्वीरों का इस्तेमाल कर और जांच से जुड़ा डेटा नष्ट किया गया।

मेटा ने यह भी कहा कि वह लंबे समय से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उसने कई सुरक्षा फीचर विकसित किए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग इस मुकदमे में गवाही देंगे या नहीं।

यौन अपराधियों के अनुकूल माहौल बनाने का है आरोप

अभियोजन पक्ष का कहना है कि जांच के दौरान अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर बच्चों के रूप में फर्जी खाते बनाकर यह दर्ज किया कि किस तरह यौन प्रस्ताव भेजे गए और उन पर मेटा ने कैसी प्रतिक्रिया दी। मेटा फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का स्वामी है। अभियोजकों का आरोप है कि मेटा के एल्गोरिद्म और अकाउंट फीचर युवाओं को सोशल मीडिया की ओर आकर्षित करते हैं और बच्चों का यौन शोषण करने वाले अपराधियों के लिए अनुकूल माहौल बनाते हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 10 फरवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 07.27 तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

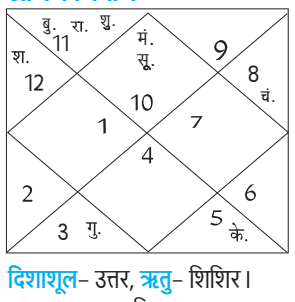

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- विशाखा 07.55 तत्पश्चात अनुराधा।

मेष - आज आप धर्म-कर्म में अत्यधिक व्यस्त रहने वाले हैं। किन्तु कई बातों को लेकर क्रुद्ध हो सकते हैं। अपना मन शान्त रखें तथा अच्छी संगत में रहें। अचल संपत्ति के विवाद शांत होंगे। कमर में दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष - आज आय की दृष्टि से दिन बहुत ही उत्तम है। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। जल का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। सेहत की समस्या दूर होगी। व्यवसाय में बड़े अनुबंध मिलने की संभावना बन रही है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में मन लगाना चाहिए।

मिथुन - आज बच्चों के ऊपर आप क्रोधित हो सकते हैं। आज प्रेमीजन से बहसबाजी हो सकती है। लेन-देन के मामलों में सावधानी रखें। शेयर मार्केट में कार्य कर रहे लोगों को लाभ मिलेगा। मन आज थोड़ा व्यथित रहेगा।

कर्क - आज कार्यक्षेत्र में लोगों से बहुत अधिक अपेक्षा न करें। अपनी इच्छानुसार कार्य होने से मन संतुष्ट रहेगा। परिजनों के लिए कुछ उपहार खरीद सकते हैं। जीवनसाथी से झगड़ा हो सकता है। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह - आज मन में कुछ नया और प्रयोगवादी करने की इच्छा होगी। रुके हुये बहुत से काम आसानी से हो जायेंगे। पिता के साथ आवश्यक विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। व्यापार में कुछ नया करने का विचार जन्म ले सकता है। अधिकारी आपके ऊपर कुछ अधिक निर्भर रहेंगे।

कन्या - आज आप अपने जीवनसाथी से मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार को लेकर आप थोड़े तनाव में हो सकते हैं। नींद में बाधा उत्पन्न हो सकती है। योग और प्राणायाम को अपनी जीवनशैली का अंग बनायें। निजी जीवन में परेशानियों का अनुभव करेंगे।

तुला - आज आपका मानसिक तनाव पहले से काफी कम होगा। रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। सभी कार्य समय पर हो जायेंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलेंगे। शाम के समय आपको कुछ शुभ समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक - आज अपनी जीवनशैली में परिवर्तन न करें। दिन का शुरुआती भाग आपके लिए अत्यन्त सुखद रहेगा। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। जीवनसाथी को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

धनु - आज कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी। योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली परेशानी दूर होगी। आप जितनी मेहनत करेंगे उसका परिणाम आपको तुरंत प्राप्त होगा। नए भावनात्मक रिश्तों की शुरुआत हो सकती है। आपको मित्रों से भरपूर सहयोग मिलेगा।

मकर - आज आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से आप संतुष्ट रहेंगे। रुका हुआ धन अवश्य वापस मिल सकता है। युवा अपने करियर को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आज आप अपने काम का पूरी तरह से आनंद नहीं ले पायेंगे।

कुंभ - आज कार्यक्षेत्र में कुछ अनियमितता हो सकती है। पेट में गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार व तामसिक भोजन का सेवन न करें। प्रत्येक विषय पर आपको राय देने से बचना चाहिए। घर में आज अचानक मेहमान आ सकते हैं। जल्दबाजी में आपके काम बिगड़ सकते हैं।

मीन - आज स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आज सुबह आप किसी महत्वपूर्ण कार्य से यात्रा कर सकते हैं। लेकिन आज आपको यात्रा करने से बचना चाहिए। थकान और बुखार जैसी परेशानी हो सकती है। दोस्तों का व्यवहार आपको व्यथित कर सकता है।

सुडोकू-57

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				9		2	
2		7			3			
	5		1			7		4
		4			7		5	
	3						8	
	1		6			2		
5					1		3	
			2			5		
1			8				6	

सुडोकू - 56 का हल

2	5	6	3	1	9	8	4	7
4	9	8	7	5	2	6	3	1
7	3	1	4	6	8	5	9	2
3	2	7	5	9	4	1	6	8
1	8	4	6	3	7	9	2	5
5	6	9	8	2	1	4	7	5
9	1	5	2	7	6	3	8	4
6	4	2	1	8	3	7	5	9
8	7	3	9	4	5	2	1	6

अगर हम अपनी ताकत पर टिके रहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हम किसी पर भी दबाव डाल सकते हैं। बेशक हम जानते हैं कि इंग्लैंड के खिलाफ यह मुश्किल होगा। वे एक विश्व स्तरीय टीम हैं।
–रिची बेरिंगटन, स्कॉटलैंड के कप्तान

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
नामीबिया–नीदरलैंड्स	पूर्वाह्न 11 बजे
न्यूजीलैंड–यूएई	दोपहर 3 बजे
पाकिस्तान–अमेरिका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

अभ्यास सत्र के दौरान नीदरलैंड्स के माइकल लेविट। एजेंसी

नीदरलैंड्स का मैच नामीबिया से आज

नई दिल्ली/कोलंबो। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 मंगलवार को दो ग्रुप ए लीग मैचों के साथ जारी रहेगा। नीदरलैंड्स का मुकाबला सुबह नई दिल्ली में नामीबिया से होगा, जिसके बाद पाकिस्तान का मुकाबला शाम को कोलंबो में यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका से होगा। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में, नीदरलैंड्स टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेगा, जब वे नामीबिया से भिड़ेंगे। मैच सुबह 11:00 बजे शुरू होगा।

कर्नाटक रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल के 24वें प्रथम श्रेणी शतक की बदौलत कर्नाटक ने सोमवार को यहां 42 बार के चैंपियन मुंबई को चार विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राहुल ने 182 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 130 रन की पारी खेली जिससे कर्नाटक ने 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 325 रन बनाकर जीत दर्ज की। बेंगलुरु में अगले हफ्ते होने वाले सेमीफाइनल में कर्नाटक की भिड़ंत उत्तराखंड से होगी।

मनु को 25 मीटर पिस्टल में रजत पदक

नई दिल्ली। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया।

सुधीर ने किकबॉक्सिंग कप में जीता रजत

नई दिल्ली। भारतीय किकबॉक्सिंग के उभरते सितारे सुधीर सक्सेना ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाते हुए 5वीं इंडिया ओपन इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग कप में रजत पदक अपने नाम किया है। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 8 फरवरी, 2026 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम (के.डी. जाधव इंडोर हॉल) में वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा किया गया।

दक्षिण अफ्रीका ने एकतरफा मुकाबले में कनाडा को 57 रनों से परास्त किया

टी-20 विश्व कप : कप्तान एडेन मार्करम ने खेली आक्रामक अर्धशतकीय पारी

अहमदाबाद, एजेंसी

कप्तान एडेम मार्करम के शानदार अर्धशतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप ग्रुप डी के अपने पहले मैच में सोमवार को कनाडा को 57 रन से हराया।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 214 रन बनाए। मार्करम ने 32 गेंद में दस चौकों और एक छक्के की मदद से 59 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम आठ विकेट पर 156 रन ही बना सकी। नवनीत धालीवाल ने 64 रन बनाए। कनाडा की शुरुआत काफी खराब रही और पहली ही गेंद पर कप्तान दिलप्रीत बाजवा आउट हो गए।

लुंगी एनगिडि की गेंद पर विकेटकीपर क्विंटोन डिकॉक ने उनका कैच लपका। एनगिडि ने 31 रन देकर चार विकेट लिए। तीसरे ओवर में एनगिडि ने युवराज शर्मा और किर्टोन को आउट कर दिया। इस समय कनाडा का स्कोर तीन ओवर में तीन विकेट पर 26 रन था। धालीवाल और हर्ष ठाकेर (29 गेंद में 33) ने पांचवें विकेट के लिये 69 रन जोड़े लेकिन मार्को यानसेन ने 18वें ओवर में लगातार दो विकेट लेकर टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की पारी में माक्ररम ने दूसरे ओवर में डिलोन हेलाइगर को तीन चौके लगाए। क्विंटोन डि कॉक ने 22 गेंद में 25 रन बनाये और साद बिन जफर को लगातार दो चौके जड़े। दोनों ने पहले विकेट के लिये 6.5 ओवर में 70 रन की साझेदारी की और सभी गेंदबाजों को नसीहत दी। दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका डिकॉक के रूप में लगा जो कनाडा के कप्तान और दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज दिलप्रीत बाजवा का शिकार हुए। मार्करम ने बाजवा को चौका लगाकर सिर्फ 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं रियान रिकेलटन ने 21 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के के साथ 31 रन बनाए। मार्करम को बायें हाथ के स्पिनर अंश पटेल ने लांग आन पर हेलाइगर के हाथों लपकवाया। इसके बाद रिकेलटन भी पटेल की गेंद पर हर्ष ठाकेर को सीधा कैच देकर लौटे। डेवाल्ड ब्रेविस चार गेंद तक ही टिक सके और इसी ओवर में मिड आफ पर निकोलस किर्टोन को कैच देकर पवेलियन लौट गए। आखिर में अनुभवी डेविड मिलर ने 23 गेंद में नाबाद 39 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 19 गेंद में 34 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को बड़ा स्कोर दिया। दोनों ने 37 गेंद में 75 रन की अटूट साझेदारी की। कनाडा के अंश पटेल ने तीन विकेट चटकाए।

जीत के बाद कनाडा के कलीम सना से हाथ मिलाते दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

213/4 (20 ओवर)

मार्करम का हेलिंगर बो अंश	59
क्विंटोन डिकॉक बो बाजवा	25
रियान रिकेलटन का हर्ष बो अंश	33
डेवाल्ड ब्रेविस का किर्टोन बो अंश	06
डेविड मिलर नाबाद	39
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	34

गेंदबाजी : कलीम 4–0–38–0, हेलिंगर 1–0–13–0, साद 3–0–38–0, बाजवा 4–0–40–1, जसकरण 4–0–49–0, अंश 4–0–31–3

कनाडा

156/8 (20 ओवर)

दिलप्रीत का डिकॉक बो एनगिडि	00
युवराज का डिकॉक बो एनगिडि	12
नवनीत का स्टब्स बो बॉश	64
निकोलस का रबाडा बो एनगिडि	04
श्रेयस मोवा बो रबाडा	09
हर्ष ठाकेर का रबाडा बो एनगिडि	33
साद बिन का बॉश बो यानसेन	11
जसकरण का स्टब्स बो यानसेन	00
डिलोन हेलाइगर नाबाद	04
कलीम सना नाबाद	05

गेंदबाजी : एनगिडि 4–0–31–4, यानसेन 4–0–30 –2, रबाडा 4–0–40–1, बॉश 4–0–27–1, महाराज 4–0–28–0

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते स्कॉटलैंड के बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रनों से रौंदा

कोलकाता, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से के आक्रामक अर्धशतक और माइकल लीस्क के ऑलराउंड खेल से स्कॉटलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां इटली को 73 रन से रौंदकर पहली जीत दर्ज की।

स्कॉटलैंड के 208 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम ऑफ स्पिनर लीस्क (17 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने बेन मानेंती (52) के अर्धशतक और हैरी मानेंती (37) के साथ उनकी चौथे विकेट की 73 रन की साझेदारी के बावजूद 16.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई।

स्कॉटलैंड ने इससे पहले बाएं हाथ के बल्लेबाज मुन्से की 54 गेंद में दो छक्कों और 14 चौकों से 84 रन की पारी और माइकल जोन्स (37) के साथ पहले विकेट की उनकी 126 रन की साझेदारी से चार विकेट पर 207 रन बनाए और मौजूदा टूर्नामेंट में 200 रन के आंकड़े को पार करने वाली पहली टीम बनी। ब्रैंडन मैकमुलेन (नाबाद 41, 18 गेंद, चार छक्के) और लीस्क ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। लीस्क ने अंतिम ओवर में थॉमस ड्रेका पर दो छक्के और दो चौके से 22 रन जुटाए।

इटली को मैच की शुरुआत में ही झटका लगा जब चौथे ओवर में कप्तान वेन मेडसन के बाएं कंधे में चोट लगी और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। वह मैच में आगे हिस्सा नहीं ले पाए।

पाकिस्तान सरकार ने भारत से मैच बहिष्कार का फैसला वापिस लिया

इस्लामाबाद/ढाका, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा चूंकि पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश और श्रीलंका के समझाने के बाद इस मैच के बहिष्कार का फैसला वापिस ले लिया है और इसके साथ ही टूर्नामेंट में जारी गतिरोध भी खत्म हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच कोलंबो में 15 फरवरी को होना है।

पाकिस्तान सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा बहुपक्षीय बातचीत के नतीजों और दोस्त देशों के अनुरोध के बाद पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को निर्देश देती है कि वह 15 फरवरी 2026 को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का अपना निर्धारित मैच खेलने मैदान पर उतरे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने इससे पहले जारी एक बयान में पाकिस्तान से क्रिकेट के हित में यह मैच खेलने का अनुरोध किया था। इसके बाद ही स्पष्ट हो गया था कि पाकिस्तान यह मैच खेलेगा। पाकिस्तान सरकार के बयान में कहा गया यह फैसला क्रिकेट की भावना की रक्षा और सभी प्रतिभागी देशों में इस वैश्विक खेल की निरंतरता का समर्थन करने के मकसद से लिया गया है।

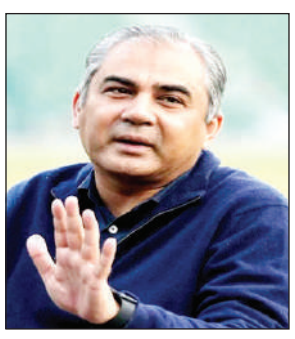

पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को श्रीलंका से राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का भी फोन आया था जिन्होंने उनसे बहिष्कार का फैसला वापिस लेने का अनुरोध किया था। इसमें कहा गया श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री से मौजूदा गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया था। सरकार का बयान आने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने शरीफ को आईसीसी से रविवार को हुई उनकी और इस्लाम की बातचीत का ब्यौरा दिया। नकवी ने इससे पहले कहा था कि अंतिम फैसला आने में एक दिन लगेगा।

- **टी-20 विश्व कप में 15 फरवरी को होगा मुकाबला**

उन्होंने कहा था बांग्लादेश सही था लिहाजा हमे उसका साथ देना ही था। भारत में सुरक्षा कारणों से खेलने से इनकार के बाद बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया गया था। बीसीबी प्रमुख इस्लाम ने ढाका में जारी बयान में पाकिस्तान को धन्यवाद दिया लेकिन यह भी कहा कि भारत के खिलाफ इस मैच को खेलना क्रिकेट के हित में है। उन्होंने एक बयान में कहा इस समय में बांग्लादेश के साथ खड़े होने के लिये हम पाकिस्तान के शुक्रगुजार हैं। यह भाईचारा बना रहे। उन्होंने कहा पाकिस्तान की कल संक्षिप्त यात्रा और हमारी बातचीत के बाद मैं पाकिस्तान से अनुरोध करूंगा कि समूचे क्रिकेट इकोसिस्टम के फायदे के लिये वह 15 फरवरी को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच खेले। इधर नकवी ने इन अटकलों को भी खारिज किया था कि आईसीसी से कार्रवाई की चेतावनी मिलने के कारण पीसीबी दबाव में है। उन्होंने कहा आपको पता है कि हम इन धमकियों से डरने वालों में से नहीं है। सभी हमारे फील्ड मार्शल (असीम मुनीर) को जानते हैं। हम किसी प्रतिबंध से नहीं डरते।

बांग्लादेश को एक मेजबानी दी जाएगी

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि बांग्लादेश को 2028 से 2031 के बीच में एक आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दी जाएगी। भारत में खेलने से इनकार पर बांग्लादेश पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

सूत्र ने कहा कि आईसीसी उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा के साथ रविवार को हुई बातचीत में नकवी ने कई मुद्दे उठाए। इसमें भारत पाक क्रिकेट की बहाली और बांग्लादेश समेत त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन शामिल है ताकि विश्व कप से बाहर होने से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को हुए नुकसान की भरपाई हो सके। भारत-पाक द्विपक्षीय क्रिकेट आईसीसी के दायरे में नहीं है जबकि त्रिकोणीय सीरीज की मांग खारिज कर दी गई है। भारत ने एक दशक से अधिक समय से कोई त्रिकोणीय सीरीज नहीं खेली है। आईसीसी अगले अंडर 19 विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश को दे सकती है। सूत्र के मुताबिक नकवी ने ख्वाजा से सवाल किया कि अगर पाकिस्तान टीम ने एशिया कप ट्रॉफी किसी भारतीय बोर्ड अधिकारी से स्वीकार करने से इंकार कर दिया होता तो क्या आईसीसी ने चुप्पी साधी होती। यह ट्रॉफी फिलहाल दुबई स्थित एशियाई क्रिकेट परिषद मुख्यालय के एक बंद कमरे में है।

गेंदबाजों के कमाल से जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से हराया

कोलंबो, एजेंसी

ब्लेसिंग मुजरबानी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद ब्रायन बेनेट की 36 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी से जिम्बाब्वे ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां 45 गेंद शेष रहते ओमान को आठ विकेट से शिकस्त दी। ओमान को 103 रन पर आउट करने के बाद जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 106 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लेते हुए ओमान के शीर्ष क्रम को झकझोरा। उन्हें रिचर्ड नगारवा का (चार ओवर में 17 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रैंड इवांस ने 3.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट लेते हुए जिम्बाब्वे के निचले क्रम को आउट किया।

ओमान ने 27 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे और टीम पर काफी कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था। विनायक शुक्ला (21 गेंद में 28 रन), सूफियान महमूद (39 गेंद में 25) और नदीम खान (18 गेंद में 20) की उपयोगी पारियों से टीम ने 100 रन के आंकड़े को पार किया। इन तीनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में रन बनाने में नाकाम रहा। विनायक और सूफियान ने छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी कर ओमान को जल्दी आउट होने बचाया तो वहीं नदीम ने आखिरी ओवरों में कुछ बड़े शॉट के साथ टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज तादिवांशे मारुमनी ने 11 गेंदों में 21 रन की तेज पारी खेली, लेकिन महमूद की गेंद पर वसीम अली ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेज दिया। महमूद ने उसी ओवर में डियोन मायर्स को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद बेनेट और अनुभवी विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर ने तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे को 13.3 ओवर में ही जीत दिला दी। बेनेट पिछले कुछ समय से शानदार लय में है। उन्होंने इससे पहले घरेलू सरजमीं पर तीन अर्धशतक लगाकर जिम्बाब्वे को इस विश्व कप में जगह दिलाई थी।

तीसरा विकेट लेने के बाद जश्न मनाते जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी। एजेंसी

केंद्रीय अनुबंध में बी श्रेणी में खिसके कोहली और रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी

सीनियर सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को बीसीसीआई के ताजा सालाना केंद्रीय अनुबंध में अपेक्षा के अनुरूप बी श्रेणी में रखा गया है जबकि बोर्ड ने सात करोड़ की रिटेनरशिप वाली ए प्लस श्रेणी खत्म कर दी है। बीसीसीआई ने सोमवार को 30 पुरुष और 21 महिला क्रिकेटरों को ए, बी और सी श्रेणी के सालाना अनुबंध देने की घोषणा की। नये केंद्रीय अनुबंध संबंधित सत्र में खेले गए मैचों और प्रदर्शन के आधार पर दिये गए हैं। दो प्रारूप में कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट हरफनमौला रविंद्र जडेजा को ए श्रेणी में रखा गया है। कोहली और रोहित टेस्ट और टी20 से विदा लेने के बाद एक ही प्रारूप में खेलते

हैं और इसलिये शीर्ष श्रेणी में नहीं रह सकते। समझा जाता है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के सुझाव पर प्रशासकों की समिति ने ए प्लस ग्रेड की शुरूआत की थी। यह तीनों प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों के लिये था और इतने वर्ष में सिर्फ कोहली, रोहित, जडेजा और बुमराह ही इस श्रेणी में रहे हैं। अब इनमें से तीन एक या दो प्रारूपों से विदा ले चुके हैं लिहाजा बोर्ड सिर्फ बुमराह को ए प्लस श्रेणी में नहीं रखना चाहता। गिल का सभी प्रारूपों में खेलना तय नहीं है और टी20 विश्व कप की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। पिछले चक्र में 34 खिलाड़ियों को अनुबंध दिये गए थे लेकिन इस बार सूची में 30 ही नाम हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन, तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान के नाम इसमें नहीं है। कारण यही है कि इस चक्र में उन्होंने किसी भी प्रारूप में एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। शमी के बाहर होने के मायने हैं कि भारतीय टीम में उनके लिये वापसी के रास्ते बंद हो चुके हैं। महिला क्रिकेट में विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को ए श्रेणी में रखा गया है। जेमिमा पिछले चक्र में ग्रेड बी में थी। स्नेह राणा को भी ग्रेड सी से बी में भेजा गया है।

टीम इंडिया सालाना केंद्रीय अनुबंध

(सीनियर पुरुष)

ग्रेड ए : शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा ग्रेड बी : वॉशिंगटन सुंदर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर ग्रेड सी : अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरूण चक्रवर्ती, नीतिश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साइ सुदर्शन, रवि बिश्नोई, रूतुराज गायकवाड़

(सीनियर महिला):

ग्रेड ए : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा ग्रेड बी : रेणुका ठाकुर, शेफाली वर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा ग्रेड सी : राधा यादव, अमनजोत कौर, प्रतिका रावल, क्रांति गौड़, उमा छेत्री, अरूंधति रेड्डी, श्रीचरणी, यास्तिका भाटिया, हरलीन देयोल, काशवी गौतम, जी कमलिनी।

डेविस कप | नीदरलैंड्स के खिलाफ जीत दिलाने वाले स्टार खिलाड़ी ने कहा–ये तो बस शुरुआत है

मैंने कुछ अलग तरह की टेनिस खेली : दक्षिणेश्वर

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत के नए डेविस कप हीरो दक्षिणेश्वर सुरेश का कहना है कि देश के लिए उनका शानदार प्रदर्शन 'बस शुरुआत है' क्योंकि वह एक अमेरिकी विश्वविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद एटीपी टेनिस टूर पर पूरी तरह से प्रतियोगिता में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी में कम्युनिकेशन स्टडीज की पढ़ाई कर रहे 25 साल के दक्षिणेश्वर इस साल मई में अपनी डिग्री पूरी करेंगे। सितंबर 2025 में पदार्पण करने के बाद सिर्फ दो मुकाबलों में दक्षिणेश्वर ने अपने सभी चार मैच जीते हैं। इनमें से तीन जीत उन्हें पिछले सप्ताहांत बेंगलुरु में नीदरलैंड के खिलाफ मिलीं।

दक्षिणेश्वर ने कहा अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है। यह

तो बस शुरुआत है। दक्षिणेश्वर ने इसके साथ 2004 में जापान के खिलाफ एक ही मुकाबले में तीन मैच जीतने के लिएंडर पेस की उपलब्धि की बराबरी की। दक्षिणेश्वर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने नीदरलैंड्स को 3-2 से हराकर डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे दौर में जगह बनाई जहां वे सितंबर में कोरिया से भिड़ेंगे। उन्होंने कहा मैं अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए अमेरिका जाऊंगा, फिर मई में वापस आकर अपना कार्यक्रम तय करूंगा। एक बार जब यह तय हो जाएगा तो मैं टूर में शामिल हो जाऊंगा और अगले डेविस कप मुकाबले की तैयारी करूंगा। दक्षिणेश्वर के शानदार रिकॉर्ड पर कप्तान रोहित राजपाल ने कहा बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो डेविस कप मुकाबले में 4-0 का रिकॉर्ड बनाते हैं, विशेषकर अच्छे विरोधियों के खिलाफ। वह लगातार अच्छी सर्विस करते हैं और अच्छे फोरहैंड लगाते हैं। मुझे उम्मीद है कि वह अपने टेनिस का आनंद लेते रहेंगे और अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। भारत का प्रतिनिधित्व करने से उनके खेल का एक अलग पहलू सामने आया है। उन्होंने कहा जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं तो यह एक अलग एहसास होता है। आप सिर्फ अपने लिए नहीं खेल रहे होते, आप पूरे देश के लिए खेल रहे होते हैं।

शेर की तरह लड़े नागल : कप्तान

कप्तान रोहित राजपाल ने चोटिल सुमित नागल की भी तारीफ की जो पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद टीम की अगुआई कर रहे थे। सुमित 50 प्रतिशत भी फिट नहीं थे। उनके कूल्हे में ग्रेड टू की चोट थी और हम फिजियो के साथ दिन-रात काम कर रहे थे। उन्होंने एक शेर की तरह लड़ाई लड़ी और टीम की वैसे ही अगुआई की जैसे भारत के नंबर वन खिलाड़ी को करनी चाहिए। राजपाल ने सहयोगी स्टाफ, विशेषकर फिजियो के योगदान की खास तौर पर तारीफ की और कहा कि इस मुकाबले ने भारत की बढ़ती ताकत को दिखाया है। चोट के कारण तीन हफ्ते बाहर रहे नागल अपने दोनों एकल मैच हार गए थे। यह एक मुश्किल हफ्ता था लेकिन अपनी लड़ाई से उन्हें हौसला मिला।